THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 357 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.6 2083 मंगलवार, 24 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2026 में रूस दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

मॉस्को, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के रूस का दौरा करने वाले हैं। इसकी जानकारी खुद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दी है। उन्होंने कहा है कि रूस को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल रूस का दौरा करेंगे।

लावरोव ने 'इंडिया एंड रशिया: टुवर्ड्स अ न्यू बाइलेट्रल एजेंडा ' (भारत और रूस: एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर) शीर्षक वाले सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा, हम 2026 में प्रधानमंत्री मोदी के रूस दौरे का इंतजार कर रहे हैं। इस सम्मेलन को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संबोधित किया है। लावरोव ने कहा, हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी 2026 में रूस का दौरा करेंगे।

पश्चिम-एशिया संकट पर मोदी बोले

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर

नागरिक-एनर्जी ठिकानों पर हमले का विरोध किया, कहा-41 देशों से तेल-गैस इंपोर्ट कर रहे

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। पीएम ने कहा-सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

तेल-गैस संकट पर: आज हमारे पास 65 लाख मीट्रिक टन की रिजर्व की व्यवस्था पर काम जारी है। सरकार अलग अलग देशों के सप्लायर्स से संपर्क में है। प्रयास है जहां से संभव हो वहां से सप्लाई होती रहे। तेल गैस फर्टिलाइजर से जुड़े जहाज भारत तक सुरक्षित पहुंचे, इसके लिए सहयोगियों से संवाद कर रहे हैं।

अन्न-राशन पर: हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है। आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं। उस वक्त भी ग्लोबल सप्लाई चेन में कमी आई थी। भारत के किसानों को यूरिया की एक बोरी 300 रुपए से भी कम कीमत में दिलाई गई।

भारतीयों की सुरक्षा: संकट की घड़ी में भारतीयों की सुरक्षा हमारी बहुत बड़ी प्राथमिकता रही है। अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

पॉवर सप्लाई पर: युद्ध का एक चैलेंज यह भी है कि देश में गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है। आने वाले समय में बिजली की डिमांड बढ़ती जाएगी। देश के पावर प्लांट में कोल स्टॉक उपलब्ध है। पावर जनरेशन से लेकर सप्लाई तक हर सिस्टम की मॉनीटरिंग की जा रही है।

एनर्जी सेक्टर पर: हम जानते हैं एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है। ग्लोबल नीड को पूरा करने वाला सोर्स वेस्ट एशिया है। भारत पर इस युद्ध से उत्पन्न दुष्प्रभाव का असर कम हो इसके लिए एक रणनीति से काम कर रहे हैं।

भारत सरकार ने एक ग्रुप बनाया है जो हर रोज मिलता है जो आयात-निर्यात में आने वाली दिक्कतों पर निरंतर काम करता है।

जंग को लेकर: डिप्लोमेसी में भारत की भूमिका स्पष्ट है। हमने गहरी चिंता व्यक्त की है। मैंने वेस्ट एशिया के प्रमुखों से बात की है। सभी से तनाव कम करने की अपील की है। कॉमर्शियल जहाजों पर हमला और रुकावट अस्वीकार्य है। भारत सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

क्यू-नेट एमएलएम घोटाले का पर्दाफाश, 32 आरोपी गिरफ्तार

> आरोपियों में अधिकांश आईटी क्षेत्र से जुड़े
> 11 पीड़ितों से करीब 75 लाख रुपये की ठगी सामने आई

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) टीमों ने बड़े मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) घोटाले का पर्दाफाश करते हुए 32 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में एक साथ चलाए गए विशेष अभियान के तहत की गई। जांच में सामने आया कि विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड (क्यू-नेट), जो हांगकांग स्थित क्यू-आई ग्रुप से जुड़ी है, देशभर में हजारों करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शामिल है।

यह कंपनी पहले गोल्ड क्वेस्ट और क्वेस्ट नेट नामों से भी संचालित होती थी। आरोपी हाईटेक सिटी के होटलों में मीटिंग्स आयोजित कर सॉफ्टवेयर कर्मचारियों, बेरोजगारों, गृहिणियों और व्यापारियों को निशाना बनाते थे। निवेश के नाम पर 5 से 10 लाख रुपये लगाकर दो वर्षों में 3 से 4 करोड़ रुपये तक कमाई का झांसा दिया जाता था। शुरुआत में कंपनी का नाम और एमएलएम (एमएलएम) मॉडल छिपाया जाता था। पैसे लेने के बाद बिना जानकारी के रकम को उत्पाद खरीद में दिखाकर निवेश को स्कीम में बदल दिया जाता था और बाद में उसे 'गिफ्ट' बताया जाता था। यह कंपनी बाइनरी सिस्टम (1+2+4+8...) के जरिए काम करती थी और सदस्यों को 'इंडिपेंडेंट रिप्रेजेंटेटिव' (आईआर) बनाया जाता था। नए लोगों को जोड़ने पर भारी कमीशन का लालच दिया जाता था, जो प्राइज चिट्स एंड मनी सर्कुलेशन स्कीम (प्रतिबंध) अधिनियम, 1978 के तहत गैरकानूनी है। सुप्रीम कोर्ट भी ऐसे मॉडलों को अव्यवहारिक और धोखाधड़ी करार दे चुका है। पुलिस ने 30 टीमों के साथ अंतरराज्यीय अभियान चलाकर 11 महिलाओं सहित 32 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अधिकांश आईटी क्षेत्र से जुड़े हैं। अब तक दर्ज 4 मामलों में 11 पीड़ितों से करीब 75 लाख रुपये की ठगी सामने आई है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने जनता से अपील की है कि ऐसे मल्टी लेवल मार्केटिंग और जल्दी अमीर बनने के झांसे से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाओं में शामिल होना या दूसरों को जोड़ना भी कानूनन अपराध है। पीड़ितों से अपील की गई है कि वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें और शिकायत दर्ज कराएं।

14 किलो के सिलेंडर में 10 किलो घरेलू गैस देने की तैयारी

दाम भी घटेंगे, ईरान युद्ध के चलते तेल कंपनियों का स्टॉक बचाने का प्लान

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सरकारी तेल कंपनियां (ओएमसीएस) अब घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की तैयारी कर रही है।

इसका मकसद लिमिटेड स्टॉक को ज्यादा से ज्यादा परिवारों तक पहुंचाना है। इसके साथ ही सिलेंडर के दाम भी कम किए जा सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तेल कंपनियों का मानना है कि 14.2 किलो का सिलेंडर औसतन 35 से 40 दिन चलता है। अगर इसमें सिर्फ 10 किलो गैस भरी जाए, तो एक परिवार का काम लगभग एक महीने तक चल जाएगा। इससे जो गैस बचेगी, उसे उन घरों तक पहुंचाया जा सकेगा जहां किल्लत है। तेल कंपनियों के पास अब ज्यादा रास्ते नहीं बचे हैं, क्योंकि खाड़ी देशों (मिडिल-ईस्ट) से गैस की नई खेप भारत नहीं आ पा रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण हालात बिगड़ गए हैं। हाल ही में ईरान ने वहां के एनर्जी प्लांट्स पर मिसाइल हमले किए, जिससे गैस उत्पादन को नुकसान हुआ है। इसके अलावा, होर्मुज रूट भी बंद है, जहां से गैस के जहाज भारत आते हैं।

'आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और बिरसा मुंडा का अपमान'

वडोदरा, 23 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात दौरे पर गए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा।

राहुल ने कहा कि जब भी वह जाति जनगणना की बात करते हैं, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका विरोध करते हैं। वडोदरा में आयोजित आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते कांग्रेस सांसद दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहना संविधान और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल आदिवासी समाज की पहचान को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की विरासत और उनके विचारों पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ लोग संविधान की बात करते हैं, लेकिन वही लोग आदिवासियों के अधिकारों को कमजोर कर रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पहली बार भारत का कृषि क्षेत्र अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस फैसले से देश के किसानों पर असर पड़ सकता है और उनकी सुरक्षा कमजोर हो सकती है। सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि यह देश की सोच और हर नागरिक के अधिकारों की गारंटी है, जिसमें हजारों साल पुराने विचार शामिल हैं।

पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज किया पार

भारतीय टैंकरों की आवाजाही शुरू

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए राहत की खबर सामने आ रही है। शिप ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, दो भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज को सुरक्षित पार कर लिया है। सोमवार दोपहर ये दोनों जहाज ईरान के लारक और केश्म द्वीपों के बीच देखे गए, जहां वे संभवतः ईरानी अधिकारियों को अपनी पहचान स्पष्ट कर रहे थे। ये दोनों जहाज उन 22 भारतीय जहाजों में शामिल थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण लगभग बंद हो चुके होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे हुए थे। यह जलमार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी देशों से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है।

इससे पहले भी भारत के कुछ जहाज सुरक्षित बाहर निकल चुके हैं। एलपीजी टैंकर एमटी शिवालिक 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा, जबकि एमटी नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंची। दोनों जहाज करीब 92,712 टन एलपीजी लेकर आए थे, जो देश की लगभग एक दिन की घरेलू गैस खपत के बराबर है। इसी क्रम में जग लाडकी नामक भारतीय तेल टैंकर, जो यूएई से 80,886 टन कच्चा तेल लेकर आ रहा था, 18 मार्च को मुंद्रा पहुंच गया। वहीं जग प्रकाश नामक टैंकर ओमान से पेट्रोल लेकर अफ्रीका के लिए सुरक्षित रूप से हॉर्मुज पार कर चुका है और तंजानिया की ओर बढ़ रहा है। युद्ध की शुरुआत में कुल 28 भारतीय जहाज इस क्षेत्र में मौजूद थे, जिनमें 24 जलडमरूमध्य के पश्चिमी हिस्से और चार पूर्वी हिस्से में थे। बीते दिनों दोनों ओर से दो-दो जहाज सुरक्षित निकल चुके हैं, लेकिन अभी भी 24 में से 22 जहाज पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं, जिन पर 611 नाविक सवार हैं, जबकि दो जहाज पूर्वी हिस्से में हैं। फंसे हुए जहाजों में विविध प्रकार के पोत शामिल हैं छह एलपीजी टैंकर एक एलएनजी टैंकर, चार कच्चा तेल टैंकर, एक केमिकल टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर, एक ड्रेजर, एक खाली जहाज और तीन जहाज ड्राई डॉक में मरम्मत के लिए हैं।

फंड पर रार : केरल को नहीं मिले आपदा राहत के 312 करोड़

संसद में बोलीं वित्त मंत्री-मदद की अर्जी ही नहीं दी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र और केरल सरकार के बीच जारी 'फंड की जंग' में एक नया मोड़ आ गया है। सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ-साफ कहा कि केरल को मिलने वाले 311.95 करोड़ रुपए के आपदा कोष पर रोक नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि केरल की ओर से मदद के लिए अभी तक अर्जी ही नहीं डाली गई है। संसद में विपक्षी सांसदों ने केरल के बकाये को लेकर सवाल उठाए थे। इसी पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महत्वपूर्ण तकनीकी अंतर समझाया। उन्होंने कहा, 'केंद्र की ओर से किसी अनुदान को मंजूरी देना एक बात है और उस राशि के लिए दावा पेश करना दूसरी बात।' सीतारमण के मुताबिक, 311.95 करोड़ रुपए की यह राशि केंद्र सरकार के पास उपलब्ध है। लेकिन, केरल सरकार ने इसे पाने के लिए आवेदन नहीं दिया है।

यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट की बड़ी बाधा

अक्सर केंद्र-राज्य के बीच विवाद की जड़ 'यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट' यानी उपयोगिता प्रमाण पत्र बनता है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकारी नियम के मुताबिक, पिछली दी गई राशि कहां और कैसे खर्च हुई, इसका हिसाब दिए बिना अगली किस्त जारी नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि जब तक राज्य पिछली परियोजनाओं का हिसाब नहीं देते, तब तक फंड जारी करना संभव नहीं होता। केरल लगातार केंद्र पर 'आर्थिक नाकेबंदी' का आरोप लगाता रहा है। ऐसे में वित्त मंत्री का यह बयान राज्य के दावों पर सवालिया निशान लगाता है। यह मामला आपदा प्रबंधन से जुड़ा है। आपदा शमन कोष का इस्तेमाल बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के किया जाना था। हालांकि, अब यह अधर में लटकी नजर आ रही हैं। गेंद अब केरल सरकार के पाले में है। यदि राज्य इन फंडों को हासिल करना चाहता है, तो उसे पाई-पाई का हिसाब देना होगा।

केरल भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि चंद्रशेखर का बेंगलुरु के पॉश इलाके कोरमंगला में 49,000 स्क्वॉयर फीट का बंगला है। जिसकी कीमत करीब 200 करोड़ रुपए के आसपास है। केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राजीव चंद्रशेखर आदतन अपराधी हैं।

उन्हें लगता है कि वे इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को बार-बार गुमराह कर सकते हैं। उनके एफिडेविट से यह भी पता चलता है कि अरबपति बिजनेसमैन होने के बावजूद उनके पास कोई रहने की प्रॉपर्टी या कार नहीं है। हम आपसे रिक्वेस्ट करते हैं कि इस मामले में दखल दें और पीपल्स रिप्रेजेंटेशन एक्ट के तहत कैंडिडेट को डिसक्वालिफाई करें।

सुप्रीम कोर्ट के गुंबद पर 'राष्ट्रीय चिन्ह'

सीजेआई सूर्यकांत बोले-याचिका न डालें मुझे प्रशासनिक तौर पर लिख सकते हैं

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी इमारत के गुंबद पर 'राष्ट्रीय चिन्ह'(अशोक के सारनाथ सिंह स्तंभ) स्थापित किए जाने को लेकर शुक्रवार को बहुत ही सकारात्मक संकेत दिया। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले में डाली गई एक याचिका लेकर याचिकाकर्ता से कहा कि इसके लिए याचिका डालने की आवश्यकता नहीं है और चाहें तो इसके लिए प्रशासनिक तौर पर विचार के लिए सीजेआई को चिट्ठी लिख सकते हैं।

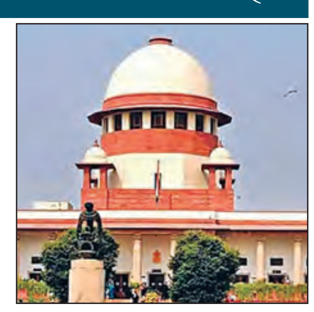

सुप्रीम कोर्ट की इमारत पर 'राष्ट्रीय चिन्ह' स्थापित किए जाने वाली याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से सर्वोच्च अदालत से यह मांग की गई थी कि वह सुप्रीम कोर्ट की इमारत पर 'राष्ट्रीय प्रतीक' स्थापित करने के लिए निर्देश जारी करे। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट एक नई इमारत के निर्माण की प्रक्रिया में है और उस संदर्भ में इस मुद्दे पर विचार किया जा सकता है। सीजेआई ने कहा, 'हम नई इमारत बना रहे हैं, हम इसे तब देखेंगे।' लाइव लॉ ने यह रिपोर्ट दी है।

इस मामले में खुद पेश होते हुए याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट की बेंच से पूछा, 'मौजूदा इमारत के बारे में क्या, सर?' इसपर सीजेआई ने भरोसा दिया कि इस मुद्दे पर विचार किया जाएगा और सलाह दी की कि ऐसे अनुरोध न्यायिक प्रक्रिया के तहत नहीं, बल्कि प्रशासनिक तरीके से आना चाहिए।

एस जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री वेडफुल के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष पर की चर्चा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच वर्तमान समय में जारी पश्चिम एशियाई तनाव पर बातचीत हुई। दोनों पक्ष बदलते घटनाक्रम के बीच करीबी संपर्क में रहने पर सहमत हुए। डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बातचीत की जानकारी साझा कर लिखा, 'कल रात जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ पश्चिम एशिया विवाद पर काम की बातचीत हुई। संपर्क में रहने पर सहमत हुए।' यह नई बातचीत हाल के हफ्तों में दोनों नेताओं के बीच कई डिप्लोमैटिक मुलाकातों के बीच हुई है। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने ब्रसेल्स में 16 मार्च को वाडेफुल से खुद मुलाकात की। इस दौरान भी दोनों नेताओं ने 'पश्चिम एशिया में विवाद पर विचार साझा' किया और साथ ही दोनों देशों के बीच सहयोग के अलग-अलग पहलुओं की भी समीक्षा की। इससे पहले, 10 मार्च को, दोनों मंत्रियों ने लगातार बातचीत के हिस्से के तौर पर पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा की थी, जो ऊर्जा सुरक्षा और इलाके की स्थिरता पर विवाद के असर को लेकर बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चिंता को दिखाता है।

हाल के हफ्तों में, डॉ. जयशंकर कई ग्लोबल साझेदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, क्योंकि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत के विदेश मंत्री ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची समेत कई खास स्टेकहोल्डर्स के साथ भी लगातार संपर्क में बने हुए हैं।

ईरान के अलावा, विदेश मंत्री ने कई खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत जारी रखी है, जिससे इस संकट में शामिल सभी पक्षों के साथ डिप्लोमैटिक रूप से जुड़े रहने की भारत की कोशिशों पर जोर दिया गया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की तरफ से ईरान पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ, जिसके नतीजे में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई।

'हमारी कड़ी चेतावनी के बाद पीछे हटा अमेरिका'

ट्रंप के हमला टालने के फैसले पर ईरान का बड़ा दावा

तेहरान, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ईरान के ऊर्जा प्लांट्स पर पांच दिन तक हमले रोकने के निर्देश पर तेहरान ने पहली प्रतिक्रिया दी है। सोमवार को ईरानी सरकारी टेलीविजन ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद पीछे हट गए हैं। बता दें कि, ट्रंप की तरफ से पहले दी चेतावनी की समय सीमा मंगलवार को लगभग सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) पर समाप्त होनी थी। लेकिन ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने इसे पांच दिन बढ़ा दिया है।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने ईरान के विदेश मंत्रालय का एक बयान प्रकाशित किया है जिसमें कहा गया है कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है। बयान में कहा गया है कि ट्रंप की टिप्पणियां ऊर्जा की कीमतों को कम करने और अपनी सैन्य योजनाओं को लागू करने के लिए समय हासिल करने के उद्देश्य से की गई हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि क्षेत्रीय देशों द्वारा तनाव कम करने के लिए पहल की जा रही है, लेकिन उन्हें अपनी बात वॉशिंगटन तक पहुंचानी चाहिए, जिसने इस युद्ध की शुरुआत की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'ईरान के साथ पिछले दो दिनों में बेहद सकारात्मक और उत्पादक बातचीत हुई है, जिसका मकसद मध्य पूर्व में जारी टकराव का पूर्ण समाधान निकालना है। चर्चाओं का ये दौर पूरे हफ्ते जारी रहेगा। दोनों देशों के बीच गहन और विस्तृत चर्चाओं के सकारात्मक रवैए को देखते हुए, 'मैंने अमेरिकी रक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि ईरान के पावर प्लांट्स और ऊर्जा ढांचे पर सभी सैन्य हमलों को फिलहाल पांच दिनों के लिए टाल दिया जाए।'

सुप्रीम कोर्ट जज बोले-ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही

इसलिए लोग जेलों में सड़ रहे; यह विकसित भारत का आदर्श नहीं हो सकता

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही।

'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की।

यूएपीए और पीएमएलए एक्ट का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहा

अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- पीएमएलए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है।

वहीं, यूएपीए को लेकर कहा कि जब दोषसिद्धि की दर लगभग 5% से भी कम है, तो आरोपी को सालों तक जेल में क्यों रखा जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े कुछ विवादों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट को एसआईटी बनानी पड़ी हैं, जिससे सिर्फ समय की बर्बादी हुई है। जस्टिस भुइयां ने न्यायपालिका को विकसित भारत जैसे राजनीतिक नारों से बहुत ज्यादा जोड़ने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा-'विकसित भारत' का विचार एक राजनीतिक लक्ष्य है और अदालतों को अपने कामकाज में स्वतंत्र रहना चाहिए।

बंगाल में हुमायूं कबीर के साथ ओवैसी का गठबंधन

> क्या ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए मुश्किल हुई लड़ाई?

कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन का एलान किया है। हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस से विधायक रहे हैं, लेकिन बीती साल टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, जिसके बाद हुमायू कबीर ने नई पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी बनाने का फैसला किया।

हुमायूं कबीर का 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान

हुमांयू कबीर ने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हुमायूं कबीर 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान भी कर चुके हैं। हुमायूं कबीर खुद रेजीनगर सीट से चुनाव लड़ेंगे। हुमायूं कबीर दो मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे। जिनमें रेजीनगर के अलावा नौवाला सीट शामिल है। हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं। जिसके लिए उन्हें करोड़ों रुपये का चंदा मिलने की बात कही जा रही है। बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर वे बीते दिनों काफी चर्चा में थे और जिस तरह से उन्हें लोगों का समर्थन मिला, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का गठबंधन सत्ताधारी टीएमसी को मुस्लिम बहुल सीटों पर खासा नुकसान पहुंचा सकता है।

ममता बनर्जी की ऐसे बढ़ी चिंता

पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। ये जिले मुस्लिम बहुल हैं, जहां मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने इन जिलों की 85 विधानसभा सीटों में से 75 पर कब्जा जमाया था। मुर्शिदाबाद जिले में 22 विधानसभा सीटें हैं और मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर का अच्छा खासा प्रभाव है। खासकर बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरुआत करने से हुमायूं कबीर का इस जिले में जनसमर्थन और बढ़ा है।

ऐसे में अगर हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम का गठबंधन मुर्शिदाबाद सहित अन्य मुस्लिम बहुल सीटों पर कुछ प्रतिशत वोट पाने में सफल रहा तो इससे टीएमसी की जीत का गणित गड़बड़ा सकता है। साथ ही कांग्रेस और लेफ्ट भी मुस्लिम बहुल सीटों में सेंध लगाने की कोशिश में है। यही वजह है कि हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम के गठबंधन से टीएमसी नेतृत्व की चिंता बढ़नी स्वभाविक है। बंगाल में विधानसभा की 294 सीटे हैं , जिन पर दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। 4 मई को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म मामले में अदालत सख्त

हरियाणा के डीजीपी से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। शीर्ष अदालत ने सीबीआई-स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच कराए जाने की मांग वाली याचिका पर हरियाणा सरकार और राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त (सीपी) और मामले की जांच कर रहे अधिकारी (आईओ) को मामले के सभी रिकॉर्ड के साथ 25 मार्च को अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम के जिला न्यायाधीश को भी अहम निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कथित तौर पर हुई असंवेदनशील कार्यवाही के लिए मजिस्ट्रेट से जवाब मांगें।

पुद्दुचेरी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी विजय की पार्टी टीवीके, सभी सीटों पर उतारे उम्मीदवार

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। मशहूर अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने पुदुचेरी विधानसभा चुनाव अकेले दम पर लड़ने का एलान किया है। इतना ही नहीं पार्टी ने प्रदेश की सभी 30 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया है। पार्टी ने ऐलान किया कि वह सभी 30 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी।

सूची में कई बड़े नाम

टीवीके द्वारा जारी सूची में दो महिला उम्मीदवारों को भी शामिल किया गया है, जिन्हें पुदुचेरी क्षेत्र की मंगलम और कादिरकामम सीटों से टिकट दिया गया है। पार्टी ने तिरुभुवनै (आरक्षित) सीट से ए. के. साई जे. सरवनन कुमार को उम्मीदवार बनाया है। सरवनन कुमार ने ओस्सुदु (आरक्षित) सीट से फिर से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिलने पर शनिवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया था।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को भी दिया टिकट

पूर्व एआईएडीएमके विधायक के. ए. यू. असाना और एल. पेरियासामी को क्रमशः कराईकल (दक्षिण) और नेट्टापक्कम (आरक्षित) सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पुदुचेरी भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वी. सामीनाथन को लॉस्पेट विधानसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा, पुदुचेरी के पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक वी. जे. चंद्रन और कांग्रेस के पूर्व विधायक एन. धनवेलु भी टीवीके पार्टी के उम्मीदवारों में शामिल हैं।

पार्टी ने बाकी सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पुदुचेरी चुनाव के लिए भाजपा ने भी नौ सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया है। पुदुचेरी विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त होने जा रहा है। पुदुचेरी की सभी सीटों पर एक ही चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा, और 4 मई 2026 को चुनाव के नतीजे आएंगे।

ट्रेन के आगे कूद गए सगे भाईः एक-दूसरे का हाथ पकड़ा

फरीदकोट, 23 मार्च (एजेंसियां)। फरीदकोट के गांव ढाब ब्राह्मण वाला के नजदीक दो सगे भाइयों ने एक साथ अपनी जीवन लीला खत्म कर ली। दोनों भाई किसान थे। दोनों ने एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की है। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। मृतकों की पहचान गांव हरीनौ निवासी जसकरण सिंह (38) और उसके छोटे भाई जसविंदर सिंह उर्फ जोरा (34) के रूप में हुई है। जीआरपी पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फरीदकोट के मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, आठ भाई-बहनों में सबसे छोटे ये दोनों भाई आपस में काफी प्यार से रहते थे और साथ मिलकर खेतीबाड़ी व अन्य काम करते थे।

साथ रहने से मना किया तो दोस्त का काट दिया गला

सबके सामने 20 बार चाकू गोदकर उतारा मौत के घाट

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के धारावी इलाके में दिनदहाड़े हुई एक हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया। यहां एक 20 साल के युवक की उसके ही दोस्त ने बड़ी बेरहमी से जान ले ली। आरोपी ने अपने दोस्त पर चाकू से 20 से ज्यादा वार किए और उसका गला भी रेत दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस खौफनाक वारदात के पीछे पुरानी रंजिश और आपसी विवाद की बात सामने आ रही है।

दोस्त पर 20 से अधिक वार किए, फिर रेता गला

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अश्विन शिवकुमार नाडर के रूप में हुई है। उस पर उसके परिचित आशिक असीम अख्तर खान ने 20 से अधिक बार चाकू से हमला किया और उसका गला भी रेत दिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी हाथ में खून से सना चाकू लेकर अश्विन के पास ही खड़ा था।

चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि हमला करते समय आरोपी लगातार अश्विन को जान से मारने की धमकी दे रहा था। वह चिल्ला रहा था कि वह अश्विन को जिंदा नहीं छोड़ेगा। उसने यह भी धमकी दी कि जो कोई भी बीच-बचाव करने आएगा वह उसे भी मार डालेगा। इस खौफनाक मंजर को देखकर आसपास के लोग सहम गए। शुरुआती जांच में सामने आया कि अश्विन और आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। उनके बीच काफी समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था।

जम्मू यूनिवर्सिटी में जिन्ना से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश

अल्पसंख्यकों का नेता बताया; नए सिलेबस में जिन्ना सर सैयद और इकबाल को जोड़ा था

जम्मू, 23 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू यूनिवर्सिटी में एमए पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस से मोहम्मद अली जिन्ना, सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद इकबाल से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश विभागीय मामलों की समिति (डीएसी) ने की है। अब इस पर अंतिम फैसला 24 मार्च को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में होगा। उधर, कांग्रेस का कहना है कि सिलेबस को लेकर विवाद जानबूझकर खड़ा किया जा रहा है।

सिलेबस में जिन्ना को जोड़ने के बाद हुआ विवाद

पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस में 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' पेपर के तहत जिन्ना के राजनीतिक विचार शामिल किए गए थे, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शनिवार को यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर इन टॉपिक्स को हटाने की मांग की थी। संगठन ने कहा कि अकादमिक स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्रीय भावनाओं और ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी नहीं हो सकती। एबीवीपी के जम्मू-कश्मीर राज्य सचिव सन्नक श्रीवत्स ने बताया कि पहले जिन्ना का जिक्र 'टू-नेशन थ्योरी' के संदर्भ में होता था, जहां उन्हें विभाजन की सोच से जोड़ा जाता था। अब संशोधित सिलेबस में उन्हें 'माइनॉरिटीज एंड द नेशन' के तहत अल्पसंख्यकों के नेता के रूप में पेश किया गया है, जिस पर आपत्ति जताई जा रही है। पॉलिटिकल साइंस विभाग के अध्यक्ष बलजीत सिंह मान ने कहा कि जिन्ना समेत अन्य विचारकों को अकादमिक दृष्टि से शामिल किया गया है।

अशोक खरात विवादः शिवसेना यूबीटी का सरकार पर हमला

अंधविश्वास की भेंट चढ़ रही महाराष्ट्र की प्रगतिशील विरासत

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के जरिए महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति पर कड़ा प्रहार किया है। मामले में खुद को 'शाही ज्योतिषी' बताने वाले अशोक खरात के विवाद ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पार्टी ने कहा, खरात को महिलाओं के शोषण और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले ने उन बड़े मंत्रियों और अधिकारियों को बेनकाब कर दिया है, जो राजनीतिक लाभ के लिए इस बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते थे।

मामले को लेकर पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा गया, महाराष्ट्र की राजनीति अब प्रगतिशील विचारों को छोड़कर अंधविश्वास के जंगल में दबती जा रही है। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि सत्ता का यह सफर गुवाहाटी के तटों से शुरू होकर खरात बाबा के आश्रम की चौखट तक जा रही है। यह बदलाव राज्य की जड़ों के लिए बहुत खतरनाक है। संपादकीय में दावा किया गया है कि खरात ने धर्म और भविष्य बताने के नाम पर कई महिलाओं का शोषण किया। इन गंभीर आरोपों के बाद भी कथित तौर पर राज्य कैबिनेट के कई सदस्य उसके पक्के भक्त बने रहे।

शिवसेना ने कहा कि सिर्फ खरात ही अपराधी नहीं है, बल्कि वे नेता भी बराबर के दोषी हैं जो उसके पैरों में गिरते थे और उससे सलाह लेते थे। लेख में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का भी जिक्र किया गया है। आरोप है कि कैबिनेट मंत्रियों ने कथित तौर पर अपने राजनीतिक विरोधियों को हराने के लिए 'अघोरी' (तंत्र-मंत्र) अनुष्ठान किए। शिवसेना का कहना है कि अगर खरात पर समय रहते कार्रवाई होती, तो कई पीड़ित महिलाओं को बचाया जा सकता था। सामना ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष की कड़ी आलोचना की है। लेख के अनुसार, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति के पैर धोए जिसने महिलाओं का शोषण किया।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

जंतर-मंतर प्रदर्शन केस में ट्रायल पर रोक, राहुल-अखिलेश समेत कई नेताओं को राहत

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है, जिसमें चार्जशीट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, अखिलेश यादव, डीएमके नेताओं कनिमोझी, ए. राजा, सीवीएमपी एझिलारासन समेत अन्य के नाम शामिल हैं।

यह मामला फरवरी 2025 में जंतर-मंतर पर यूजीसी के ड्राफ्ट दिशानिर्देशों के खिलाफ कथित रूप से बिना अनुमति आयोजित किए गए प्रदर्शन से जुड़ा है। डीएमके नेता सीवीएमपी एझिलारासन ने एफआईआर रद्द करने की मांग की है।

चार्जशीट दाखिल होने के बाद मामला राउज एवेन्यू कोर्ट में लंबित है, हालांकि अभी तक अदालत ने संज्ञान नहीं लिया है।

तीन साल से नाबालिग लड़कियों का शोषण कर रहा था पार्षद का बेटा

> 25 से 30 बच्चियों को बनाया अपना शिकार

काकोरा, 23 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण गोवा पुलिस ने सोमवार सुबह 20 वर्षीय सोहम सुशांत नाइक को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी 25 से 30 नाबालिग लड़कियों से जुड़े एक कथित यौन कांड को लेकर जनता के भारी विरोध के बाद की गई। मादेगल-काकोरा निवासी और भाजपा के कुर्चोरेम नगर निगम पार्षद के बेटे नाइक को तब हिरासत में लिया गया, जब नागरिकों और स्थानीय नेताओं की भीड़ ने पुलिस स्टेशन के सामने धरना प्रदर्शन किया। जांच से पिछले तीन वर्षों में हुए दुर्व्यवहार का एक भयावह सिलसिला सामने आया है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भाजपा पार्षद के बेटे ने कथित तौर पर कई नाबालिगों के साथ यौन संबंध बनाए। इन घटनाओं को फिल्माया और बाद में पीड़ितों को चुप कराने के लिए उस फुटेज का इस्तेमाल किया।

मामला कब सामने आया?

यह मामला पिछले सप्ताह तब सामने आया जब सोहम सुशांत नाइक ने कथित तौर पर एक सामाजिक समारोह में अपने साथियों को पीड़ितों के आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर अपने कृत्यों के बारे में शेखी मारी। दक्षिण गोवा में यौन शोषण की रिकॉर्डिंग की अफवाहें फैलते ही स्थानीय तनाव चरम पर पहुंच गया। हालांकि, इससे पहले दक्षिण गोवा में पिछले कुछ दिनों से इस मामले पर चर्चा हो रही थी। स्थानीय नागरिक रविवार रात को कुडचाडे पुलिस स्टेशन पर इकट्ठा हुए और कार्रवाई की मांग की क्योंकि यह मामला एक स्थानीय भाजपा पार्षद से जुड़ा हुआ था।

सिलीगुड़ी से आगाज भवानीपुर में आखिरी प्रहार

बंगाल का सियासी रण

> बीजेपी ने बनाया पीएम की रैलियों का मास्टरप्लान

कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव तपिश दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। भाजपा ने बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बार के चुनावी बिसात की सबसे बड़ी खबर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद मोर्चा संभालने जा रहे हैं।

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री अगले एक महीने के भीतर बंगाल में कुल 14 चुनावी कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। उनके इस तूफानी दौरे की शुरुआत उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी से होने वाली है। वहीं, पीएम की बंगाल में आखिरी रैली दक्षिण कोलकाता की सबसे चर्चित सीट भवानीपुर में होगा।

इस चुनाव का सबसे बड़ा कुरुक्षेत्र है भवानीपुर

भवानीपुर को ऐसे ही नहीं पीएम मोदी के चुनावी अभियान के समापन स्थल के लिए चुना गया है। इसके पीछे भाजपा की सोची-समझी रणनीति है। दरअसल, इस बार भवानीपुर सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच सीधा मुकाबला है। 29 अप्रैल को दूसरे चरण में इस सीट पर मतदान होना है। भाजपा यहां अपनी पूरी साख दांव पर लगा रही है।

चुनावी रैलियों का पूरा गणित

सिर्फ प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि भाजपा के तमाम दिग्गज नेता अगले एक महीने तक बंगाल की गलियों में नजर आएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कुल 8 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 7 जनसभाओं को संबोधित करेंगे। वहीं, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 6 जनसभाओं के जरिए वोटरों को साधेंगे। हाल ही में पीएम मोदी ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है। उन्होंने दावा किया था कि राज्य की जनता अब 'जंगल राज' से मुक्ति चाहती है। 23 अप्रैल को सिलीगुड़ी में पहले चरण के मतदान के साथ शुरू होने वाला यह चुनावी दंगल 4 मई को नतीजों के साथ खत्म होगा।

खबरें जरा हटके

अकेलेपन का नया इलाज! मामूली दुख के लिए 250, बड़े दुख के लिए 500 रुपये

मुंबई के शख्स का ऑफर देख लोग हैरान

मुंबई के एक बीच पर एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है. यहां एक शख्स लोगों की परेशानियां सुनने के बदले पैसे ले रहा है. वायरल वीडियो में यह शख्स एक पोस्टर लेकर खड़ा दिखाई देता है, जिस पर लिखा है- किसी को अपना दुख सुनाना है तो मैं सुन सकता हूं.

कितना लेता है चार्ज?

इस शख्स का नाम पृथ्वीराज बोहरा बताया जा रहा है. वीडियो में उसने अपनी फीस भी बताई है. छोटे-मोटे दुख के लिएः 250 रुपये, गंभीर परेशानियों के लिएः 500 रुपये, साथ बैठकर रोने के लिएः 1000 रुपये। जब उससे पूछा गया कि क्या लोग सच में पैसे देकर आते हैं, तो उसने जवाब दिया, हां, लोग आते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी बहस

इस वीडियो के वायरल होते ही लोगों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई. विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े शहरों में बढ़ता तनाव और अकेलापन लोगों को ऐसे विकल्पों की ओर धकेल रहा है, जहां वे अपनी बात खुलकर कह सकें. आज के समय में हर किसी को एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जो बिना जज किए उनकी बात सुन सके.

सोशल मीडिया पर मिले-जुले रिएक्शन

इस अनोखी पहल पर इंटरनेट दो हिस्सों में बंट गया है. कुछ लोगों ने इसे सराहा और कहा, यह सबसे बड़ा बिजनेस आइडिया है. दूसरे ने कहा, यह अगला बड़ा स्टार्टअप बन सकता है. वहीं, कुछ लोगों ने इसकी आलोचना की. एक ने लिखा- दुख भी अब पैसों में बिक रहा है. दूसरे ने कहा, यह उन लोगों का फायदा उठाना है जो सही मदद नहीं ले सकते. कुछ यूजर्स ने मजाक में यह भी कहा कि वे अपने दोस्तों और परिवार की बातें मुफ्त में सुनते हैं.

कद्दू के बीज पर उकेरा बाबा का चित्र! 1 मिनट में रचा इतिहास, दुनिया कर रही तारीफ

महाकाल की नगरी उज्जैन की कलाकार इन दिनों सूक्ष्म कला में कमाल दिखा रहे हैं. इन प्रतिभाशाली कलाकार ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर न सिर्फ उज्जैन बल्कि मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है. बेहद छोटी-छोटी वस्तुओं पर शानदार चित्र बनाना आसान नहीं होता लेकिन उज्जैन की इस कलाकार ने अपनी मेहनत और धैर्य से इसे संभव कर दिखाया. हम बात कर रहे है उज्जैन की डॉ. मंजू तिवारी जो की पेशे से एक योगा टीचर है. लेकिन इन दिनों उनकी पेंटिंग की चर्चा दुनियाभर मे हो रही है. फाइन आर्टस की विध्यार्थी मंजू तिवारी ने कदु के बीज पर बाबा खाटूश्याम जी का 1 से.मी. का चित्र 1 मिनिट 7 सेकंड में बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया हैं उक्त पेंटिंग अत्यंत सूक्ष्म ओर आकर्षक बिना मेग्नीफाइंग ग्लास के बनाई गई हैं यह रिकॉर्ड 2 मार्च को द वर्ल्ड वाइड बुक्स ऑफ रिकॉर्ड दर्ज किया गया हैं. जिसकी प्रसंसा अब पुरे उज्जैन मे हो रही है.

बचपन से शौक अब बनी पहचान

डॉ. मंजू बताती है कि मुझे ड्राइंग का शौक बचपन से है. जब मे छोटी थी जब भगवान की प्रतिमा देखकर उनको रंगों के माध्यम से कागज पर उतारने का प्रयास करती थी. अब मेरी बनाई हुईं पेंटिंग बड़े-बड़े प्रदर्शनियों मे लग चुकी है. ऐसे तो याद नही लेकिन अभी कुछ ही समय पहले करीब 10 अक्टूबर को दिल्ली की एक प्रदर्शनि मे योगेश्वर और योगि की पेंटिंग लगी थी. उसके बाद अभी फलकार मे भी मेरी पेंटिंग लगी हुईं है जिसमे राजस्थानी नत्य को पेंटिंग के माध्यम से मेने उकेरा है. डॉ. मंजू तिवारी ने बताया कि लगातार भागदौड़ की जिंदगी मे हमें अपने लिए समय नही मिलता है.

8 साल तक गले में होता रहा दर्द, तड़प-तड़प कर जी रहा था शख्स, शराब के नशे में हुई थी खौफनाक भूल

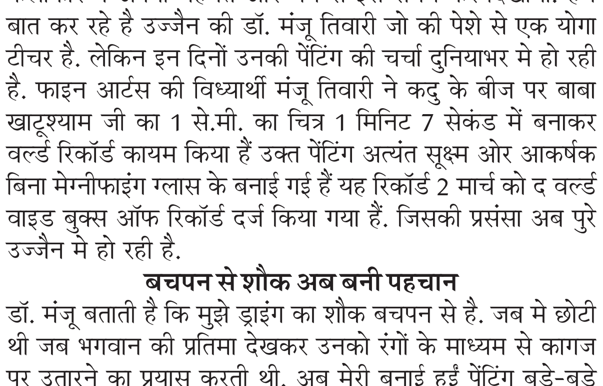

चीन के लियाओनिंग प्रांत के दालियान शहर में एक चौंकाने वाली मेडिकल केस सामने आई है, जहां एक 46 वर्षीय व्यक्ति वांग ने पूरे 8 साल तक अपने गले में 12 सेंटीमीटर लंबी मेटल चॉपस्टिक के साथ जीवन बिताया. यह घटना इतनी हैरान करने वाली है कि सोशल मीडिया पर एक्स-रे इमेज और सर्जरी के बाद निकाली गई चॉपस्टिक की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है. डॉक्टर्स भी इस मामले से स्तब्ध हैं कि इतने लंबे समय तक कोई व्यक्ति बिना गंभीर कॉम्प्लिकेशन के जी सकता है।

आठ साल पहले हुआ था हादसा

घटना की शुरुआत 8 साल पहले हुई, जब वांग शराब के नशे में था और खाना खा रहा था. रिपोर्ट्स के अनुसार, नशे की हालत में उसने गलती से पूरी मेटल चॉपस्टिक निगल ली थी. तुरंत गले में तेज दर्द और ब्रेकिंग सेंसेशन हुआ, लेकिन सांस लेने में कोई दिक्कत नहीं आई. वह तुरंत अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर्स ने जांच की और पाया कि चॉपस्टिक गले के ऊपरी दाहिने हिस्से में, सॉफ्ट पैलेट के पीछे एम्बेडेड है. करीब 3 सेंटीमीटर हिस्सा बाहर निकला हुआ था. डॉक्टर्स ने सलाह दी कि इसे निकालने के लिए गर्दन में कट लगाकर ओपन सर्जरी करनी होगी, जो रिस्की था. वांग ने सर्जरी के डर से इनकार कर दिया. उसने सोचा कि दर्द शायद शराब के साइड इफेक्ट्स है और समय के साथ ठीक हो जाएगा. इसके बाद अगले 8 सालों में वह नियमित रूप से शराब पीता रहा और कभी-कभी होने वाले गले के दर्द को इग्नोर करता रहा। हाल ही में उसकी स्थिति बिगड़ गई. एक सुबह उठते ही गले में तेज दर्द और मजबूत फॉरेन बॉडी सेंसेशन हुआ, जो आराम करने पर भी कम नहीं हुआ. वह दालियान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी अफिलिएटेड सेंट्रल हॉस्पिटल (या दालियान म्यूनिसिपल सेंट्रल हॉस्पिटल) पहुंचा, जहां ईएनटी स्पेशलिस्ट्स ने एंडोस्कोपी और एक्स-रे किए, तो सब हैरान रह गए.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 24 मार्च, 2026 3

सु वि चा र: हमारी समस्याओं का समाधान केवल हमारे पास है, दूसरो के पास तो केवल सुझाव है!

कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल ट्रीटमेंट कार्ड शुरू करेंगे : भट्टी विक्रमार्का

डिप्टी सीएम ने बीआरएस विधायकों को दिया जबाव

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने विधानसभा में बीआरएस उठाए गए कर्मचारियों के मुद्दों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता की सरकार सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्र समिति के शासनकाल में कर्मचारियों को हर महीने की 15 तारीख के बाद वेतन मिलता था, जबकि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने सत्ता संभालने के बाद से हर महीने की पहली तारीख को समय पर वेतन देना सुनिश्चित किया है। पमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा लंबित छोड़ी गई तीन महंगाई भत्ते (डीए किस्तों को वर्तमान सरकार ने जारी कर दिया है।

साथ ही, पूर्व सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट लाभों के भुगतान से बचने के लिए सेवानिवृत्ति आयु 58 से बढ़ाकर 61 वर्ष और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष कर दी गई थी, जिससे अब 17,000 कर्मचारियों के रिटायरमेंट लाभ का बोझ वर्तमान सरकार पर आया है। न्होंने यह भी जानकारी दी कि सरकार ने कर्मचारियों के सभी लंबित मेडिकल बिलों का भुगतान कर दिया है। सत्ता में आने के समय पिछली सरकार 40,150 करोड़ रुपए के बकाया छोड़ गई थी, जिसमें से 4,575 करोड़ रुपए कर्मचारियों से संबंधित थे। इस मुद्दे पर विधानसभा में श्वेत पत्र भी जारी किया गया। सरकार हर महीने 700 करोड़ रुपए का भुगतान कर कर्मचारियों के बकाया चुकता कर रही है और इसे बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए करने पर विचार किया जा रहा है, ताकि बकाया तेजी से खत्म किया जा सके। भट्टी विक्रमार्का ने बताया कि सरकार कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल ट्रीटमेंट कार्ड शुरू करने जा रही है। साथ ही, दुर्घटना में मृत्यु होने पर कर्मचारियों के परिवार को 1.25 करोड़ रुपए का बीमा देने की योजना भी लागू की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 6,146 करोड़ रुपए कर्मचारियों से संबंधित बकाया का भुगतान किया जा चुका है। पीआरसी (पे रिवीजन कमीशन) रिपोर्ट आने के बाद नए वेतनमान पर निर्णय लिया जाएगा, जबकि चार डीए अभी लंबित हैं, जिन पर जल्द ही नीति निर्णय लिया जाएगा। अंत में उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने वित्तीय व्यवस्था को कमजोर कर दिया था, जबकि वर्तमान सरकार कर्मचारी संगठनों के साथ लगातार संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है।

गिग वर्कर्स के लिए जल्द नया कानून: विवेक वेंकटस्वामी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गिग वर्कर्स के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर राज्य सरकार जल्द ही एक व्यापक कानून लाने की तैयारी में है। यह जानकारी श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने विधानसभा में दी। महबूबनगर विधायक येनम श्रीनिवास रेड्डी द्वारा गिग वर्कर्स के हितों पर उठाए गए प्रश्न के जवाब में मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित 'गिग वर्कर्स बिल' को पहले कैबिनेट में विचार के लिए रखा जाएगा, जिसके बाद इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। इस दौरान विधायक कुनमनेनी संबशिवा राव, बीरला इलैया सहित अन्य सदस्यों ने भी इस विषय पर अपने सुझाव और चिंताएं व्यक्त कीं। मंत्री ने बताया कि बिल को विधानसभा की मंजूरी मिलने के बाद गिग वर्कर्स के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन किया जाएगा। यह बोर्ड शिकायत निवारण प्रणाली संचालित करेगा और राज्यभर के गिग वर्कर्स को सुरक्षा, निष्पक्ष व्यवहार और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

बिजली विभाग कर्मियों के परिवारों को सीएम ने सौंपे दुर्घटना बीमा चेक

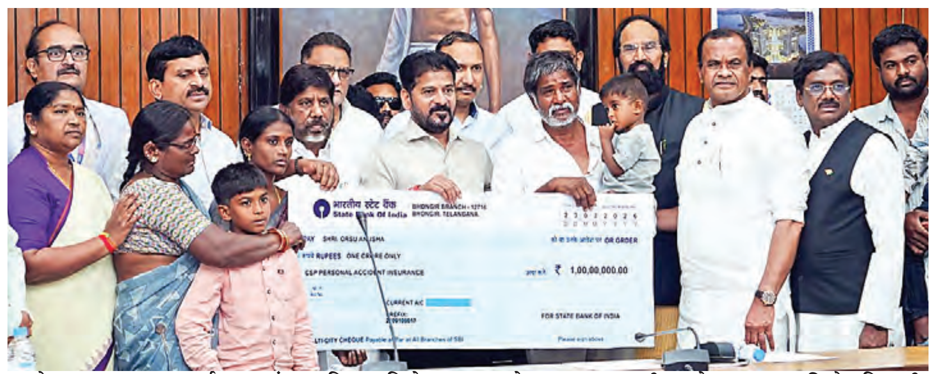

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को बिजली विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने वाले कर्मियों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का दुर्घटना बीमा चेक वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मृतक कर्मचारियों के परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बीमा योजना लाई गई है।

उन्होंने बिजली विभाग मंत्री भट्टी विक्रमार्क को इस पहल के लिए विशेष रूप से सराहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजीव आरोग्यश्री की सीमा को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है।

वहीं, सीपेक सर्वेक्षण के अनुसार जिन परिवारों का नाम सामने आया है, उन्हें 5 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि जब परिवार का मुखिया कार्य के दौरान जीवन गंवाता है, तो उसके परिवार को सड़क पर नहीं छोड़ना चाहिए। इसलिए हमने परिवार बीमा योजना लागू की है। बिजली और सिंगरेणी विभाग के कर्मचारियों के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक का दुर्घटना बीमा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर ओरसू सुरेश और मुक्तार बेग के परिवारों को भी चेक वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल कर्मचारियों और उनके परिवारों में मनोबल बढ़ाने के लिए विधानसभा सत्र के दौरान चेक वितरण कार्यक्रम के रूप में आयोजित की गई।

‘छह गारंटी’ को कानूनी दर्जा देने की मांग बीआरएस ने स्पीकर से मांगी अनुमति

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार से मुलाकात कर कांग्रेस की ‘छह गारंटी’ को कानूनी मान्यता देने के लिए निजी विधेयक पेश करने की अनुमति मांगी। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के नेतृत्व में विधायक स्पीकर से मिले और उन्हें इस संबंध में नोटिस सौंपा। साथ ही इसकी एक प्रति विधानसभा सचिव को भी दी गई। बीआरएस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान जो छह गारंटी देने का वादा किया था, उन्हें लागू करने में देरी हो रही है। इसलिए इन वादों को कानून का रूप दिया जाना चाहिए। केटी रामाराव ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक का मकसद जनता से किए गए वादों को कानूनी दर्जा दिलाना है। उन्होंने स्पीकर से अनुरोध किया कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मौजूदा बजट सत्र में ही चर्चा की अनुमति दी जाए।

अज्ञात व्यक्ति की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

संगारेड्डी, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चिन्ना शंकरमपेट थाना क्षेत्र के मिर्जापल्ली गांव में सोमवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने धारदार हथियार से व्यक्ति के सिर पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इलाके में कई उद्योग होने के कारण पुलिस को आशंका है कि मृतक प्रवासी मजदूर हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही, सबूत जुटाने के लिए डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडक के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हत्यारों की तलाश जारी है।

रमजान के दौरान व्यापारी के घर 20 लाख की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर इलाके के जलाल बाबा नगर में रमजान के दौरान एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक व्यापारी के घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये का सामान चुरा लिया। पुलिस के अनुसार, चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने बेडरूम में तोड़फोड़ की और अलमारी तोड़कर करीब 20 लाख रुपये नकद, सोने के गहने और चांदी के सामान पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि घर के मालिक मोहम्मद फिरोज रमजान मनाने के लिए अपने रिश्तेदार के यहां गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने खाली घर का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। रविवार शाम जब वह वापस लौटे तो घर का सामान बिखरा मिला और चोरी का पता चला। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस को शक है कि चोरी करने वाले लोग घर के बारे में पहले से जानकारी रखते थे। अत्तापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। डॉग स्क्वाड और सुराग टीम को भी लगाया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें बनाई गई हैं।

IN THE COURT OF THE HON'BLE II SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT HYDERABAD
E.A.No. 47 of 2025
IN
O.S. No. 455 of 2013

Between:
Smt. Renu Agarwal, W/o Narendra Kumar Agarwal, aged about 51 years, Occ: Business, R/o. Flat No. 101, Rock Levelz Apartment, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad-500034
...DECREE HOLDER

And

Mr. Banda Rajendar Yadav, S/o Late Banda Narayan Yadav, aged: Unknown, R/o 10-1-326, Chintal Basti, Khairatabad, Hyderabad-500004.
Mr. Banda Ashok Kumar Yadav, S/o Late Banda Narayan Yadav, aged: Unknown, R/o 10-1-326, Chintal Basti, Khairatabad, Hyderabad-500004
Mr. Banda Naresh Yadav, S/o Late Banda Narayan Yadav, aged: Unknown, R/o 10-1-326, Chintal Basti, Khairatabad, Hyderabad-500004
...JUDGMENT DEBTOR

Sir,
Please take notice that my client, Mrs. Renu Agarwal has instituted Execution Proceedings in **O.S.No. 455 of 2013 vide E.A.No. 47 of 2025** before the Hon'ble II Senior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad.
As per the directions of the Hon'ble Court, you are hereby required to appear before the said Court on **13.04.2026.** Kindly note that if you fail to appear on the scheduled date, the matter will proceed exparte and be decided on the merits in your absence.
(BY ORDER OF THE COURT)
Sd/- Ishika Bangaru
Advocate
Street No. 3, Himayat Nagar, Hyderabad-500029
Mobile: +91 9000599211,
email: ishikabangaru1060@gmail.com

वनों का संरक्षण हर किसी की जिम्मेदारी : मंत्री कोंडा

दूलापल्ली में मनाया गया विश्व वन दिवस

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दूलापल्ली तेलंगाना राज्य वन अकादमी में विश्व वन दिवस का आयोजन किया गया। अकादमी निदेशक प्रियंका वर्गीस के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वन, पर्यावरण और धर्मार्थ विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा, वन पर्यावरण विज्ञान तकनीकी विभाग के मुख्य सचिव अहमद नदीम, वन दलों की प्रमुख संरक्षक डा. सी. सुवर्ण, और राजा बहादुर वेंकट रामरेड्डी पुलिस अकादमी के निदेशक अभिलाषा बिष्ट शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्योति प्रज्वलन से किया गया। मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि वनों का संरक्षण हर किसी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि हवा, पानी, भोजन और जीव-जंतु सभी प्रकृति पर निर्भर हैं। उन्होंने 'वृक्षो रक्षति रक्षितः' का हवाला देते हुए कहा कि यदि हम पेड़ों की रक्षा करेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। उन्होंने शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण वनों में कमी और जल संकट व जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सभी से अपील की कि हर घर में एक पौधा और हर परिवार में एक पेड़ लगाया जाए। डा. सुवर्ण ने वनों को मानव जीवन का अविभाज्य हिस्सा बताते हुए कहा कि प्राकृतिक जंगलों का निर्माण सैकड़ों वर्षों में होता है और ये प्रकृति की अमूल्य देन हैं। उन्होंने आग, वन्य जीवों पर खतरे और अतिक्रमण के बीच जंगलों को बचाना चुनौतीपूर्ण बताया।

वन संरक्षण में लोगों की भागीदारी अनिवार्य है और वन कर्मी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। मुख्य सचिव अहमद नदीम ने कहा कि वनों का संरक्षण पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद आवश्यक है और इस दिशा में फ्रंटलाइन कर्मियों का योगदान सराहनीय है। आईपीएस अधिकारी अभिलाष बिष्ट ने पर्यावरण जागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि प्रतिदिन पर्यावरण की रक्षा आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना स्टेट फॉरेस्ट अकादमी (टीएसएफए) और राजा बहादुर वेंकट रामरेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी (आरबीवीआरआर) के बीच प्रशिक्षण और क्षमता विकास में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रशिक्षण सामग्री, फैकल्टी एक्सचेंज और विज्ञान एवं तकनीकी जानकारी साझा करके प्रशिक्षुओं के कौशल को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) विनय कुमार, पीसीसीएफ (डेवलपमेंट) रत्नाकर जौहरी, सीसीएफ (एडमिन) एस.जे. आश, सीसीएफ (कैंप) क्षितिज, अकादमी डिप्टी निदेशक रेखाभानु और गंगिरेड्डी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आउटर रिंग रोड पर हादसा, पूर्व विधायक की बेटियां घायल

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर रविवार रात एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें जुबली हिल्स के पूर्व विधायक मगांती गोपीनाथ की बेटियां घायल हो गईं। पुलिस के अनुसार, उनकी बेटियां अक्षरा नाग और सिसिरा अपने दोस्तों के साथ राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से गाचीबोवली की ओर जा रही थीं। इसी दौरान नरसिंगी इलाके में उनकी तेज रफ्तार कार आगे चल रही डीसीएम वैन से टकरा गई।

हादसे में कार सवार चारों लोग घायल हो गए। हालांकि अक्षरा और सिसिरा को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही नरसिंगी पुलिस और गश्ती टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बाद में क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क किनारे हटाया गया। पुलिस ने हादसे का कारण तेज रफ्तार को बताया है। इस मामले में लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के काम में बाधा डालने पर तीन गिरफ्तार

आदिलाबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में अलग-अलग घटनाओं में पुलिस के कर्तव्य में बाधा डालने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी अखिल महाजन ने बताया कि उत्नर, नारनूर और इचोडा थाना क्षेत्रों में हुई घटनाओं में जादव विशाल, कांबले विशाल और सैयद रियाज के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसपी ने संबंधित थानों को निर्देश दिया है कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस के काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि पुलिस को उसके वैध कार्यों में सहयोग करें, क्योंकि पुलिस पर हमला करना और काम में बाधा डालना गंभीर अपराध है।

दक्षिण मध्य रेलवे में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, अपर मंडल रेल प्रबंधक (सिकंदराबाद) सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि अन्य मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रेलवे में राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हो रहा है। उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्य करने का आह्वान किया। अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश ने निर्देश दिया कि अधिकारी अपने निरीक्षणों के दौरान हिंदी से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा करें और इसके लिए चेकलिस्ट का उपयोग करें। बैठक की शुरुआत में मुख्य राजभाषा अधिकारी राजेश पी. खाडे ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. श्याम सुंदर साहु ने पिछली तिमाही की प्रगति रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा की। वहीं, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एम.के. नागराजु ने विशेष कार्यों की जानकारी दी। बैठक में विभिन्न मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अगली तिमाही की कार्ययोजना साझा की।

विधानसभा घेराव से पहले भाजपा कार्यकर्ता नजरबंद, कई हिरासत में

आदिलाबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में भाजपा के विधानसभा घेराव के आह्वान के बाद सोमवार को कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर में नजरबंद कर दिया गया और कुछ को हिरासत में लिया गया। जानकारी के अनुसार, निर्मल, भैंसा और अन्य क्षेत्रों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार्यकर्ताओं को रोक दिया। आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा की उपेक्षा, कल्याणकारी योजनाओं में देरी और केंद्र की योजनाओं को लागू न करने का आरोप लगाया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रही है और विरोध करने वालों पर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में विफल रही है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार योजनाओं के लिए धन दे रही है, लेकिन राज्य उसे सही तरीके से उपयोग नहीं कर रहा। इसी तरह की कार्रवाई आदिलाबाद, मंचरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के कई हिस्सों में भी देखने को मिली। भाजपा समर्थकों ने शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए और कहा कि इसका असर छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है।

खाद्य, ऊर्जा समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली मंजूरी, 37 प्रस्तावों पर मुहर

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में खाद्य, ऊर्जा और नगर विकास विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले वर्ष से 160 रुपये अधिक है। गेहूं खरीद 30 मार्च से 15 जून 2026 तक 6500 केंद्रों पर की जाएगी। ऊर्जा क्षेत्र में घाटमपुर पावर प्लांट के लिए कोल माइन विकास हेतु 2242.90 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। वहीं गोरखपुर में 20 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। नगर विकास के तहत "नवयुग पालिका योजना" को भी मंजूरी दी गई है, जो 58 जिला मुख्यालयों में लागू होगी।

गेहूं के एमएसपी संग उतराई-सफाई का भी मिलेगा पैसा

कैबिनेट बैठक में 39 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 37 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है, बैठक का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु प्रदेश के किसान रहे। सरकार ने आगामी रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं खरीद की नीति स्पष्ट कर दी है, जिससे अन्नदाताओं की आय में सीधा इजाफा होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कैबिनेट बैठक के बाद किसानों से जुड़े फैसले के बारे में जानकारी दी।

गोरखपुर में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का प्रस्ताव

प्रदेश को सौर ऊर्जा का हब बनाने की दिशा में गोरखपुर को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने और वहां 20 मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा, शोधित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग के लिए नई नीति 'उत्तर प्रदेश राज्य नीति (एस.आर.टी.डब्ल्यू.)-2026' के प्रख्यापन पर भी चर्चा होगी। किसानों और पर्यटन के लिए सौगातः कृषि क्षेत्र में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं खरीद की नीति निर्धारित की जाएगी। साथ ही, लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों जैसे रोशन-उद-दौला और छतर मंजिल को पीपीपी मॉडल पर 'हेरिटेज पर्यटन इकाई' के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव भी शामिल है।

सीएम योगी बोले-बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए आपके परिवार की सुरक्षा, सम्मान सरकार के जिम्मे

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। 'आप बेफिक्र होकर देशसेवा कीजिए। आपके परिवार समेत प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा, सहूलियत, सुरक्षा और सम्मान सरकार के जिम्मे है। सरकार इसे लेकर पहले दिन से गंभीर है।' ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में आए सैनिकों से कहीं।

मुख्यमंत्री ने सैनिकों की समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए। सरकार हर समस्या का उचित निराकरण कराएगी। 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से पुलिस, जमीनी विवाद, आर्थिक सहायता व स्थानांतरण आदि से जुड़े मामले भी आए। सीएम ने एक-एक कर सबकी समस्याओं को सुना, प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को समय सीमा के अंदर उनके उचित निस्तारण का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में कई जनपदों से सैनिक भी आए। इनमें से कुछ मामले जमीनी विवादों के भी थे। सीएम योगी ने इनके प्रार्थना पत्र लिए और स्थानीय जिला-प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि देश की सीमा व आंतरिक सुरक्षा में तैनात जवानों से संपर्क करें। उनकी समस्याओं का हर हाल में समयसीमा के अंदर उचित निराकरण कराएं और पीड़ित परिवार को संतुष्ट करें।

प्रयागराज में बड़ा हादसा-अमोनिया गैस टैंक फटने से कोल्ड स्टोरेज धराशायी

तीन मजदूरों की मौत, छह गंभीर

प्रयागराज, 23 मार्च (एजेंसियां)। फाफामऊ क्षेत्र के चंदापुर में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर स्थित सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज तेज धमाके के साथ धराशायी हो गया। अमोनिया गैस टैंक फटने के चलते यह हादसा हुआ है। मलबे में डेढ़ दर्जन से अधिक मजदूर दब गए। आनन फानन में सभी को बाहर निकाला गया। इसमें तीन मजदूरों के मौत की बात कही जा रही है। छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। मौके पर दमकल की कई गाड़ियों के साथ कई एंबुलेंस और आसपास के थानों की पुलिस फोर्स रेस्क्यू आपरेशन में जुट गई है। हादसे के चलते मलाक हरहर में लखनऊ हाईवे पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है।

मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमा वर्मा, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मलबे में डेढ़ दर्जन से आशंका जताई जा रहा है। कई लोगों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया है। फाफामऊ समेत आसपास के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि मौके से निकाले गए चार मजदूरों की हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम भी बचाव कार्य में जुट गई है। दर्जन भर से अधिक जेसीबी मलबो को हटाकर दबे हुए लोगों को खोज रही है। अमोनिया गैस रिसाव के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल है। टैंकर फटने की आवाज सुनकर लोग थर्रा गए। गैस के चलते बचाव कार्य में भी बाधा आ रही है। सपा के नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का कोल्ड स्टोरेज बताया जा रहा है। घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने भी संभाला मोर्चा। मलबे में दबे घायलों को निकालकर पहुंचाया अस्पताल। दर्जन भर से अधिक जेसीबी को मौके पर लगाया गया है। जेसीबी मलबा हटाकर दबे हुए लोगों को खोजने के काम में लगी है।

शंकराचार्य 2.18 लाख सैनिकों की चतुरंगिणी सेना बनाएंगे

काशी में कहा-गाय, शास्त्र और मंदिर की रक्षा करेंगे; पहले रोकेंगे-टोकेंगे फिर ठोकेंगे

वाराणसी, 23 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को चतुरंगिणी सेना बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा-चतुरंगिणी सेना में 2 लाख 18 हजार 700 सैनिक होंगे। इसमें देशभर से लोग भर्ती होंगे। उन्होंने बताया- यह सेना गोरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिर रक्षा का कार्य करेगी। उनकी ड्रेस पीली होगी। हाथ में परशु (फरसा) होगा। अविमुक्तेश्वरानंद ने चतुरंगिणी सेना बनाने के लिए श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभा का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य होंगे। इसका अध्यक्ष वे खुद होंगे।

रिश्वत लेते मत्स्य विभाग का सहायक निदेशक गिरफ्तार

शाहजहांपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में मत्स्य विभाग में समिति का पंजीकरण कराने के लिए रिश्वत मांगने के आरोपी सहायक निदेशक पूरनलाल को एंटी करप्शन की टीम ने सोमवार को रिश्वत लेते रंगेहाथ तिलहर तहसील से गिरफ्तार कर लिया। टीम उसको लेकर कटरा थाने पहुंची, जहां लिखापढ़ी की जा रही है। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता गुट के जिला सचिव पुवायां के गांव सदापुर निवासी राजेश कुमार ने बताया कि मत्स्यजीवी सहकारी समिति लिमिटेड सदापुर के वह सचिव हैं और अनिल कुमार अध्यक्ष हैं।

24 शादियां कर चुका है फर्जी आईएएस, अब शहर की युवती को ठगा

पुराने इंटरव्यू का वीडियो दिखाकर रचाई शादी

गोरखपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। इटावा जिले के लुधियात मोहल्ले का प्रीतम कुमार निषाद खुद को आईएएस अधिकारी बताकर शहर की युवती को जाल में फंसाने से पहले 24 शादियां कर चुका है। यह जानकारी ठगी के शिकार युवती के पिता कैंट थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर निवासी राधेश्याम कश्यप ने पुलिस को दी।

उनका कहना है कि जालसाज ने उनसे फर्जी पहचान के जरिये बेटी से शादी कर 15 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने न सिर्फ उनका आर्थिक शोषण किया, बल्कि उनकी बेटी की जिंदगी भी बर्बाद कर दी। राधेश्याम कश्यप ने बताया कि वह पैरालिसिस के कारण बिस्तर पर हैं। आधा शरीर काम ही नहीं करता है। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी के लिए रिश्ता तलाशा जा रहा था। वह ग्रेजुएशन कर चुकी है। समाज के एक ग्रुप में इटावा के लुधियात मोहल्ले के रहने वाले प्रीतम का रिश्ता आया। प्रोफाइल में प्रीतम को 32 वर्षीय आईएएस अधिकारी और मनिकपुर में एसडीएम पद पर तैनात बताया गया था। पिता ने बताया कि दिल्ली में रहने वाली बड़ी बेटी के जरिये से प्रीतम से बातचीत शुरू हुई। उसने फोन पर खुद को आईएएस बताते हुए भरोसा दिलाया। दिसंबर 2025 में वह गोरखपुर भी आया और परिवार से मुलाकात की। उसके व्यवहार और बातों से परिवार पूरी तरह आश्वस्त हो गया। शक दूर करने के लिए परिवार के कुछ लोग इटावा भी गए, जहां उसने लुधियात मोहल्ले में अपना घर दिखाया। उसने बताया कि वह और उसकी बहन ही वहां रहते हैं और जल्द ही नया मकान खरीदने वाले हैं। गांव के बारे में पूछने पर उसने खुद को वहां का पहला आईएएस बताते हुए कहानी गढ़ दी।

भारत सरकार लिखी गाड़ी से पहुंचा था शहर, शादी के दिन परिजनों को हुआ शक

11 मार्च 2026 को शादी तय हुई। पहले दहेज से इन्कार करने वाले प्रीतम ने बाद में शादी खर्च के नाम पर 15 लाख रुपये ले लिए। शादी से चार दिन पहले वह भारत सरकार लिखी कार से गोरखपुर पहुंचा, उसके साथ एक असिस्टेंट भी था। वह उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इससे परिवार का भरोसा और मजबूत हो गया। शादी के दिन ही संदेह की शुरुआत हो गई। रिश्तेदारों ने जब उससे तैनाती और क्षेत्र के बारे में सवाल किए तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद परिवार ने उसके गांव में संपर्क किया, जहां से चौंकाने वाली जानकारी मिली कि वह कोई आईएएस नहीं, बल्कि ठग है और कई शादियां कर चुका है। हालांकि प्रीतम ने अपनी सफाई में पुराने इंटरव्यू का वीडियो दिखाकर परिवार को दोबारा गुमराह कर दिया और 12 मार्च को विदाई हो गई। उसी दिन उसके गांव से लगातार फोन आने लगे। उन्होंने प्रीतम के फर्जीवाड़ा का सबूत भी दिया।

मंत्री ओपी राजभर बोले-कोर्ट जैसा आदेश देगा, वैसा किया जाएगा

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले 2026 में पंचायत चुनाव होने थे। पंचायत चुनावों को विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। इसको लेकर लगभग सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी थी, लेकिन पंचायत चुनाव का मामला लटक गया है। ऐसे में सबके मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव कब तक होंगे। इन सवालों का जवाब सोमवार को पंचायती राजमंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दे दिया है। राजभर ने कहा कि कोर्ट जैसा आदेश देगा, वैसा किया जाएगा।

राजभर ने कहा कि 25 मार्च को हाईकोर्ट में तारीख है। राज्य निर्वाचन आयोग को जवाब सबमिट करने का नोटिस है। 25 तारीख को कोर्ट का जो भी निर्णय आएगा, उसका पालन किया जाएगा।

वहीं, ओबीसी के गठन पर मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि अभी वोटर लिस्ट का प्रकाशन नहीं हुआ है तो आयोग का गठन कैसे हो जाएगा। पंचायत चुनाव समय पर होगा या नहीं, इस सवाल पर राजभर ने कहा कि कोर्ट का जैसा आदेश आएगा, वैसा किया जाएगा। वहीं, ओपी राजभर ने अखिलेश यादव के महिलाओं को 40 हजार रुपये देने के वादे पर भी तंज कसा है। राजभर ने पुरानी कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि ना 9 मन गेंहू हुइये, ना राधा गउने जहिये। इसलिए ना उनकी सरकार बनने वाली है और ना ही 40 हजार रुपये मिलेगा।

नवरात्रि पर देवी मां के लिए युवक ने खुद की दे दी बलि

> यूपी के इटावा का हैरान कर देने वाला मामला

हमीरपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में आज (23 मार्च) एक युवक ने देवी मां के लिए खुद की बलि दे दी। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने कुल्हाड़ी बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

खुद को काट डाला था अंगूठा

यह सनसनीखेज घटना इटावा जिले के बकेवर कस्बे के गांधीनगर मोहाल में हुई। राजेश कुमार उर्फ कल्लू (29) के माता-पिता का बचपन में ही निधन हो गया था। चाचा संतोष और चाची पार्वती देवी ने राजेश की परवरिश की थी। चाचा संतोष ने बताया कि राजेश पिछले कुछ दिनों से परेशान था। आए दिन घर में वह कहता था कि देवी मां उनकी बलि मांग रही हैं। नवरात्रि पर उसकी अजीबोगरीब हरकत से घर के लोग टेंशन में आ गए थे। रविवार दो उसने खुद की बलि देने के लिए कुल्हाड़ी से अपने पैर के अंगूठा काट डाला।

कुल्हाड़ी से सिर पर वार किए

किसी तरह कुल्हाड़ी छीनकर उसे बचाया गया, लेकिन सोमवार को उसने देवी मां के लिए खुद को बलि देने की ऐसी जिद की, जिसे देख परिजनों और पड़ोसियों के भी होश उड़ गए। राजेश ने आज घर के बरामदे में कुल्हाड़ी से सिर पर कई बार वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर तड़पने लगा। आनन-फानन परिजन उसे नजदीक के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉ. रविन्द्र साहू ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया।

डिप्टी सीएम केशव बोले समाजवादी पार्टी जनता की सुरक्षा के लिए खतरा है

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी यूपी की जनता के लिए खतरा है। सपा की सरकार आने का मतलब महिलाओं की सुरक्षा को खतरे में डालना। महिलाओं के सुहाग को खतरे में डालना और जिन्हें राखी बांधी जाती है उन भाइयों के जीवन को खतरे में डालना। प्रदेश की जनता ने सपा को 2014 में, 2017 में, 2019 में और 2022 में हराया है। 2024 में वो किसी तरह जनता को गुमराह कर अपनी सीटें बढ़ाने में कामयाब हो गए। उन्होंने कहा कि 2027 के चुनाव में सपा के लिए कोई संभावना नहीं है।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद श्रृंगवेरपुर में धरने पर बैठे, मस्जिद हटाने की मांग पर अड़े

प्रयागराज, 23 मार्च (एजेंसियां)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद श्रृंगवेरपुरधाम में जीटी रोड पर धरने पर बैठ गए हैं। उनके साथ पार्टी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद हैं। संजय निषाद मांग है कि श्रृंगवेरपुर धाम में मंदिर के पास बने मस्जिद को तत्काल हटवाया जाए। उन्होंने यहां पर अवैध रूप से कब्जे का भी आरोप लगाया है। धरने की सूचना पर बड़ी संख्या में फोर्स और स्थानीय पुलिस अधिकारी पहुंच गए हैं। संजय निषाद इसके पहले भी मस्जिद हटवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। मंत्री के धरने के चलते हाईवे पर लगा भीषण जाम

योगी सरकार में कैबनेट मंत्री संजय निषाद समर्थकों के साथ प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर बैठ गए हैं। इसके चलते आवागन बाधित हो गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई है। मंत्री मस्जिद को हटाने के साथ ही यहां पर हो रहे अवैध अतिक्रमण, अवैध खनन को भी रोकने की मांग कर रहे हैं। कहा कि निषादराज के किले का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। जाम के चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जाम में एंबुलेंस से लेकर स्कूली बच्चों के वाहन तक फंसे हुए हैं। अधिकारी मंत्री को समझाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन वह बिना किसी ठोस कार्रवाई के हाईवे खाली करने के लिए तैयार नहीं है।

आजम खान ने 20 साल पहले मर चुकी महिला को जिंदा दिखाकर हड़पी करोड़ों की जमीन

बांदा, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में भू-माफियाओं के सक्रिय होने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि गिरोह रजिस्ट्री कार्यालय में असली मालिक की जगह किसी और को खड़ा कर फर्जी तरीके से जमीन का बैनामा करवा लेता है। ताजा मामले में करीब 20 साल पहले मृत महिला की जगह दूसरी महिला को खड़ा कर जमीन आजम खान के नाम रजिस्ट्री कर दी गई। पीड़ित महेशवरा ने कोतवाली नगर में तहरीर देकर आजम खान समेत 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

पीड़ित का बयान

महेशवरा के अनुसार, उसके पिता बल्दू की लगभग 25 साल पहले मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद उनकी मां फुलिया और महेशवरा के नाम पर ग्राम हटेटीपुरवा की खाता संख्या 192 की जमीन आई। उसकी मां फुलिया की भी 20 साल पहले मृत्यु हो चुकी थी। तहरीर में आरोप है कि उसकी मां के नाम दर्ज जमीन का बैनामा किसी अन्य महिला को फुलिया बताकर आजम खान के नाम करा दिया गया।

गिरोह और आरोपियों का नेटवर्क

महेशवरा ने आरोप लगाया कि खेमचन्द्र पाल ने अपनी दादी को उसकी मृत मां फुलिया के रूप में रजिस्ट्री कार्यालय में पेश किया। इस पूरे फर्जीवाड़े में राजेश चक्रवर्ती, हरिकरन, रज्जू उर्फ नेम कुमार, केदार पाल, अनिल प्रजापति, खेमचन्द्र पाल, आजम खान, भागवत प्रसाद, दिलीप कुमार सिंह और खेमचन्द्र की दादी समेत कई लोग शामिल थे। पीड़ित का कहना है कि गिरोह गरीब और कम पढ़े-लिखे लोगों को निशाना बनाकर जमीनों पर कब्जा कर रहा है।

जाली नोट गिरोह का भंडाफोड़

गूगल और यूट्यूब से सीखकर चला रहे थे कारखाना, एक गिरफ्तार; दो नाबालिग अभिरक्षा में

चंदौली, 23 मार्च (एजेंसियां)। चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र के मानसनगर में मकान के ऊपरी मंजिल पर चल रहे जाली नोट गिरोह का पुलिस ने सोमवार को भंडाफोड़ किया। 100 रुपये के जाली नोटों, अर्धनिर्मित नोटों की बड़ी खेप और अत्याधुनिक उपकरण बरामद के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ। वहीं दो बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में हैं।

पूछताछ में गिरफ्तार बलुआ थाना क्षेत्र के महदेवा अमिलाई गांव निवासी उधम सिंह यादव (42) ने बताया कि उसने जाली नोट छापने की प्रक्रिया यूट्यूब और गूगल के माध्यम से सीखी थी। इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान एक व्यक्ति से हुई, जिसने उसे उपकरण और सामग्री उपलब्ध कराई। बताया कि वह 3500 रुपये के जाली नोट के बदले 1000 रुपये असली नोट लेता था और इसी तरह अवैध कमाई कर रहा था।

सीओ अरूण सिंह ने इसम मामले का खुलासा करते हुए कहा कि एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान मौके से जाली नोट, अर्धनिर्मित नोटों की बड़ी खेप और अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। अभियान के तहत हुई इस कार्रवाई में थाना अलीनगर पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर सफलता हासिल की।

बदायूं में दो अफसरों की हत्या के बाद बड़ी कार्रवाई

> नौकरी से निकाले गए 85 कर्मचारी

बदायूं, 23 मार्च (एजेंसियां)। बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र के सैंजनी गांव स्थित एचपीसीएल के सीबीजी प्लांट में हुई दो अफसरों की हत्या के बाद कंपनी प्रबंधन ने बड़ा कदम उठाते हुए 85 कर्मचारियों को नौकरी से बाहर कर दिया है। ये सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारी थे। इनमें मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह के दो भाई केशव प्रताप और चंद्रशेखर भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सीबीजी प्लांट में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को सेवा समाप्ति की सूचना एन-3-ई टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक पराग हलानी द्वारा ई-मेल के माध्यम से दी गई। कंपनी की ओर से स्पष्ट किया गया है कि 13 मार्च से सभी संबंधित कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी और नियमानुसार उक्त अवधि तक का भुगतान भी कर दिया गया है।

प्लांट में घुसकर की गई थी दो अफसरों की हत्या

बता दें कि बीते 12 मार्च को प्लांट परिसर में उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने का आरोप आउटसोर्सिंग कर्मचारी अजय प्रताप सिंह पर है, जो महज 14 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर कार्यरत था। बताया जाता है कि उसने नौकरी के बहाने प्लांट परिसर में पहुंचकर पराली आपूर्ति का ठेका भी लेना शुरू कर दिया था। सूत्रों के मुताबिक, प्लांट में बढ़ती अराजकता और अनुशासनहीनता को देखते हुए उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता ने सख्ती बरतनी शुरू की थी, जिससे आरोपी अजय प्रताप सिंह बौखला गया। इसी रंजिश में उसने इस जघन्य दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर खुद ही आत्मसमर्पण कर दिया था।

वेयरहाउस डीएम आत्महत्या : पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर गिरफ्तार

मंडी गोबिंदगढ़ में किया आत्मसमर्पण

अमृतसर, 23 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब वेयरहाउस कॉरपोरेशन के जिला मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले में पद छोड़ने वाले पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, भुल्लर ने मंडी गोबिंदगढ़ में आत्मसमर्पण किया है। अब पुलिस भुल्लर को अमृतसर ले जा रही है। भुल्लर ने फेसबुक पेज पर कहा कि अफवाहें फैल रही हैं कि मैं भाग गया हूं... यह सच नहीं है। मैं सच्चाई से कभी नहीं भागूंगा। मुझे देश के कानून पर पूरा भरोसा है, और न्याय व्यवस्था में भी मेरी अटूट आस्था है। मैं कहीं भागा नहीं हूं, मैं अपने पंजाब में ही हूं। सच्चाई और न्याय में विश्वास रखते हुए, मैं स्वयं मंडी गोबिंदगढ़ में आत्मसमर्पण कर रहा हूं।

मान बोले-किसी को भी बचाना हमारी पार्टी का एजेंडा नहीं

वहीं सीएम भगवंत मान ने कहा कि मेरे लिए, पूरा पंजाब एक परिवार है। अगर पंजाब में कोई भी कानून तोड़ता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी-चाहे वह किसी भी पद पर हो, या मेरा रिश्तेदार हो, या कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो। किसी को भी बचाना हमारी पार्टी का एजेंडा नहीं है। नकद लेन-देन और किसी को भी अनुचित लाभ पहुंचाने पर सख्त रोक है।

पुलिस ने पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव सिंह और पीए दिलबाग सिंह के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, धमकी और साजिश की धाराओं में मामला दर्ज किया था। मृतक की पत्नी उपिंदर कौर आरोपियों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़ी हैं। परिवार ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। वहीं गगनदीप सिंह रंधावा आत्महत्या मामले में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में रंधावा को जहरीला पदार्थ खाते हुए देखा जा सकता है।

पत्नी ने मांगी सुरक्षा

रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर ने अपने और तीन बच्चों की सुरक्षा की भी मांग की है। परिवार ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री भुल्लर लगातार रंधावा पर टेंडर पास करने को लेकर दबाव बना रहे थे। 13 मार्च को उन्हें बुलाकर पीटा गया, धमकियां दी गईं और जबरन वीडियो बनवाया गया। इसी मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर रंधावा ने जहर निगलकर जान दे दी। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें खत्म करने और गैंगस्टरों से हमला कराने की धमकियां दी गई थीं।

परिचितों को भेजा था वीडियो

घटना से पहले रंधावा ने अपने कुछ परिचितों को एक वीडियो भेजा था, जिसमें उन्होंने दबाव और उत्पीड़न का जिक्र किया था। पुलिस ने इस वीडियो को अहम साक्ष्य मानते हुए जांच में शामिल कर लिया है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और टेंडर प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। रंधावा अमृतसर और तरनतारन जिलों से जुड़े वेयरहाउस कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनकी पत्नी सरकारी स्कूल में विज्ञान अध्यापिका हैं और परिवार में तीन छोटे बच्चे हैं।

पिता-पुत्र की हिरासत में मौत के मामले में नौ पुलिसकर्मी दोषी

सजा पर 9 अप्रैल को आएगा फैसला

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के चर्चित साथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में करीब छह साल बाद बड़ा फैसला आया है। मदुरै की प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने पिता-पुत्र की हिरासत में मौत के मामले में सभी 9 पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया है। यह मामला 2020 में पूरे देश को झकझोर देने वाला था। अब अदालत ने साफ कर दिया है कि दोषियों को सजा भी मिलेगी, जिसकी घोषणा 9 अप्रैल को की जाएगी।

अदालत ने व्यापारी पी. जयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की मौत के मामले में इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और कॉन्स्टेबल समेत सभी आरोपियों को दोषी पाया। अदालत ने कहा कि सबूतों और गवाहों के आधार पर यह साबित हुआ कि हिरासत में गंभीर यातना दी गई थी। यह फैसला लंबे समय से न्याय का इंतजार कर रहे परिवार और देश के लिए अहम माना जा रहा है।

तपती जलवायु, घटती वर्षा और भूजल दोहन ने बढ़ाई चुनौती

भारत में बढ़ रहा सूखे का संकट

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत में सूखे का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे गंभीर असर गंगा के मैदानी क्षेत्र (आईजीपी) और पूर्वोत्तर भारत में देखा जा रहा है। हालिया वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार कमजोर मानसून, बढ़ते तापमान और भूजल के अत्यधिक दोहन ने देश में जल संकट को एक नए और खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है।

जर्नल क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारत के छह प्रमुख क्षेत्रों पश्चिमी, केंद्रीय, हिमालयी, आईजीपी, प्रायद्वीपीय और उत्तर-पूर्वी भारत में सूखे और हाइड्रो-क्लाइमेटिक अस्थिरता में स्पष्ट वृद्धि दर्ज की गई है। एसपीईआई, एसएलए और एनसीएस जैसे सूखा मापने के संकेतकों से पता चलता है कि देश में शुष्कता तेजी से बढ़ रही है और जलवायु के नए असामान्य पैटर्न बन रहे हैं। आईजीपी (-0.47) और उत्तर-पूर्व (-0.41) में एसपीईआई मान सबसे अधिक गिरावट दर्शाते हैं, जो गंभीर सूखे का संकेत हैं। हिमालय (-0.21) और मध्य भारत (-0.07) अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार दिन और रात दोनों समय तापमान में वृद्धि और वर्षा में कमी से इन क्षेत्रों में नमी तेजी से घट रही है। सितंबर 2025 में पीएनएएस अर्थ, एटमॉस्फेरिक एंड प्लेनेटरी साइंसेज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार 1991–2020 के बीच गंगा नदी बेसिन ने पिछले 1,300 वर्षों का सबसे तीव्र सूखा झेला।

राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा

यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ग्लोबल वाटर बैंकरप्सी रिपोर्ट के अनुसार जल संकट अब केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। विशेषज्ञ कावेह मदानी के मुताबिक जल संसाधनों की कमी भविष्य में देशों और समाजों के बीच संघर्ष को बढ़ा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में 85 प्रतिशत से अधिक जल उपयोग कृषि में होता है, इसलिए समाधान भी यहीं केंद्रित होना चाहिए। ड्रिप सिंचाई, सौर पंप, कम पानी वाली फसलें और मिट्टी में नमी संरक्षण जैसी तकनीकों को तेजी से अपनाना होगा। साथ ही भूजल दोहन रोकने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी हैं। इस्राइल ने डीसैलिनेशन, जल पुनर्चक्रण और आर्थिक विविधता के जरिये सूखे के प्रभाव को कम किया है।

केरल उच्च न्यायालय ने एसएनडीपी योगम पदाधिकारियों की अयोग्यता पर रोक लगाई, कामकाज में हेरफेर का था आरोप

तिरुवनंतपुरम, 23 मार्च (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने आज श्री नारायण धर्म परिपालन (एसएनडीपी) योगम के सभी पदाधिकारियों और निदेशक मंडल की अयोग्यता के एकल पीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इस आदेश में संगठन के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन भी शामिल थे। यह रोक कंपनी अधिनियम के तहत वैधानिक आवश्यकताओं का कथित तौर पर पालन न करने के आरोप में लगाई गई थी।

संगठन पर कामकाज में अनियमितताओं का लगा था आरोप

मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी एम की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति टी आर रवि द्वारा पारित आदेश पर रोक लगाई। यह आदेश दिवंगत प्रोफेसर एम के सानू सहित कई याचिकाओं पर आया था, जिनमें संगठन के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। एसएनडीपी योगम केरल में एझावा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख सामुदायिक संगठन है। एकल पीठ ने नटेसन के अलावा थुशार वेल्लापल्ली, एम एन सोमन और संतोष (जिन्हें अरायक्कंडिल संतोष के नाम से भी जाना जाता है) को भी निदेशक मंडल से अयोग्य घोषित किया था। नटेसन और अन्य ने खंडपीठ का रुख करते हुए तर्क दिया था कि रिट याचिकाएं सुनवाई योग्य नहीं हैं, क्योंकि निदेशकों की अयोग्यता और कंपनी के प्रबंधन का मुद्दा कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आता है। पिछली बार इस मामले पर 19 मार्च को सुनवाई हुई थी।

रवि नाइक की विरासत बचाने मैदान में उतरे रितेश, कांग्रेस-आप भी मैदान में कूदीं

पणजी, 23 मार्च (एजेंसियां)। गोवा की पोंडा विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस उपचुनाव को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष की अग्निपरीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा का दांव

पूर्व कृषि मंत्री रवि नाइक के निधन के बाद खाली हुई इस सीट पर भाजपा ने उनके बेटे रितेश नाइक को उम्मीदवार बनाया है।

सोमवार को नामांकन के दौरान सीएम प्रमोद सावंत और कैबिनेट मंत्री दिगंबर कामत खुद रितेश के साथ मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सावंत ने कहा, ₹पोंडा की जनता ने हमेशा विकास का साथ दिया है। 2022 में रवि नाइक को मिला समर्थन इस बार भी रितेश के पक्ष में दोहराया जाएगा।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की घेराबंदी

दूसरी ओर, कांग्रेस ने केतन भाटिकर पर भरोसा जताया है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने गीतेश नाइक को टिकट देकर मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। गीतेश नाइक ने दावा किया कि पोंडा की जनता अब पारंपरिक राजनीति से ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है।

डीआरडीओ : भारत की अगली पीढ़ी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सुखोई-30एमकेआई बेड़े में होगी शामिल; पूरी तैयारी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत अपने एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत बना रहा है। इसी क्रम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) को भारत की उन्नत स्वदेशी स्टैंडऑफ स्ट्राइक क्षमताओं की खोज में एक बड़ी सफलता मिली है।

इसके तहत लॉन्ग रेंज एयर-टू-सरफेस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (एलआरएएसएससीएम) के लिए मंजूरी मिल गई है। यह लंबी दूरी तक मार करने वाली क्रूज मिसाइल है। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी. कामत ने इस साल की शुरुआत इस संबंध ऐलान किया था।

हाई-स्पीड और लंबी दूरी तक सटीक निशाना

इससे इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) हाई-स्पीड और लंबी दूरी तक सटीक निशाना साधने में सक्षम बनेगी। इसे एक अहम कदम माना जा रहा है। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है जिससे जमीन और समुद्री लक्ष्यों को दूर से ही निशाना बनाया जा सके। लॉन्ग रेंज एयर-टू-सरफेस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (एलआरएएसएससीएम) अपनी सुपरसोनिक क्रूज परफॉर्मेंस के लिए खास तौर पर जाना जाता है। इसे संभवतः रैमजेट प्रोप्ल्शन टेक्नोलॉजी से पावर मिलती है, जो ब्रह्मोस परिवार में पहले ही साबित हो चुकी है।

सबसोनिक क्रूज मिसाइलों के उलट यह नया सिस्टम अपनी पूरी उड़ान के दौरान अपनी तेज रफ्तार बनाए रखती है।

इससे दुश्मन को प्रतिक्रिया देने का समय कम मिलता है और आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम्स के खिलाफ इसकी अचूक मारक क्षमता बढ़ जाती है। इसकी सटीक स्पेसिफिकेशन्स अभी भी गोपनीय हैं। उम्मीद है कि यह मिसाइल मौजूदा एयर-लॉन्च विकल्पों की तुलना में कहीं ज़्यादा दूरी तक मार कर सकेगी।

इसकी मारक क्षमता सैकड़ों किलोमीटर तक हो सकती है, जिससे लॉन्च प्लेटफॉर्म को सीमावर्ती खतरों के संपर्क में लाए बिना ही दुश्मन के अंदरूनी इलाकों में गहरे हमले किए जा सकेंगे।

सुखोई-30एमकेआई पर कैरिज ट्रायल जल्द

सूत्रों के मुताबिक, सुखोई-30एमकेआई पर कैरिज ट्रायल जल्द ही शुरू होने वाले हैं। सुखोई-30एमकेआई भारत का सबसे ज्यादा संख्या वाला और बहुमुखी मल्टीरोल फाइटर है। सुखोई-30एमकेआई पर शुरू में विशेष रूप से ध्यान देना रणनीतिक ज़रूरतों को बताता है। सुपर सुखोई अपग्रेड पैकेज के तहत चल रहे आधुनिकीकरण के प्रयासों के साथ, जिसमें रडार, इंजन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट में संभावित सुधार शामिल हैं, यह विमान एक और भी ज़्यादा ताकतवर स्टैंडऑफ स्ट्राइक हथियार बन जाएगा। इससे विदेशी निर्भरता कम होगी।

खाई में गिरी कार, तीन लोगों की दर्दनाक मौत; पांच घायल

रियासी, 23 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। माहौर से गुल जा रही एक ईको गाड़ी रामाकुंडा मोड़ पर गहरी खाई में गिर गई।

इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी नंबर JK19A-4098 थी। पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार सुबह हुई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोना हादसे का कारण बताया जा रहा है। घायलों का इलाज रियासी के जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की विस्तृत जानकारी अभी आनी बाकी है।

जेल से बाहर निकले जदयू विधायक अनंत सिंह

समर्थक नारेबाजी कर रहे; हत्याकांड में जमानत पर रिहाई

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)।मोकामा के बाहुबली और जदयू विधायक अनंत सिंह चार महीने बाद सोमवार शाम को बेऊर जेल से बाहर निकल गए। बेऊर जेल के बाहर उनके समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। कहा कि ₹जेल का ताले टूट गए, छोटे सरकार छूट गए₹। समर्थकों ने पटाखे भी फोड़े। अनंत सिंह अपनी लैंड क्रूजर गाड़ी में सवार होकर अपने आवास के लिए निकल गए। यहां पर उनके स्वागत में सैकड़ों समर्थक जमा हुए हैं। बता दें कि विधानसभा चुनाव के वक्त दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में पटना के बेऊर जेल में बंद थे। हालांकि उन्हें पटना हाईकोर्ट ने इस मामले में जमानत दे दी।

50 किलोमीटर का होगा रोड़ शो

निर्धारित कार्यकक्रम के अनुसार बेऊर जेल से निकलने के बाद बाहुबली अनंत सिंह कल यानी 24 मार्च को पटना स्थित अपने आवास से मोकामा के लिए रवाना होंगे। फिर बाढ़ विधान सभा क्षेत्र के सबनीमाँ से लेकर मोकामा विधान सभा के बाहापर तक भव्य और विशाल रोडशो करेंगे। यह रोड़ शो लगभग 50 किलोमीटर की होगी। इस बीच चर्चा यह भी है कि वह लखीसराय जिले के बड़हिया स्थित महारानी स्थान मंदिर में भी पूजा-अर्चना करेंगे। रोडशो के दौरान कई जगहों पर उनके समर्थक उनका स्वागत करेंगे।

इस गांव से रहेगा परहेज

बताया जाता है कि बाढ़ विधान सभा क्षेत्र के सबनीमाँ से लेकर मोकामा विधान सभा के बाहापर के बीच मोकामा विधान सभा के दो गांवों में नाम मात्र का ठहराव होगा। यह मेकरा और लेमुआबाद गांव है, जहां उनके समर्थकों की भीड़ कम रहने का अनुमान है। बताया जाता है कि यह यादव बहुल क्षेत्र है, जहां लल्लू मुखिया के समर्थक हैं। फिलहाल लल्लू मुखिया हत्या के एक मामले में भागलपुर के जेल में बंद हैं।

सुखना झील के अस्तित्व को खतरा

मनीष तिवारी ने संसद में उठाया मुद्दा, कहा-20 सालों में खत्म हो जाएगी झील

चंडीगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। शहर की शान मानी जाने वाली सुखना झील के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे का मुद्दा आज लोकसभा में गूंजा। चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने झील की दयनीय हालत के बारे में गहरी चिंता प्रकट करते हुए केंद्र सरकार से तुरंत दखल देने की मांग की। सदन में बोलते हुए तिवारी ने बताया कि सुखना झील 1958 में सुखना चोअ पर बांध बनाकर बनाई गई थी। पर पिछले 68 सालों में इसका 56 फीसदी रकबा सिकुड़ चुका है।

उन्होंने सदन को चेतावनी दी कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो आने वाले 20 सालों में सुखना झील पूरी तरह लुप्त हो जाएगी। तिवारी ने बताया कि झील को पानी सप्लाई करने वाले नाले जल-खरपतवारों और अन्य कारणों से पूरी तरह रुक चुके हैं। उन्होंने कहा कि झील के दोनों मुख्य जल-स्रोतों-सेखतरी नदी और सुखना चोअ-में से गाद निकालनी बेहद जरूरी है, क्योंकि कई जगहों पर झील का पानी बहुत ही कम रह गया है। तिवारी ने याद करवाया कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट भी इस मामले पर चिंता प्रकट कर चुके हैं। जवाब में संबंधित केंद्रीय मंत्री ने माना कि तिवारी की चिंता बिल्कुल जायज है। उन्होंने मौसमी तब्दीली, बदलते वर्षा के नमूनों और गाद भरने की समस्या को जल भंडारों के सिकुड़ने के मुख्य कारण बताया।

कैंटर ने एक के बाद एक कई लोगों को कुचला, तीन की मौत

बहादुरगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। बहादुरगढ़ में सोमवार को एक लापरवाह कैंटर चालक ने शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर हादसे कर दहशत फैला दी। इन भीषण दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से महिला को रोहतक के पीजीआईएमएस में रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहला हादसा दिल्ली-रोहतक रोड पर आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित मामा चौक पर दोपहर के समय करीब साढ़े 12 बजे हुआ। यहां तेज रफ्तार कैंटर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी।

फिर से कोविड जैसा लॉकडाउन लगाने की मांग

> इस बढ़ती जानलेवा बीमारी ने मचाई तबाही

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)। यूनाइटेड किंगडम (यूके) इन दिनों गंभीर संक्रामक रोग मेनिनजाइटिस का प्रकोप झेल रहा है। यहां यूनिवर्सिटी ऑफ केंट में पिछले कुछ दिनों में हालात काफी तेजी से बिगड़े हैं।

17 मार्च को प्रकाशित रिपोर्ट में हमने जानकारी दी थी कि किस तरह से एक सोशल इवेंट के दौरान मेनिनजाइटिस का प्रकोप फैलने से कई छात्र बीमार हो गए थे, इनमें से दो की मौत भी हो गई थी। संक्रमितों की संख्या अब बढ़कर 20 से अधिक हो गई है, नौ की पुष्टि लैब में हो चुकी है और 11 मामलों की जांच अभी भी चल रही है। यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी (यूकेएचएसए) ने बताया कि मेनिनजाइटिस के कारण हालात काफी तेजी से बिगड़े हैं, छात्रों में काफी डर देखा जा रहा है। लिहाजा छात्रों के एक समूह ने संस्थान से उनकी सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने की अपील की है। मांग की गई है कि फिर से कोविड के दौर जैसा लॉकडाउन लगाया जाए ताकि संक्रमण का प्रसार को रोका जा सके और लोगों की जान बच सके। गौरतलब है कि मेनिनजाइटिस के शिकार एक से दूसरे व्यक्ति में ये बीमारी तेजी से फैल सकती है। रोगियों में ब्रेन से संबंधित कई तरह की जटिलताओं को खतरा रहता है।

मेनिनजाइटिस के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी पहले ही मेनिनजाइटिस के प्रसार को 'राष्ट्रीय घटना' घोषित कर चुकी है, अब यूनिवर्सिटी ऑफ केंट के छात्र मांग कर रहे हैं कि कैंपस को तुरंत बंद कर दिया जाए। इससे संबंधित एक याचिका पर अब तक लगभग छह हजार छात्रों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें संक्रमण की रोकथाम के लिए जरूरी प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। यूनिवर्सिटी ऑफ केंट के अलावा लंदन और फ्रांस में भी संक्रमण के कुछ मामले सामने आए हैं।

खबरों के मुताबिक दवा की दुकानें वैक्सीन और एंटीबायोटिक्स की मांग पूरी करने में मुश्किलों का सामना कर रही हैं। नेशनल फार्मेसी एसोसिएशन ने पुष्टि की है कि अभी निजी तौर पर खरीदने के लिए मेनिनजाइटिस बी वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। विश्वविद्यालय स्वास्थ्य अधिकारियों के सहयोग से 5,000 से ज्यादा छात्रों को मेनिनजाइटिस वैक्सीन के साथ-साथ संक्रमण से बचाव के लिए एंटीबायोटिक्स भी दे रहा है।

हालांकि जिन छात्रों ने यह याचिका शुरू की है, उनका मानना है कि संस्थान को उनकी सुरक्षा के लिए और भी ज्यादा कदम उठाने चाहिए।

फिलहाल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों का कहना है कि वे पब्लिक हेल्थ गाइडलाइंस का पालन कर रहे हैं और कैंपस को खुला रख रहे हैं। छात्रों को चेताया गया है कि वे लगातार बुखार, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न या उल्टी जैसे लक्षणों पर नजर रखें और अगर उन्हें ये लक्षण दिखें तो तुरंत मेडिकल मदद लें। यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर मेडिकल स्कूल के सीनियर क्लिनिकल लेक्चरर डॉ. भरत पंखानिया कहते हैं, इस आउटब्रेक से निपटने का मुख्य तरीका टारगेटेड एंटीबायोटिक्स देना है, न कि लॉकडाउन या बड़े पैमाने पर पाबंदियां लगाना।

'सुपर-स्प्रेडर' इवेंट से फैला था संक्रमण

गौरतलब है कि यह प्रकोप पिछले सप्ताह कैंटरबरी के 'क्लब केमिस्ट्री' नाइटक्लब से शुरू हुआ था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह एक 'सुपर-स्प्रेडर' इवेंट साबित हो सकता है। आने वाले दिनों में मामलों में बढ़ोतरी होने की आशंका है। अधिकारियों ने कहा, हम सभी ये जानते हैं कि मेनिनजाइटिस कितना गंभीर हो सकता है। हालांकि सावधानी बरतकर इसके प्रसार को कंट्रोल किया जा सकता है।

मेनिनजाइटिस रोग ने बढ़ाई टेंशन

दोस्त श्रीलंका को देंगे तेल, नहीं आने देंगे दिक्कत

ईरान ने खोला दिल, भारत से लौटे युद्धपोत के बचाव की दिलाई याद

कोलंबो, 23 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने श्रीलंका को उर्जा संकट से निपटने में मदद का भरोसा दिलाया है। श्रीलंका में ईरान के राजदूत ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में श्रीलंका के जहाजों को कोई दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने साफ किया कि श्रीलंका मित्र देश है और ईरान ने अपने दोस्तों के लिए होर्मुज बंद नहीं किया है। उन्होंने होर्मुज खोलने के अलावा तेल की सप्लाई की बात श्रीलंका को कही है। उन्होंने ऐसे समय ये भरोसा दिया है, जब ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री व्यापार प्रभावित है और एशिया का बड़ा हिस्सा उर्जा संकट में दिख रहा है।

ईरान की ओर से यह बयान ऐसे समय आया है, जब इजरायल-अमेरिका के साथ चल रहे उसके युद्ध में कई मौकों पर श्रीलंका उसके साथ दिखा है। श्रीलंका ने अमेरिकी हमले के बाद ईरानी जहाज डेना से नाविकों को बचाकर उनको शरण दी। श्रीलंका ने अमेरिका की नाराजगी लेते हुए उसकी सेना को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देने से भी इनकार किया है।

ईरान भेजेगा श्रीलंका में तेल: अलीरेजा

कोलंबो में ईरानी राजदूत डॉक्टर अलीरेजा देलकोश ने श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय संबंधों के प्रति ईरान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका जैसे मित्र राष्ट्रों के लिए ईरान खुला और सहायक रुख रखता है। होर्मुज जलडमरूमध्य श्रीलंका सहित मित्र देशों के जहाजों के लिए सुलभ बना हुआ है। अलीरेजा ने आगे कहा, 'ईरान अपने दोस्त देशों की जरूरतों को पूरा करने में सहायता के लिए तैयार है। अगर श्रीलंका को जरूरत पड़ती है तो ईरान तेल सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। हम श्रीलंका को मुश्किल में नहीं देखना चाहते। श्रीलंका के लोगों का ईरान में बहुत मान-सम्मान है।' ईरानी राजदूत ने श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र के पास ईरानी जहाज IRIS डेना के डूबने का जिक्र किया। इस जहाज को अमेरिकी पनडुब्बी ने हमला करते हुए डुबो दिया था। श्रीलंका नेवी के कई ईरानी नाविकों को बचाने और इसके बाद उनके इलाज, मेहमाननवाजी और मानवीय सहायता के लिए उन्होंने श्रीलंका की सरकार का धन्यवाद किया।

अमेरिका की सबमरीन ने इस महीने की शुरुआत में भारत से लौट रहे ईरान के युद्धपोत को श्रीलंका के गाले के पास टारपीडो से डुबो दिया था। इसके बाद श्रीलंका की नेवी ने 30 ईरानी नौसैनिकों को बचाया था। अमेरिका ने इनको ईरान नहीं भेजने के लिए कहा लेकिन श्रीलंका ने इसे खारिज कर दिया। श्रीलंका ने ईरान युद्ध के लिए अमेरिका के फाइटर जेट भी अपनी जमीन पर नहीं उतरने दिए हैं।

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर प्लेन-ट्रक की टक्कर, दोनों पायलट की मौत

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा, 72 यात्री सवार थे

वॉशिंगटन, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। इससे विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया।

हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जैज एविएशन के मुताबिक, यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी। सीआरजे-900 विमान में कुल 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे।

टक्कर के तुरंत बाद रनवे 4 को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लागू करते हुए सभी फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए और आने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया गया।

हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था और स्टॉप-स्टॉप चिल्लाता रहा, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई।

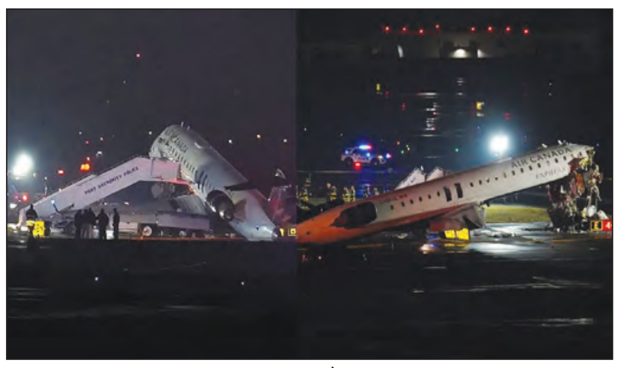

लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी। वायरल ऑडियो में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पहले ट्रक को रनवे पार करने की अनुमति दी थी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद कंट्रोलर लगातार "स्टॉप, स्टॉप, ट्रक 1" चिल्लाता रहा। हालांकि, कुछ ही सेकंड में टक्कर हो गई।

कंट्रोलर की आवाज रिकॉर्डिंग में सुनाई देती है- "जेएजडजड 646, आप वाहन से टकरा गए हैं, वहीं रुके रहें, मदद पहुंच रही है।" फ्लाइट लैंडिंग के बाद रनवे पर करीब 130 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान के आगे के हिस्से में नुकसान और कॉकपिट उठा हुआ दिखाई दे रहा है।

एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को डायवर्ट किया गया

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने एयरक्राफ्ट इमरजेंसी घोषित करते हुए तुरंत ग्राउंड स्टॉप लगा दिया। एयरपोर्ट को सोमवार दोपहर 2 बजे तक बंद रखने की बात कही गई है। एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया था या उन्हें वापस भेज दिया गया।

हादसे में शामिल विमान सीआरजे-900 था, जिसे जैज एविएशन ऑपरेट करता है। इसमें करीब 76 यात्रियों की क्षमता होती है। फ्लाइट रात करीब 10:30 बजे मॉन्ट्रियल से रवाना हुई थी और लगभग एक घंटे बाद ला गार्डिया पहुंची।

घटना के बाद रनवे पर बड़ी संख्या में इमरजेंसी वाहन पहुंच गए। रात 2 बजे तक रनवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था।

हादसे से पहले एयरपोर्ट ने हल्की बारिश और कोहरे के कारण फ्लाइट डिसरप्शन की चेतावनी दी थी। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि रनवे पर वाहन कैसे पहुंचा और टक्कर कैसे हुई।

दूसरी बार पकड़ाई अफीम की खेती

रायगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के दो गांव में अफीम की खेती पकड़ाई है। लैलूंगा थाना क्षेत्र में घाटगांव में 50 डिसमिल में अफीम की खेती की जा रही थी। मुड़ागांव में भी 5 डिसमिल में अफीम की खेती पकड़ी गई है। बीते दो दिन में यह दूसरा केस है। जबकि 17 दिनों में अफीम की खेती का ये पांचवा मामला है।

घाटगांव में पुलिस ने अफीम की खेती का खुलाता करते हुए बताया कि जगतराम नाग और मनोज नाग को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया, जबकि साधराम नाग फरार है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पत्थलगांव के एक व्यापारी से बीज लाकर अफीम उगा रहे थे।

लैलूंगा के मुड़ागांव में भी 5 डिसमिल में अफीम की खेती मिली है। तानसिंह नागवंशी से पूछताछ में इसकी पुष्टि हुई। उसके घर से सूखे अवशेष जब्त किए गए हैं। नमूनों की फोरेंसिक जांच जारी है। रिपोर्ट के बाद कार्रवाई होगी। इलाके में ड्रोन से सर्वे भी किया गया।

वहीं भूपेश बघेल ने अफीम की खेती पर भाजपा सरकार पर तंज कसा है। सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर उन्होंने पोस्ट कर लिखा है कि 'सुशासन' के अफीम स्टार्टअप की नई ब्रांच अब लैलूंगा में पाई गई है।

दो दिन पहले तमनार ब्लॉक के आमाघाट क्षेत्र में भी अफीम की खेती का मामला सामने आया था। जानकारी के अनुसार, झारखंड का रहने वाला मार्शल सांगा यहां 10-12 साल से खेती कर रहा था। उसने आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया था।

बताया जा रहा है कि, आरोपी मार्शल सांगा झारखंड से आ कर अपने ससुराल रायगढ़ के तमनार में रहने लगा। वह पिछले 10-12 साल से यहां खेती कर रहा था। झारखंड में अफीम की खेती उसके साथी कर रहे हैं और उसी को देख कर उसने यहां खेती करना शुरू किया। हालांकि इसकी जांच अभी जारी है।

अब्दुल बासित की गीदड़भभकी: पाक में ही उड़ा मजाक

लोगों ने कहा 'बेवकूफ'

इस्लामाबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित भारतीय शहरों पर हमले की धमकी देकर अपने ही देश में घिर गए हैं। अमेरिका की कार्रवाई के जबाब में दिल्ली और मुंबई पर हमले की बात अब्दुल बासित ने कही है। उनके बयान को पाकिस्तान के लोगों ने हल्का और स्तरहीन कहा है। पाकिस्तानी सोशल यूजर्स ने कहा है कि पढ़े-लिखे और वर्षों तक विदेश सेवा में रहे लोग अगर ये बाते करेंगे तो फिर देश का बंटाधार होना तय है।

पाकिस्तानी पत्रकार जैगम खान ने अब्दुल बासित पर टिप्पणी करते हुए एक्स पर लिखा, 'कई पुराने पाकिस्तानी राजदूतों की बातें सुनकर ऐसा लगता है कि उन्होंने तीस साल विदेश मंत्रालय में नहीं बल्कि किसी मेंटल हेल्थ रिकवरी सेंटर में बिताए। इतना वक्त बिताने के बाद वह बिना ठीक हुए ही वापस आ गए है।'

कोई इतनी बेवकूफी कैसे कर सकता है

एक्टिविस्ट बिलाल गौरी ने अब्दुल बासित पर लंबा पोस्ट लिखा है। वह लिखते हैं, 'विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि कूटनीति वह कला है, जिसके जरिए लोगों से 'भाड़ में जाने' के लिए इस खूबसूरत तरीके से कहा जाता है कि वे रास्ता पूछने लगते हैं। हमारे यहां इस नाजुक काम के लिए किस-किस तरह के अजीब लोगों को चुन लिया जाता है।'

बिलाल ने आगे कहा कि अब्दुल बासित भारत में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर और जर्मनी में राजदूत रह हैं। वह विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का पद संभाल चुके हैं। वह कहते हैं कि अगर अमेरिकी ओर से पाकिस्तान पर हमला करता है तो हम क्योंकि अमेरिका और इजरायल को निशाना नहीं बना सकते तो हमें भारत पर हमला कर देना चाहिए। दिल्ली और मुंबई पर हमें मिसाइल दागनी चाहिए।

बासित का बयान गैर-जिम्मेदाराना

गौरी कहते हैं कि बासित रिटायर हो चुके हैं लेकिन फिर भी वह इस तरह की बेवकूफी भरी बातें नहीं कर सकते हैं। पहली बात तो यह कि उनको यह पता नहीं है कि इजरायल हमारी मिसाइलों की पहुंच के अंदर है। दूसरी बात यह कि भला ऐसी स्थिति में हम भारत पर क्यों ही हमला करेंगे। यह बयान पाकिस्तान की कूटनीतिक नीति पर एक 'आत्मघाती हमले' से कम नहीं है।

उनसे ईरान युद्ध को लेकर सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा कि ईरान गिर जाता है और इजरायल हमारे पड़ोस में आकर बैठ जाता है। ऐसे हालात बन जाते हैं कि अमेरिका हमारी परमाणु क्षमता को तबाह करने की कोशिश करता है।

'भारत होना चाहिए टारगेट'

बासित ने कहा कि अगर ऐसे हालात बन जाते हैं कि अमेरिका नेपाकिस्तान पर हमला कर दिया तो हम क्या करेंगे। अगर हमारे न्यूक्लियर रेंज में अमेरिका नहीं है, हम क्षेत्रीय इलाकों में उनके अड्डों पर भी नहीं पहुंच सकते। हम इजरायल पर भी हमला नहीं कर सकते तो हमारे लिए भारत रास्ता होगा।

अब्दुल बासित ने आगे कहा कि अगर हमारी रेंज अमेरिका अड्डों तक नहीं है तो हमें तो बिना सोचे समझे भारत पर हमला कर देना है। मुंबई पर कर देना है, नई दिल्ली पर कर देना है। हमें तो छोड़ना नहीं है। देखी जाएगी, जो कुछ बाद में होता है। हमारे पास और कोई रास्ता नहीं होगा। हमें इसी तरह से जवाब देना होगा।

यहूदी एम्बुलेंस सेवा के वाहनों में लगाई आग

लंदन, 23 मार्च (एजेंसियां)। लंदन में एक यहूदी चैरिटी संगठन की चार एम्बुलेंस गाड़ियों को सोमवार तड़के आग के हवाले कर दिया गया। ब्रिटिश पुलिस इस घटना की जांच घृणा अपराध (हेट क्राइम) के तौर पर कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे यहूदी-विरोधी हमला बताया। उन्होंने कहा, 'मेरी संवेदनाएं यहूदी समुदाय के साथ हैं, जो आज सुबह इस भयावह खबर के साथ जागा है।'

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, आग लगने की घटना लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। लंदन फायर ब्रिगेड ने बताया कि स्वयंसेवी आपातकालीन चिकित्सा सेवा देने वाले संगठन हटजोला नॉर्थवेस्ट की चार एम्बुलेंस इस आग में क्षतिग्रस्त हो गईं। वाहनों में रखे कई गैस सिलेंडर फटने से पास की एक इमारत की खिड़कियां भी टूट गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग पर काबू पा लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक सारा जैक्सन ने बताया कि इस घटना से यहूदी समुदाय में चिंता है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और इलाके में अतिरिक्त गश्त बढ़ा दी गई है।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि धमाकों की आवाज गैस कैनिस्टर फटने के कारण आई थी। एहतियात के तौर पर आसपास के घरों को खाली करा लिया गया।

समुदाय सुरक्षा ट्रस्ट के अनुसार, साल 2023 के अंत में शुरू हुई इस्राइल-हमास की लड़ाई के बाद से ब्रिटेन में यहूदी-विरोधी घटनाओं में तेज बढ़ोतरी हुई है। संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में ऐसे 3,700 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में यह संख्या 1,662 थी।

ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' में फंडिंग से पीछे हटा इंडोनेशिया

जकार्ता, 23 मार्च (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने साफ कहा है कि उनका देश 'बोर्ड ऑफ पीस' की स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर नहीं देगा।

उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर जारी वीडियो में बताया कि इंडोनेशिया ने सिर्फ शांति सैनिक भेजने की बात कही है, किसी तरह की आर्थिक मदद का वादा नहीं किया।

'बोर्ड ऑफ पीस' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल माना जा रहा है, जिसका मकसद गाजा में युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका, कतर और मिस्र के साथ मिलकर काम करना है।

प्रबोवो हाल ही में इस बोर्ड की एक बैठक में शामिल हुए थे, जिसके बाद इंडोनेशिया के कुछ मुस्लिम संगठनों ने उनके रुख की आलोचना की। उन्होंने गाजा के लिए करीब 8,000 शांति सैनिक भेजने का प्रस्ताव रखा था, जिस पर भी सवाल उठे।

प्रबोवो ने यह भी कहा कि अगर यह पहल फिलिस्तीन के लोगों के हित में नहीं रही या इंडोनेशिया के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ गई, तो उनका देश इससे अलग होने का फैसला भी ले सकता है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान: ईरान पर हमला 5 दिन के लिए टाला

होर्मुज पर दुनिया को फंसाकर पल्ला भी झाड़ा

वॉशिंगटन, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों को 5 दिनों के लिए टाल दिया है। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान को अपने सहयोगी देशों पर हमले को लेकर चेतावनी भी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच दुश्मनी खत्म करने को लेकर बातचीत हुई है। इस कारण उन्होंने युद्ध विभाग को ईरान पर पांच दिनों तक हमले रोकने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य का इस्तेमाल नहीं करता है। उन्होंने आगे कहा है कि ऐसे में इसकी सुरक्षा उन देशों को करनी होगी जो इसका इस्तेमाल करते हैं।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में, अमेरिका और ईरान देश के बीच, मध्य पूर्व में हमारी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के बारे में बहुत अच्छी और काम की बातचीत हुई है। इन गहरी, विस्तृत और रचनात्मक बातचीत के अंदाज और लहजे के आधार पर - जो पूरे हफ्ते जारी रहेंगी - मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के पावर प्लांट और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी तरह के सैन्य हमले को पांच दिनों के लिए टाल दें। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चल रही बैठकें और बातचीत कितनी सफल रहती हैं। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद! राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।

ट्रंप ने लिखा, हम अपने लक्ष्यों को पाने के बहुत करीब पहुंच रहे हैं, क्योंकि हम मध्य पूर्व में ईरान के आतंकवादी शासन के संबंध में अपने महान सैन्य प्रयासों को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहे हैं: (1) ईरान की मिसाइल क्षमता, लॉन्चर और उनसे जुड़ी हर चीज को पूरी तरह से खत्म करना। (2) ईरान के रक्षा औद्योगिक आधार को नष्ट करना। (3) उनकी नौसेना और वायु सेना को खत्म करना, जिसमें विमान-रोधी हथियार भी शामिल हैं। (4) ईरान को कभी भी परमाणु क्षमता के करीब भी न पहुंचने देना, और हमेशा ऐसी स्थिति में रहना जहां अमेरिका ऐसी किसी भी स्थिति पर - अगर वह होती है - तो तुरंत और ज़ोरदार तरीके से प्रतिक्रिया दे सके। (5) अपने मध्य पूर्वी सहयोगियों - जिनमें इजरायल, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और अन्य शामिल हैं - की उच्चतम स्तर पर सुरक्षा करना।

उन्होंने एक और पोस्ट कर होर्मुज जलडमरूमध्य को नौवहन के लिए सुरक्षित करने के अपने पुराने वादे से पल्ला झाड़ लिया।

अंबा प्रसाद ने बागी रुख अपनाया

कांग्रेस के झारखंड नेतृत्व और गठबंधन सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस फैसले के खिलाफ उनकी पुत्री और कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है और प्रदेश नेतृत्व के साथ-साथ राज्य की गठबंधन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अंबा प्रसाद ने कहा कि योगेंद्र साव के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से एकतरफा, दबाव में और बिना किसी उचित प्रक्रिया के की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही उनका पक्ष सुना गया। अंबा ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के उस दावे को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि योगेंद्र साव को पहले चेतावनी दी गई थी। उनका कहना था कि उनके पिता ने पहले ही पूरे मामले से पार्टी नेतृत्व को अवगत करा दिया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समर्थन नहीं मिला।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 20 मार्च को योगेंद्र साव को अनुशासनहीनता के आरोप में तीन वर्षों के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया था। पार्टी की अनुशासन समिति ने यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गठबंधन सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया और फेसबुक लाइव के माध्यम से की गई उनकी टिप्पणियों को संगठनात्मक नियमों का उल्लंघन मानते हुए की थी।

अंबा प्रसाद ने प्रेस वार्ता में बड़कागांव में एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल माइंस परियोजना क्षेत्र में उनके आवास को बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने के मामले को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने इस कार्रवाई को 'तुगलकी' करार देते हुए कहा कि बिना उचित मुआवजा दिए और न्यायालय में मामला लंबित रहने के बावजूद उनके घर को तोड़ा गया, जिससे उनके परिवार के सम्मान को ठेस पहुंची है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि मामले की जांच के लिए गठित कमेटी की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई। अंबा प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व, गठबंधन सरकार, पुलिस-प्रशासन और एनटीपीसी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनका परिवार लंबे समय से निशाने पर है और विस्थापन के मुद्दे पर आवाज उठाने की वजह से उन्हें झूठे मामलों में फंसाया गया।

झारखंड में मौसम का डबल अटैक

अगले 4 दिनों में 7 डिग्री तक बढ़ेगा पारा, फिर 26 से बारिश का अलर्ट

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में मार्च की शुरुआत में गर्मी का रिकार्ड बना, लेकिन पिछले दो-तीन दिनों के दौरान रांची समेत अन्य जिलों में हुई बारिश और ओलावृष्टि से अथिकतम तापमान में गिरावट आई। रांची में दिन का तापमान सामान्य से सात डिग्री तो रात का तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक कम हो गया। लेकिन अब फिर एक बार गर्मी में बढ़ोतरी का अनुमान है। हालांकि 27 मार्च से बारिश के बाद फिर तापमान में कमी आने की संभावना है।

रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग कार्यालय से मिली अनुसार पूर्वी बांग्लादेश में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन और पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में ऐसा उतार-चढ़ाव आया है। विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले सात साल में पहली बार मार्च में ऐसा मौसम रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के तापमान में अगले कुछ दिनों तक वृद्धि होने वाली है। इसके बाद मौसम एक बार फिर करवट लेगा। अगले चार दिनों के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान में छह से सात डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है।

जमीन विवाद में खूनी झड़प

धनबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद जिले के राजगंज थाना क्षेत्र के सोनदाहा गांव में जमीन विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई इस झड़प में कई लोग घायल हो गए, जबकि एक युवक की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हालात को नियंत्रित किया। जानकारी के मुताबिक, विवाद काफी समय से चल रहा था, जो रविवार को अचानक भड़क गया। आपसी विवाद के दौरान एक पक्ष ने तीर मार दिया। तीर 25 वर्षीय विनय कुमार महतो के सीने में जा लगा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मारपीट में शंभु महतो, अरुण कुमार महतो, जयराम महतो और मोहन महतो भी मारपीट और पथराव में जख्मी हुए हैं। सभी घायलों को पहले राजगंज के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसएनएमसीएच भेजा गया। विनय की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया है।

असम विधानसभा चुनाव में भी जेएमएम

कांग्रेस से गठबंधन नहीं, सीट शेयरिंग में फंसी बात, 19 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी पार्टी

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बातचीत आखिरकार बेनतीजा रही। लंबे मंथन के बाद भी सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बन सकी। कांग्रेस जहां सात सीटों से आगे बढ़ने को तैयार नहीं थी, वहीं झामुमो 20 सीटों पर दावा ठोक रहा था।

ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि आज होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है।

चुनाव से पहले झामुमो को एक बड़ी राहत मिली है। पार्टी को असम में भी उसका पारंपरिक तीर-धनुष चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया गया है। इसके लिए पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी मिल गई।

चुनाव चिह्न मिलने के बाद संगठन में उत्साह बढ़ा है। कार्यकर्ताओं ने इसे मनोबल बढ़ाने वाला कदम बताया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि एक पहचान के साथ चुनाव लड़ने से मतदाताओं के बीच पहुंच बनाना आसान होगा।

झामुमो की पूरी रणनीति असम के टी-ट्राइब और आदिवासी वोट बैंक पर केंद्रित है। राज्य की करीब 35 से 40 विधानसभा सीटों पर इन मतदाताओं का प्रभाव निर्णायक माना जाता है। पिछले एक साल से पार्टी इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है।

यहां गिरा था माता सती के शरीर का अंश गोंडा के इस मंदिर की रहस्यमय कहानी

अंधों को मिलती है रोशनी

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में स्थित बाराही देवी शक्तिपीठ आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह मंदिर हजारों साल पुराना बताया जाता है और दूर-दराज से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि यह स्थान देवी शक्ति से जुड़ा हुआ है, इसी कारण इसे शक्तिपीठ के रूप में जाना जाता है।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बाराही देवी मंदिर का संबंध देवी सती के अंगों के गिरने की कथा से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि जहां देवी का अंश गिरा, वहीं शक्तिपीठ की स्थापना हुई। इसी विश्वास के कारण यहां माता बाराही की विशेष पूजा की जाती है। मंदिर परिसर में सालभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है।

मां सती का गिरा था जबड़ा

लोकल 18 से बातचीत के दौरान मां बाराही देवी शक्तिपीठ मंदिर के महंत साध्वी रामा देवी बताती हैं कि इसी स्थान पर देवी सती का जबड़ा गिरा था, जो सीधे पाताल लोक चला गया था। 51 शक्तिपीठ में से 34वीं शक्तिपीठ मां बाराही देवी मानी जाती है। इसलिए इस स्थान को मां बाराही देवी के नाम से जाना जाता है और इसको उत्तरी भवानी के नाम से भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। रामा देवी बताती हैं कि यहां पर सुरंग की पूजा की जाती है। यहां पर माता जी की कोई भी प्रतिमा मौजूद नहीं है।

क्या है मान्यता

रामा देवी बताती हैं कि इस स्थान की विशेष मान्यता यह है कि जिस किसी के आंख की रोशनी चली जाती है, तो उनके आंख में माता जी के स्थान पर चढ़ाया हुआ दूध और वट वृक्ष का नीर डालने से आंख की रोशनी वापस आ जाती है। जिस किसी की आंख की समस्या सही हो जाती है, वह यहां पर आंख चढ़ाता है। यह विशेष मान्यता में से एक है।

रामा देवी बताती है कि यहां पर पूरे देश से लोग आते हैं, जिनकी आंखों में समस्या होती है। यहां पर रुकने की भी व्यवस्था है और काफी लोग रहकर सुबह-शाम माताजी पर चढ़ाया हुआ दूध और वट वृक्ष का नीर अपनी आंखों में डालते हैं और उनकी आंख धीरे-धीरे सही होने लगती है।

कहां-कहां से आते हैं श्रद्धालु

रामा देवी बताती हैं कि मां बाराही देवी में विशेष पर्व नवरात्रि के 9 दिन रहता है। उसके अलावा यहां पर सोमवार और शुक्रवार को श्रद्धालुओं की अपार संख्या में भीड़ होती है। रामा देवी बताती हैं कि मां बाराही रही देवी का दर्शन करने के लिए पूरे भारत से और कई बार विदेश के पर्यटक भी आकर माताजी का दर्शन करते हैं, क्योंकि अयोध्या से सटा होने के कारण जो पर्यटक अयोध्या आते हैं, वह लोग मां बाराही देवी का दर्शन करने अवश्य आते हैं। रामा देवी बताती हैं कि माता जी का दर्शन मात्र से ही सारे दुख-दर्द दूर हो जाते हैं। माना जाता है कि यहां पर जो श्रद्धालु सच्चे मन से माता जी से जो मांगता है, माता जी उसकी सारी मनोकामना पूर्ण करती हैं।

राक्षस का वध करने के बाद देवी ने बुझाई थी प्यास

हैदराबाद के श्री पेद्दम्माथल्ली मंदिर में आज भी चढ़ता है सिर्फ नारियल पानी

हैदराबाद। जुबली हिल्स पर स्थित यह प्राचीन मंदिर लगभग 150 वर्ष पुराना है, श्री पेद्दम्माथल्ली मंदिर अपनी सुंदर वास्तुकला और गहन आस्था के कारण दूर-दूर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। यहां की एक विशेष परंपरा इसे और भी खास बनाती है यहां देवी को नारियल नहीं बल्कि नारियल का पानी चढ़ाया जाता है। पेद्दम्मा थल्ली नाम के पीछे भी रहस्य है, तेलुगु भाषा के शब्द "पेद्दा", यानी बड़ी, और "अम्मा", यानी माँ, के मेल से बना है "पेद्दम्मा", जिसका अर्थ है माताओं की माता। "थल्ली" भी माँ के ही रूप को दर्शाता है। इस प्रकार, पेद्दम्मा थल्ली देवी के परम मातृ स्वरूप का प्रतीक हैं, इन्हें श्री गौरम्मा और श्री अम्मावरु नाम से भी पूजा जाता है।

प्यास बुझाने की कथा और विशेष चढ़ावा

मान्यता है कि एक राक्षस का वध करने के बाद देवी ने इसी स्थान पर अपनी प्यास बुझाई थी, इसीलिए आज भी भक्त उन्हें नारियल पानी अर्पित करते हैं, न कि सामान्य नारियल। एक और अनोखी परंपरा यहां देखने को मिलती है, श्रद्धालु सिक्कों को एक निर्धारित स्थान पर खड़ा करके मनोकामना मांगते हैं। ऐसा विश्वास है कि ऐसा करने से देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मनोकामना पूर्ण होती है।

मंदिर तक कैसे पहुंचे

यह मंदिर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से लगभग 13 किलोमीटर दूर जुबली हिल्स में स्थित है, बस या ऑटो द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। निकटतम मेट्रो स्टेशन माधोपुर है, जो यहाँ से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। दर्शन का समय सोमवार से शनिवार सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक और शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक, और रविवार सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक है।

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदि-शक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था, इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। स्कंद पुराण के अनुसार मां कात्यायनी परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थीं ।

स्वरूप- माता कात्यायनी का भी वाहन सिंह है। इस पर आरूढ़ होकर उन्होंने महिषासुर का वध किया। इनकी दो भुजाएं अभय मुद्रा और वर मुद्रा में हैं। अन्य दो भुजाओं में खड्ग और कमल है।

महत्त्व- मां कात्यायनी की पूजा से रोग, शोक, संताप, भय का नाश होता है।

भोग : माता कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से उपवास करने वाले की आकर्षण शक्ति में वृद्धि होती है

गया का मां तारा देवी मंदिर, सालों से पड़ती है आहुति, फिर भी नहीं भरता हवन कुंड

गया जिले के टिकारी प्रखंड क्षेत्र में केसपा गांव स्थित मां तारा देवी मंदिर श्रद्धालुओं के लोक आस्था का महाकेंद्र है। नवरात्र को नारी शक्ति के पूजन का पर्व माना जाता है, जहां भक्तगण श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की आराधना में लीन रहते हैं। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के साथ हवन कुंड में विधिवत हवन किया जाता है। यहां स्थित हवन कुंड को लेकर श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था है। यह अलौकिक कुंड आज तक कभी भरा नहीं है, और अपने भीतर कई अलौकिक रहस्य समेटे हुए है।

तीनों लोक में हाहाकार

माना जाता है कि जब समुद्र मंथन से निकले विष को लोक कल्याण के लिए भगवान शिव पी लिए और उसके प्रभाव से मूर्क्षित हो गए तो तीनों लोकों में हाहाकार मच गया। तभी मां तारा देवी प्रकट हुई और भगवान शिव को अपनी गोद में लेकर अपना दूध पिलाने लगी। दूध के प्रभाव से विष समाप्त हो गया और तभी से मां तारा की जय जयकार तीनों लोकों में होने लगी और उनकी पूजा अर्चना होने लगी। जबकि गाव का नाम कश्यप ऋषि के नाम पर केसपा है। कहा जाता है कि कश्यप ऋषि का प्राचीन काल में यहा आश्रम था।

गर्भ गृह में विराजमान मां तारा देवी की वरद हस्त मुद्रा में उतर विमुख 8 फीट उंची आदमकद प्रतिमा काले पत्थर की बनी है। मां तारा के दोनों ओर दो यागिनिया खड़ी है। प्रतिमा पर प्राकृत भाषा में कई लेख उत्कीर्ण है जिसे आज तक पढ़ा नही जा सका है। मंदिर के चारों ओर एक बड़ा चबूतरा है। चैत में बसंती नवरात्र के अवसर पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ यहा जुटती है। बाहर से आए श्रद्धालु 9 दिनों तक मंदिर परिसर में रहकर नवरात्र का पाठ करते हैं।

अखंड दीप जलाने की परंपरा

इस दौरान बहुत सारे श्रद्धालु अपने जीवन में सुख, शाति और समृद्धि के लिए अखण्ड दीप जलाते हैं। जो नौ दिनों तक अनवरत जलते रहता है। यहा एक त्रिभुजाकार विषाल हवन कुण्ड है जिसमें सालों भर आहुति डाली जाती है। लेकिन वो भरता कभी नही है। यही कारण है कि आस्था और विश्वास का केन्द्र माना जाने वाली मां तारा देवी के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की अपार भीड़ लगी रहती है। माता के दर्शन के बाद श्रद्धालु द्वालु गांव में स्थापित भगवान बुद्ध की आदमकद प्रतिमा, गरुड़ पर सवार भगवान विष्णु व भगवान सूर्य की प्रतिमा के दर्शन भी करते हैं, जिससे इस क्षेत्र का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

जानकार बताते हैं कि यह मंदिर धार्मिक और लोक आस्था का शक्तिपीठ माना जाता है। प्राचीन काल में महर्षि कश्यप मुनि का आश्रम इसी गांव में था। उन्हीं के नाम पर इस गांव का नामकरण कश्यप पड़ा। कालांतर में अपभ्रंश होकर केसपा के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि महर्षि कश्यप मुनि के द्वारा ही मां तारा देवी का मंदिर बनवाया गया था। आज भी उसी पुराने मंदिर में मां तारा देवी की प्रतिमा विराजमान है। नवरात्र में मां तारा देवी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

महाअष्टमी पर कन्या पूजन का विशेष महत्व

चैत्र नवरात्रि महाअष्टमी तिथि

दृक पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 25 मार्च 2026 को दोपहर 01 बजकर 50 मिनट पर शुरू हो रही है। इस तिथि का समापन 26 मार्च 2026 को सुबह 11 बजकर 48 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, दुर्गा अष्टमी और कन्या पूजन 26 मार्च 2026 को किया जाएगा।

कन्या पूजन शुभ मुहूर्त

महाअष्टमी के दिन कन्या पूजन के लिए पहला मुहूर्त सुबह 6 बजकर 18 मिनट से 7 बजकर 50 मिनट तक रहेगा।

दूसरा शुभ मुहूर्त सुबह 10 बजकर 55 मिनट से दोपहर 3 बजकर 31 मिनट तक रहेगा।

कन्या पूजन के समय बरतें ये सावधानियां

कन्या पूजन के लिए 2 से 10 वर्ष तक की कन्याओं को बुलाएं। नवरात्रि में 2 से 10 वर्ष तक की कन्याओं का पूजन ही श्रेष्ठ होता है।कन्याओं के घर आने पर सबसे पहले उनके पैर धोकर उन्हें बैठने के लिए आसन दें। कन्याओं को भोजन कराते समय मानसिक और शारीरिक रूप से स्वयं को शुद्ध रखें। इस बात का ध्यान रखें कि कन्याओं के लिए तैयार भोजन (हलवा, पूड़ी, चना) पूरी तरह सात्विक रहे। इसमें भूलकर भी प्याज या लहसुन न डालें। सभी कन्याओं को एक समान आदर दें। कन्याओं को भोजन के लिए मजबूर न करें, वे जितना प्रेम से खाएं उतना ही खिलाएं। विदाई के समय उनके पैर छूकर आशीर्वाद अवश्य लें।

क्या है कन्याकुमारी नाम के पीछे का रहस्य?

भारत के दक्षिणी छोर पर खड़ा कन्याकुमारी सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आस्था, रहस्य और पौराणिक कहानियों से भरा एक जीवंत तीर्थ है। यहां पहुंचते ही तीन समुद्रों का संगम, तेज हवा और मंदिर की घंटियों की आवाज एक अलग ही एहसास देती है। कई लोग यहां सूर्योदय देखने आते हैं, तो कुछ अपने भीतर की शांति खोजने। लेकिन इस जगह की सबसे बड़ी पहचान है यहां स्थित कुमारी अम्मन मंदिर, जिसे एक शक्तिपीठ माना जाता है। अक्सर लोगों के मन में सवाल उठता है कि आखिर इस स्थान का नाम 'कन्या कुमारी' क्यों पड़ा? इसके पीछे क्या कहानी है, और देवी यहां कुंवारी रूप में क्यों पूजी जाती हैं? इन सवालों के जवाब सिर्फ धर्म में ही नहीं, बल्कि लोककथाओं और परंपराओं में भी छिपे हुए हैं।

आइए इस पूरी कहानी को विस्तार से समझते हैं।

कन्याकुमारी: जहां तीन समुद्र मिलते हैं, और आस्था भी

तमिलनाडु के आखिरी छोर पर बसा कन्याकुमारी एक ऐसा स्थान है जहां हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी एक साथ मिलते हैं। यह दृश्य जितना भौगोलिक रूप से खास है, उतना ही धार्मिक नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां स्थित कुमारी अम्मन मंदिर को शक्तिपीठों में गिना जाता है, और मान्यता है कि यहां सती का एक अंग गिरा था। मंदिर में देवी को एक युवा कन्या के रूप में पूजा जाता है। दिलचस्प बात ये है कि यहां देवी का स्वरूप किसी माँ या पत्नी का नहीं, बल्कि एक तपस्विनी कन्या का है, जो अपने आप में एक अलग ही पहचान बनाता है।

देवी कन्या कुमारी की पौराणिक कथा

बाणासुर का वरदान और उसका आतंक

कहानी शुरू होती है बाणासुर नाम के एक शक्तिशाली राक्षस से। उसने भगवान शिव को प्रसन्न कर एक ऐसा वरदान हासिल किया, जिसमें उसकी मृत्यु केवल एक कुंवारी कन्या के हाथों ही संभव थी। इस वरदान ने उसे लगभग अजेय बना दिया, और उसने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरू कर दिया। देवता परेशान हो गए। कोई भी उसका सामना नहीं कर पा रहा था। तब सभी देवता भगवान विष्णु के पास पहुंचे और समाधान मांगा।

यज्ञ से प्रकट हुईं कन्या कुमारी

भगवान विष्णु के सुझाव पर देवताओं ने एक विशेष यज्ञ किया। इसी यज्ञ की अग्नि से देवी दुर्गा का एक अंश कन्या रूप में प्रकट हुआ, जिन्हें हम आज कन्या कुमारी के नाम से जानते हैं। देवी ने शिव से विवाह की इच्छा जताई और इसके लिए कठोर तपस्या शुरू कर दी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने विवाह के लिए हामी भर दी। लेकिन यहीं से कहानी में एक मोड़ आता है।

नारद की युक्ति और अधूरा विवाह

देवताओं को चिंता थी कि अगर देवी का विवाह हो गया, तो बाणासुर को कौन मारेगा? तब देवर्षि नारद ने एक योजना बनाई। जब भगवान शिव विवाह के लिए निकल रहे थे, तब नारद ने उन्हें रास्ते में इस तरह रोका कि विवाह का शुभ मुहूर्त निकल गया। मुहूर्त बीतते ही विवाह नहीं हो पाया। मान्यता है कि इससे नाराज होकर देवी ने विवाह की सारी तैयारियों को श्राप दे दिया, जो रेत और सीपियों में बदल गईं। आज भी वहां की रेत और शंख-सीपियों को इस घटना से जोड़कर देखा जाता है।

बाणासुर का अंत और देवी का संकल्प

-विवाह न होने के बाद देवी फिर से तप में लीन हो गईं। उनकी सुंदरता और शक्ति की चर्चा बाणासुर तक पहुंची। वह उनसे विवाह करने पहुंचा, लेकिन देवी ने उसे मना कर दिया।

-जब बाणासुर जबरदस्ती करने लगा, तो देवी ने उससे युद्ध किया। यह युद्ध काफी भयंकर था, लेकिन अंत में देवी ने उसे मार गिराया। इस तरह देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति मिली।

-लेकिन इस पूरी घटना के बाद देवी ने जीवनभर कुंवारी रहने का संकल्प लिया, और यहीं से इस स्थान का नाम पड़ा -कन्या कुमारी।

कन्याकुमारी मंदिर का धार्मिक महत्व

माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना भगवान परशुराम ने की थी। यहां आने वाले श्रद्धालु सिर्फ दर्शन ही नहीं करते, बल्कि समुद्र में स्नान भी करते हैं, जिसे पवित्र माना जाता है। स्थानीय लोग देवी को भगवती अम्मन या कुमारी अम्मन के नाम से पुकारते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से प्रार्थना करने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं। खासकर विवाह और जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए लोग यहां विशेष पूजा करते हैं।

आज भी जिंदा है आस्था और कहानी

अगर आप कभी कन्याकुमारी जाएं, तो वहां की हवा में आपको सिर्फ नमक की खुशबू नहीं, बल्कि इतिहास और आस्था की गहराई भी महसूस होगी। मंदिर के बाहर बैठी महिलाएं, पूजा की थालियां, और दूर तक फैला समुद्र -सब कुछ मिलकर एक ऐसी कहानी सुनाते हैं जो हजारों साल पुरानी है, लेकिन आज भी उतनी ही जीवंत है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 24 मार्च - 2026

क्षेत्रीय युद्ध से वैश्विक संकट

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह गया, बल्कि परमाणु खतरे की वैश्विक आशंका में बदलता दिखाई दे रहा है। जब किसी भी संघर्ष में मिसाइलों का रुख परमाणु प्रतिष्ठानों की ओर हो जाता है, तो वह केवल दो देशों का मामला नहीं रहता, बल्कि पूरी मानवता के लिए चेतावनी बन जाता है। हालिया घटनाओं में इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने और उसके जवाब में ईरान द्वारा मिसाइल हमले तेज करने से यह स्पष्ट हो गया है कि अब दोनों देश पीछे हटने के बजाय आमने-सामने की निर्णायक स्थिति में खड़े हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे "मुश्किल शाम" कहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह पूरी दुनिया की शाम बनती जा रही है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिन परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया, वहां संभावित विकिरण रिसाव का खतरा भी पैदा हो सकता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने तत्काल रेडिएशन फैलने की आशंका से इनकार किया है, फिर भी इतिहास गवाह है कि ऐसे जोखिम कभी भी नियंत्रण से बाहर जा सकते हैं। परमाणु प्रतिष्ठानों के आसपास किसी भी प्रकार का सैन्य हमला, भविष्य के लिए खतरनाक मिसाल बन जाता है। दुनिया अभी भी हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी को भूली नहीं है, जहां परमाणु हमलों ने न केवल तत्काल लाखों लोगों की जान ले ली, बल्कि पीढ़ियों तक असर छोड़ा। आज जब फिर से परमाणु शब्द युद्ध की भाषा में लौट आया है, तो यह केवल रणनीतिक दबाव नहीं बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। इस संघर्ष की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसमें धीरे-धीरे वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी स्पष्ट होती जा रही है। अमेरिका पहले ही इस क्षेत्र में सक्रिय रणनीतिक समर्थन के संकेत दे चुका है। यदि यह टकराव और गहराता है, तो यह व्यापक अंतरराष्ट्रीय संकट का रूप ले सकता है। यही वह स्थिति है, जिससे बचना आज विश्व राजनीति की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यह भी समझना होगा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम केवल सैन्य महत्व का मुद्दा नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का केंद्र भी है। वहीं इजरायल अपनी सुरक्षा को लेकर अत्यंत संवेदनशील दृष्टिकोण रखता है। ऐसे में दोनों देशों की आशंकाओं को समान गंभीरता से समझे बिना स्थायी समाधान संभव नहीं है। केवल सैन्य दबाव से न तो भरोसा बन सकता है और न ही स्थिरता स्थापित हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनिया के प्रभावशाली देश सक्रिय कूटनीतिक हस्तक्षेप करें। युद्ध की आग को रोकना केवल क्षेत्रीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक कर्तव्य है। संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख शक्तियों को मिलकर तत्काल संवाद की पहल करनी चाहिए, ताकि यह टकराव व्यापक युद्ध में न बदले। भारत जैसे देशों की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है, जो हमेशा शांति, संतुलन और संवाद की नीति पर जोर देते रहे हैं। यदि वैश्विक नेतृत्व समय रहते सक्रिय नहीं हुआ, तो यह संघर्ष आने वाले समय में ऐसी त्रासदी का कारण बन सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। स्पष्ट है कि अब यह केवल दो देशों का युद्ध नहीं रहा-यह मानवता की सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। दुनिया को तय करना होगा कि वह मिसाइलों की भाषा सुनेगी या शांति की।

टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत की रणनीति

योगेश कुमार गोयल

टीबी (ट्यूबरकुल बेसिलाइ), जिसे क्षय रोग, तपेदिक अथवा राजरोग के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐसी संक्रामक बीमारी है, जो माइको ट्यूबरक्युलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। वैसे तो टीबी बाल और नाखूनों को छोड़कर शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है लेकिन इसका ज्यादातर असर फेफड़ों पर ही होता है। टीबी से पीड़ित व्यक्ति के खांसने-छींकने के दौरान मुंह व नाक से निकलने वाली ड्रॉपलेट्स के जरिये कोई स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है। ड्रॉपलेट्स के जरिये फैलने वाले बैक्टीरिया कई घंटों तक हवा में रह सकते हैं। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक केवल फेफड़ों की टीबी ही संक्रामक होती है, शरीर के अन्य हिस्सों में यह संक्रामक नहीं होती।

दरअसल फेफड़ों के अलावा टीबी मुंह, लिवर, गले, दिमाग, किडनी, रीढ़ तथा यूट्रस में भी हो सकती है किन्तु ऐसी टीबी मरीज से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती। इस बीमारी को खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि यह शरीर के जिस हिस्से में होती है, धीरे-धीरे उस हिस्से को बेकार करना शुरू कर देती है। कुछ दशक पूर्व टीबी को एक लाइलाज बीमारी माना जाता था लेकिन अब सही समय पर इसका समुचित इलाज कराए जाने से इसका पूरी तरह निदान संभव है और इलाज शुरू करने के बाद उसमें लापरवाही मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार टीबी अभी भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक जानलेवा बीमारियों में से एक है और दुनियाभर में प्रतिदिन करीब 4 हजार लोग इससे जान गंवाते हैं। प्रतिदिन करीब 30 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। हालांकि आज टीबी का इलाज उपलब्ध होने पर ऐसे लोगों का सफल इलाज संभव है लेकिन जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों लोग अब भी टीबी होने पर मौत के मुंह में समा जाते हैं।

इस वैश्विक महामारी के जानलेवा परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा इसे जड़ से खत्म करने के प्रयास तेज करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है और डब्ल्यूएचओ के तत्वाधान में विश्वभर में टीबी से संबंधित कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। 24 मार्च 1882 को एक जर्मन चिकित्सक और माइक्रोबायोलॉजिस्ट डा. रॉबर्ट कोच ने इस जानलेवा बीमारी के कारक बैक्टीरिया की पहचान करने की पुष्टि की थी, जिसके फलस्वरूप टीबी के निदान और इलाज में दुनियाभर के वैज्ञानिकों को बड़ी मदद मिली। रॉबर्ट कोच की इस महत्वपूर्ण खोज के पूरे 100 वर्ष बाद 'इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज' द्वारा 24 मार्च के दिन को विश्व टीबी दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई। हालांकि डब्ल्यूएचओ की विश्व स्वास्थ्य सभा और संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक दशक से भी ज्यादा समय बाद आधिकारिक तौर पर इसे एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में चिह्नित किया गया।

डब्ल्यूएचओ ने 1995 में नीदरलैंड के डेन हैग में इसके लिए रॉयल नीदरलैंड ट्यूबरकुलोसिस फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया और कुछ और संगठनों के साथ आने पर विश्व टीबी दिवस को सफल बनाने के लिए 1997 में डब्ल्यूएचओ ने बर्लिन में एक समाचार सम्मेलन आयोजित किया, जहां डॉट्स को उस दशक की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सफलता बताया गया। तभी डब्ल्यूएचओ द्वारा आधिकारिक तौर पर पहला विश्व टीबी दिवस मनाया गया। प्रतिवर्ष विश्व टीबी दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है और विश्व क्षय रोग दिवस 2026 का आधिकारिक विषय है 'हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैंः देशों के नेतृत्व में, लोगों की शक्ति से।' विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा घोषित इस विषय में राष्ट्रीय नेतृत्व, समुदाय-संचालित प्रयासों और टीबी महामारी से निपटने में प्रगति को तेज करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है, विशेष रूप से निवेश और नवाचार में वृद्धि के माध्यम से। टीबी का खात्मा करने की रणनीति के तहत डब्ल्यूएचओ 2035 तक टीबी से होने वाली मौतों को 95 फीसदी तक और टीबी के नए मामलों को 90 फीसदी तक कम करने पर काम कर रहा है। विश्व को टीबी मुक्त करने की डब्ल्यूएचओ की रणनीति के तहत टीबी रोगियों के लिए विशेष देखभाल केन्द्रों की स्थापना, सभी देशों द्वारा टीबी को लेकर सार्थक कदम उठाने और टीबी को खत्म करने वाली प्रणालियों पर कार्य करने की अनिवार्यता तथा टीबी को लेकर गहन अनुसंधान और नवाचार को शामिल किए जाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, वर्ष 2000 से टीबी को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों से अनुमानित 7 करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई गई है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा एक विशेष कार्यक्रम 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की जा चुकी है। हालांकि देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य बनाकर कार्य करना निसंदेह बड़ी पहल है लेकिन इसके लिए बेहद जरूरी है कि पोलियो उन्मूलन के प्रयासों की ही भांति टीबी उन्मूलन की दिशा में भी पूरी तैयारी के साथ कड़ी मेहनत की जाए ताकि इस अभियान को पलीता न लगे। दरअसल आमतौर पर ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि टीबी के लिए आवश्यक अस्पतालों और कर्मियों का उपयोग दूसरे कार्यों में होता रहा है। टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद जरूरी है कि सरकारी मशीनरी को बेहद चुस्त-दुरुस्त बनाते हुए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि टीबी से मुक्ति पाने के लिए निर्धारित संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत और सक्रिय बनाया जाए। समुचित इलाज के बावजूद टीबी के महामारी बनने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि लोगों में अभी भी इस बीमारी के प्रति जानकारी का अभाव है। देश में टीबी फैलने का प्रमुख कारण इस बीमारी के प्रति लोगों का सचेत न होना तथा शुरूआती दौर में इस बीमारी को गंभीरता से नहीं लेना ही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक टीबी किसी को भी हो सकती है लेकिन लोगों को इसके लक्षणों, बचने के उपायों तथा इलाज के बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। आज टीबी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, 'डॉट्स' से हाथ मिलाकर टीबी जैसी जानलेवा बीमारी को हराया जा सकता है, बशर्ते डॉक्टर के निर्देशानुसार इलाज में कोई लापरवाही न बरती जाए।

डिजिटल ठगी के जाल से कैसे मिलेगी निजात

सौरभ वार्ष्णेय

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रूपये (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रूपये ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई, ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी? विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है।

दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है। यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है। दूसरा, देश की आर्थिक सुरक्षा पर इसका असर पड़ता है। तीसरा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता और संसाधनों पर भी प्रश्न उठते हैं। समाधान के लिए बहुस्तरीय रणनीति आवश्यक है। सबसे पहले, साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस बल को अत्याधुनिक तकनीक और प्रशिक्षण से लैस करना होगा। दूसरे, बैंकों और डिजिटल पेमेंट कंपनियों को अपनी सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाना होगा। तीसरे, स्कूलों और सामाजिक मंचों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए ताकि लोग ठगी के नए-नए तरीकों से परिचित हो सकें।इसके अलावा, सरकार को सख्त कानून और त्वरित न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, ताकि अपराधियों में डर पैदा हो। साथ ही, आम नागरिकों को भी सतर्क रहना होगा—अनजान कॉल, लिंक या ऑफर पर भरोसा करने से पहले पूरी जांच करना जरूरी है।

हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त आयुक्त रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में ऑपरेशन साई-हॉक के तहत दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन कॉल सेंटरों और गिरोहों को नेस्तनाबूद करना था जो फर्जी केवाईसी, लॉटरी और निवेश के नाम पर लोगों को लूटते हैं। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराधों की दर में गिरावट दर्ज की गई। अब जांच टीम के विस्तार से इस पकड़ को और मजबूत किया जा सकेगा। यह समझना होगा कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह ठगी का जाल और भी व्यापक रूप ले सकता है जिससे न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक विश्वास भी प्रभावित होगा। यह आंकडे तो दिल्ली के है. देश भर में यह ठगी का आंकडा बड़ा भी हो सकता है लेकिन सतर्कता सावधानी जरूरी है। डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं ठगों के लिए नए रास्ते भी खोल दिए हैं। आज मोबाइल, इंटरनेट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ डिजिटल ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन आम लोग अपनी मेहनत की कमाई साइबर अपराधियों के जाल में फंसा रहे हैं। ऐसे में यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि डिजिटल ठगी से कैसे बचा जाए और इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण कैसे हो। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि डिजिटल ठगी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। ठग अक्सर फर्जी कॉल, मैसेज, ईमेल या लिंक के माध्यम से लोगों को भ्रमित करते हैं। आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा, केवाईसी अपडेट करें, लॉटरी लगी है —जैसे लालच और डर पैदा करने वाले संदेश लोगों को जल्दी फैसले लेने पर मजबूर कर देते हैं। इसी जल्दबाजी का फायदा अपराधी उठाते हैं।इस समस्या से निजात पाने का पहला और सबसे प्रभावी उपाय है—जागरूकता। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था कभी भी फोन या मैसेज के जरिए पासवर्ड या नहीं मांगती। ऐसे किसी भी अनुरोध को तुरंत नजरअंदाज करना चाहिए। साथ ही, अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचना और केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप का ही उपयोग करना जरूरी है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है-तकनीकी सुरक्षा। मोबाइल और कंप्यूटर में अपडेटेड एंटीवायरस रखना, मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना और समय-समय पर पासवर्ड बदलना जरूरी है। दो-स्तरीय सुरक्षा का उपयोग भी ठगी के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है।तीसरा, सरकार और संस्थाओं की भूमिका भी बेहद अहम है। साइबर अपराधों पर सख्त कानून, त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना आवश्यक है। साथ ही, पुलिस और साइबर सेल को आधुनिक तकनीक से लैस करना और उनकी क्षमता बढ़ाना समय की मांग है। जन-जागरूकता अभियान भी लगातार चलाए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण और शहरी—दोनों क्षेत्रों में लोग सतर्क रहें।इसके अलावा, यदि कोई व्यक्ति ठगी का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने की बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए ताकि समय रहते पैसे को रोका जा सके। डिजिटल ठगी से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस की नहीं बल्कि पूरे समाज की है। जब तक हर व्यक्ति सतर्क और जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है।

खान के सपा में जाने से बसपा को कितना नुकसान?

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर दल बदल का खेल शुरू हो गया है। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरे के रूप में जाने जाने वाले डॉ. एम. एच. खान ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। अखिलेश यादव ने खुद उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस घटना को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। एक तरफ इसे मायावती के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है, तो दूसरी तरफ जानकार यह भी कह रहे हैं कि डॉ. खान के जाने से बसपा को जमीनी स्तर पर बहुत अधिक नुकसान होने की संभावना नहीं है। पहले यह समझना जरूरी है कि डॉ. एम. एच. खान बसपा में क्या भूमिका निभा रहे थे। वे पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता थे और मुस्लिम समुदाय में पार्टी का चेहरा माने जाते थे। जब भी बसपा को मुस्लिम मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचानी होती थी, डॉ. खान आगे आते थे। टेलीविजन की बहसों में, सार्वजनिक मंचों पर और पत्रकारों से बातचीत में वे बसपा के पक्ष में जोरदार तर्क रखते थे। उनकी बोलने की क्षमता और तर्क करने का तरीका उन्हें एक प्रभावशाली प्रवक्ता बनाता था। लेकिन राजनीति केवल बोलने से नहीं चलती। राजनीति में जमीनी ताकत की अहमियत सबसे ज्यादा होती है। और यहीं पर डॉ. खान की सीमाएं सामने आती हैं। वे एक बौद्धिक और वाकपटु नेता हैं, लेकिन गांव-गांव में उनकी पहुंच नहीं है। जिला स्तर पर, बूथ स्तर पर उनका कोई संगठन नहीं है। मुस्लिम मतदाताओं के बीच उनकी अपनी कोई व्यक्तिगत पकड़ नहीं है, जो उनके साथ किसी दूसरी पार्टी में चली जाए। ऐसे में उनके बसपा छोड़ने से पार्टी को कितना वास्तविक नुकसान होगा, यह सोचने वाली बात है। बसपा और मुस्लिम मतदाताओं का रिश्ता हमेशा से जटिल रहा है। मायावती ने कई बार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देकर और मुस्लिम हितों की बात करके इस समुदाय को अपनी तरफ खींचने की कोशिश की है। लेकिन मुस्लिम मतदाता हमेशा यह देखता है कि उसका वोट कहां जाने से उसके हित सबसे अधिक सुरक्षित रहेंगे। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाता लंबे समय से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है। अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा काफी हद तक बनाए रखा है। ऐसे में जब डॉ. खान जैसे नेता बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में जाते हैं, तो इसका संदेश प्रतीकात्मक रूप से जरूर जाता है। यह संदेश यह है कि मुस्लिम समुदाय का बसपा से मोहभंग हो रहा है। यह संदेश मायावती की उस कोशिश को नुकसान पहुंचाता है, जिसमें वे मुस्लिम समुदाय को अपने पाले में लाने की लगातार जुगत भिड़ाती रहती हैं। लेकिन प्रतीकात्मक नुकसान और जमीनी नुकसान में फर्क होता है।अब सवाल यह उठता है कि अखिलेश यादव को डॉ. खान को शामिल करने से क्या मिलेगा। समाजवादी पार्टी के लिए यह एक चतुर राजनीतिक चाल है। डॉ. खान एक पढ़े-लिखे और मुखर नेता हैं। पार्टी उन्हें अपने मीडिया अभियानों में, बहसों में और मुस्लिम समुदाय तक अपनी बात पहुंचाने में इस्तेमाल कर सकती है। इसके अलावा, बसपा से किसी वरिष्ठ नेता का आना यह भी दिखाता है कि समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ रही है और विपक्षी खेमे में उसकी साख मजबूत है।

मायावती के लिए यह घटना एक और कारण से परेशान करने वाली है। बसपा पिछले कुछ वर्षों से लगातार कमजोर होती जा रही है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता या तो पार्टी छोड़ चुके हैं या किनारे कर दिए गए हैं। संगठन कमजोर हुआ है, चुनावी प्रदर्शन खराब हुआ है और पार्टी की जमीनी पकड़ घटी है। ऐसे दौर में डॉ. खान जैसे एक प्रमुख प्रवक्ता का जाना, भले ही जमीनी नुकसान न पहुंचाए, लेकिन पार्टी की छवि को और कमजोर करता है। राजनीति में कभी-कभी प्रतीकों की ताकत बहुत बड़ी होती है। जब कोई नेता पार्टी छोड़ता है, तो वह एक संदेश देता है। यह संदेश उन लोगों तक भी जाता है, जो अभी भी पार्टी में हैं। यह संदेश उन मतदाताओं तक भी जाता है, जो पार्टी को वोट देने के बारे में सोच रहे हैं। डॉ. खान का जाना बसपा के भीतर मौजूद उन लोगों को भी सोचने पर मजबूर करेगा, जो पार्टी के भविष्य को लेकर संशय में हैं।हालांकि, यह भी सच है कि बसपा का मूल वोट आधार दलित समुदाय है। मायावती की असली ताकत उत्तर प्रदेश के दलित मतदाताओं में है। मुस्लिम मतदाता बसपा के लिए एक अतिरिक्त जोड़ रहे हैं, मूल आधार नहीं। इसलिए एक मुस्लिम प्रवक्ता के जाने से पार्टी के मूल ढांचे को कोई विशेष खतरा नहीं है।डॉ. खान की यह पार्टी पलटी उत्तर प्रदेश की राजनीति की उस पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जिसमें नेता अपने हित और मौके देखकर पार्टियां बदलते रहते हैं। यह परंपरा न नई है, न अनोखी। लेकिन जब यह होता है, तो राजनीतिक समीकरणों पर इसका असर जरूर पड़ता है, चाहे वह असर बड़ा हो या छोटा।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि डॉ. एम. एच. खान का बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में जाना मायावती के लिए एक प्रतीकात्मक झटका जरूर है। यह उनकी मुस्लिम मतदाताओं को साधने की कोशिशों को थोड़ा कमजोर करता है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि डॉ. खान एक जनाधार वाले नेता नहीं हैं। उनके जाने से बसपा के वोट बैंक पर सीधा असर पड़ने की संभावना बहुत कम है।

रात को सोते समय कहानी का महत्व बच्चे की कल्पनाशक्ति के पंख

स्नेहा सिंह

आज का समय तेजी से बदलते डिजिटल युग का है। मोबाइल, टैबलेट और टेलीविजन ने बच्चों के जीवन में गहरी जगह बना ली है। अक्सर देखा जाता है कि बच्चे कार्टून देखते-देखते ही सो जाते हैं। यह सुविधा भले ही माता-पिता को आसान लगती हो, लेकिन इससे बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गहरा असर पड़ता है। ऐसे समय में दादी-नानी की पारंपरिक 'बेडटाइम स्टोरीज' यानी सोने से पहले सुनाई जाने वाली कहानियां फिर से महत्वपूर्ण बन जाती हैं।

रात का समय, जब घर का माहौल शांत होता है और बच्चा अपने माता-पिता की गोद में सिर रखकर कहानी सुनता है, तब यह केवल एक आदत नहीं रहती, यह एक ऐसा अनुभव बन जाता है, जिसमें प्रेम, सीख और विकास तीनों समाहित होते हैं। यह छोटा-सा समय बच्चे के व्यक्तित्व को गढ़ने में बड़ी भूमिका निभाता है।

कल्पनाशक्ति का अद्भुत विकास

कहानी सुनना बच्चों के लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि उनके दिमाग के लिए एक रचनात्मक अभ्यास होता है। जब बच्चा कहानी सुनता है, तो वह अपने मन में दृश्य रचता है, जंगल, नदी, राजा, रानी, परियां और जानवर, सब कुछ उसकी कल्पना में जीवंत हो उठता है।

इसके विपरीत, जब बच्चा वीडियो देखता है, तो हर दृश्य पहले से ही उसके सामने होता है। उसे कुछ सोचने या कल्पना करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेकिन कहानी सुनते समय, जैसे ही आप कहते हैं, "एक घना जंगल था...", बच्चा अपने मन में उस जंगल का चित्र बनाने लगता है। यह प्रक्रिया उसके मस्तिष्क को सक्रिय करती है, उसकी सोचने की क्षमता को बढ़ाती है और रचनात्मकता को विकसित करती है। यही कल्पनाशक्ति आगे चलकर उसे समस्या समाधान, नवाचार और नए विचारों की ओर प्रेरित करती है। भाषाई कौशल और शब्द भंडार में वृद्धि कहानियां बच्चों के भाषा विकास का एक सशक्त माध्यम हैं। जब बच्चा नियमित रूप से कहानियां सुनता है, तो वह नए शब्दों, वाक्य संरचना और बोलने के ढंग को सहज रूप से सीखता है।

माता-पिता जब कहानी सुनाते समय आवाज में उतार-चढ़ाव, भाव और संवाद का प्रयोग करते हैं, तो बच्चा न केवल शब्दों को समझता है, बल्कि उनके भाव भी महसूस करता है। इससे उसकी सुनने और समझने की क्षमता बेहतर होती है।

धीरे-धीरे बच्चा खुद भी कहानी दोहराने की कोशिश करता है, जिससे उसकी बोलने की क्षमता विकसित होती है। यह आदत भविष्य में उसे एक अच्छा वक्ता, लेखक और प्रभावशाली संप्रेषक बनने में मदद करती है। संस्कार और मूल्यों का सहज संचार

बच्चों को सीधे उपदेश देना अक्सर उतना प्रभावी नहीं होता, जितना कि उन्हें कहानी के माध्यम से समझाना। कहानियां बच्चों के मन पर गहरी छाप छोड़ती हैं। पंचतंत्र, हितोपदेश या लोककथाओं में छिपे संदेश बच्चों को ईमानदारी, साहस, सहयोग और मित्रता जैसे गुण सिखाते हैं। जब बच्चा किसी कहानी में नायक को कठिन परिस्थितियों से लड़ते हुए देखता है, तो वह उससे प्रेरित होता है। कहानी के पात्र उसके लिए आदर्श बन जाते हैं। वह उनके व्यवहार को समझता है और अंजाने में ही अपने जीवन में अपनाने की कोशिश करता है। इस तरह, कहानियां बच्चों के भीतर अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करती हैं। भावनात्मक जुड़ाव और सुरक्षा का अहसास

दिनभर की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। ऐसे में रात के 15–20 मिनट का यह समय एक अनमोल अवसर बन जाता है। जब माता-पिता अपने बच्चे को कहानी सुनाते हैं, तो बच्चा खुद को सुरक्षित और प्यार से घिरा हुआ महसूस करता है। यह समय केवल कहानी सुनने का नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का होता है। इस दौरान बच्चा अपने मन की छोटी-छोटी बातें भी साझा करता है। उसकी चिंताएं, डर और उत्सुकताएं धीरे-धीरे सामने आती हैं। इससे माता-पिता को भी अपने बच्चे को बेहतर समझने का अवसर मिलता है।

दरवाज़ा खुला है

डॉ. सुरेश कुमार

शहर के उस आखिरी छोर पर, जहाँ कंक्रीट के जंगल की सांसें फूलने लगती हैं, वह 'शांति विला' खड़ा था। विला का नाम 'शांति' शायद इसलिए रखा गया था क्योंकि यहाँ का सन्नाटा कब्रिस्तानों को मात देता था। लोहे के विशाल फाटक पर जंग की ऐसी परतें थीं, जैसे वक्त ने खुद उसे छूना छोड़ दिया हो।

अनिरुद्ध ने अपनी महँगी चमड़े की जैकेट को झाड़ा। छह साल बाद ऑस्ट्रेलिया की चकाचौंध से वह इस धूल भरे सन्नाटे में लौटा था। टैक्सी ड्राइवर ने सामान उतारते हुए अजीब नज़रों से उसे देखा।साहब, इस घर में कोई रहता है क्या? बड़ी भारी महक आ रही है बाहर तक। अनिरुद्ध ने नाक सिकोड़ी। मेरी माँ रहती हैं। बूढ़ी हैं, शायद सफाई नहीं करवा पातीं। तुम अपना किराया लो और निकलो।उसने जैसे ही धक्का दिया, दरवाज़ा बिना किसी आवाज़ के खुल गया। वह बंद नहीं था। उसे लगा था कि अंदर से मां की आवाज़ आएगी-अरे अनु! तू आ गया? पर अंदर से सिर्फ एक गाढ़ा, चिपचिपा अंधेरा बाहर आया। वह अंधेरा जो छह महीनों से इस विला की दीवारों के बीच पक रहा था। ड्राइंग रूम की धूल पर उसके जूतों के निशान ऐसे बन रहे थे जैसे किसी पवित्र ग्रंथ पर कोई गाली लिख दी गई हो। उसने लाइट का स्विच दबाया, पर बिजली शायद बिल न भरने के कारण कट चुकी थी। अनिरुद्ध ने अपने आईफोन की फ्लैशलाइट जलाई। रोशनी की किरण उस सोफे पर पड़ी, जहाँ एक आकृति पसरी हुई थी।

माँ? सो रही हो क्या? देखो, मैं सिडनी से सीधे आ रहा हूँ। बहुत थक गया हूँ, एक कप चाय तो पिला दो।

बहुत दिनों बाद कमरे में कोई स्वर गूँज रहा था। सोफे पर जो था, वह अब माँ नहीं थी। वह हड्डियों का एक ढांचा था, जिस पर चमड़ी का बचा-कुचा भूरा लिबास लिपटा था। प्रकृति ने अपना काम बखूबी किया था- कीड़े अपना हिस्सा ले चुके थे, अब केवल अवशेष बचे थे। अनिरुद्ध की चीख गले में ही सूख गई। उसे लगा कि यह कोई प्रैंक है, पर वह गंध? वह गंध किसी मजाक की नहीं, बल्कि एक अंतिम सत्य की थी। मेज पर एक कागज का टुकड़ा पड़ा था। धूल की परतों के नीचे दबे उस कागज पर कोई वसीयत नहीं थी, न ही गहनों का हिसाब। उस पर सिर्फ एक ही वाक्य हज़ारों बार लिखा गया था, जैसे कोई पागल मंत्र जपा गया हो-बेटा, दरवाज़ा खुला है, तू बस आ जाना।

अनिरुद्ध का हाथ कांपने लगा। उसने रोशनी कागज के निचले हिस्से पर डाली। वहाँ खून और आंसुओं के सूखे काले धब्बे थे, जहाँ लिखा था-मैं मर नहीं रही अनु, बस सो रही हूँ ताकि जब तू आए तो मुझे जगा सके। ऑस्ट्रेलिया में बहुत ठंड होती है न? सुना है वहाँ लोग अपनों को भूल जाते हैं, पर तू तो मेरा बेटा है। स्वेटर पहन लेना, तुझे जुकाम जल्दी होता है। तभी अनिरुद्ध की नज़र उस कंकाल के सूखे, काले पड़ चुके हाथ की मुठी पर पड़ी। मुट्ठी कसी हुई थी। उसने हिम्मत जुटाकर उन ठंडी, पत्थर जैसी उंगलियों को खोला। अंदर एक छोटा सा, नीले रंग का ऊनी स्वेटर दबा था। वह आधा बुना हुआ था। एक सलाई अभी भी ऊन के गोलों में फंसी थी। यह स्वेटर अनिरुद्ध के उस बेटे के लिए था, जिसकी तस्वीर उसने तीन साल पहले व्हाट्सएप पर भेजी थी। माँ... अनिरुद्ध के गले से एक घिघियाहट निकली।

वह 'शांति विला' अब एक कटघरा बन गया था। उसे याद आया, छह महीने पहले माँ का आखिरी फोन आया था। उसने झिड़क कर कह दिया था-मम्मी, यहाँ प्रोजेक्ट की डेडलाइन है, आप रोज़ वही 'कब आओगे' का राग मत अलापा करो। शायद उसी रात माँ ने दरवाज़ा खुला छोड़ा होगा। शायद उसी रात उन्होंने यह तय किया होगा कि अब वे नहीं जागेंगी, क्योंकि जागते हुए इंतज़ार करना बहुत दर्दनाक था। उन्होंने मौत को एक नींद का नाम दे दिया था, ताकि बेटे पर हत्या का इल्जाम न आए। खिड़की से आती चांद की ठंडी रोशनी ने उस कंकाल की आँखों के गड्ढों को भर दिया।

युवाओं में बढ़ते आर्थराइटिस को लेकर अब तक का सबसे बड़ा खुलासा, हेल्दी आदत ही साबित हो रही विलेन

स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी डाइड और नियमित व्यायाम की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय रहना यानी व्यायाम करते रहने और रनिंग-वॉकिंग की आदत आपको क्रॉनिक बीमारियों से बचाए रखने के साथ, हड्डियों और मांसपेशियों से संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करती है। मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में भी नियमित व्यायाम की आदत को विशेषज्ञ फायदेमंद मानते हैं।

हालांकि आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि युवाओं में डायबिटीज-हृदय रोग जैसी क्रॉनिक बीमारियों के साथ हड्डियों की समस्याएं जैसे आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस के केस तेजी से बढ़ रही है। इसके लिए शारीरिक निष्क्रियता तो एक कारण है ही, पर अध्ययनकर्ताओं की टीम ने जिस वजह को जिम्मेदार पाया है वह आपको भी चौंका देगी। ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी हड्डियों की समस्याओं से बचने के लिए नियमित व्यायाम को सबसे असरदार उपायों में से एक माना जाता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी में व्यायाम को लेकर जुनून उनपर ही भारी पड़ रही है। फिट रहने के लिए लोग जिम में हैवी या लंबे समय तक व्यायाम करते रहते हैं, पर ये आदत असल में उनपर उल्टा भारी ही पड़ रही है।

ज्यादा तीव्रता वाला व्यायाम हो सकता है खतरनाक

स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम की आदत जरूरी है और फायदेमंद भी, पर जरूरत से

ज्यादा व्यायाम या गलत तरीके से व्यायाम आपको फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि युवा पीढ़ी में फिटनेस और व्यायाम को लेकर अनावश्यक जुनून उन्हें फ्रैक्चर और जोड़ों की समस्याओं जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस का शिकार बनाता जा रहा है।

प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जनों के शोध से पता चला है कि हाई इंटेंसिटी वाले व्यायाम के कारण घुटने, कूल्हे, पैर और पीठ की चोट औ युवा में हड्डियों से संबंधित समस्याओं में वृद्धि देखी जा रही है। क्रॉसफिट और हायरोक्स जैसी कठिन फिटनेस चैलेंज युवा को अनजाने में ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसी दिक्कतों को शिकार बनाता जा रहा है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस और इसका बढ़ता खतरा

ऑस्टियोआर्थराइटिस जोड़ों की एक ऐसी बीमारी है जो समय के साथ बढ़ती जाती है और इसे ठीक नहीं किया जा सकता। यह जोड़ों की सुरक्षा करने वाली कार्टिलेज के घिस जाने के कारण होती है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस इसके कारण जोड़ों में दर्द, अकड़न, जोड़ों की हिला पाने में भी कठिनाई और सूजन जैसी समस्या हो सकती है।

यह अक्सर हाथों, घुटनों, कूल्हों और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करती है।

आमतौर पर उम्र बढ़ने, जोड़ों में चोट या इसके ज्यादा इस्तेमाल, मोटापा को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। लेकिन अब विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि फिट रहने के चक्कर में 'एक्सरसाइज को लेकर युवाओं का जुनून' उनके शरीर पर जोर डाल रहा है'। हैवी व्यायाम के कारण युवा अपनी हड्डियों पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं, जिसके कारण दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं।

कम उम्र में बढ़ रही है कार्टिलेज का खराब

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 70 साल की उम्र तक लगभग आधे से ज्यादा लोगों को गठिया हो जाता है। ये समस्या अब कम उम्र वालों को भी प्रभावित कर रही हैं। कार्टिलेज के खराब होने में इस बढ़ोतरी के कई कारण हो सकते हैं जिनमें जेनेटिक्स, मोटापा, जोड़ों पर बार-बार पड़ने वाला दबाव, धूम्रपान और चोट शामिल हैं।

ट्रॉमा और ऑर्थोपेडिक के जाने-माने कंसल्टेंट टिम सिनेट कहते हैं, 'हम देख रहे हैं कि कम उम्र के मरीजों में भी टेस्ट में कार्टिलेज में गंभीर क्षति देखी जा रही है।

हमारा मानना है कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे बहुत ज्यादा और बहुत जोरदार एक्सरसाइज कर रहे हैं।

इससे जाने-अनजाने जोड़ों के आस-पास के सॉफ्ट टिशू में गहरी चोटें लग रही है।

इसका असर तुरंत तो नहीं दिखता है पर लंबे समय में ये आपको जीवनभर रहने वाली गंभीर समस्या देने वाली हो सकती है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या से बचने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं वैसे को एक उम्र के बाद हड्डियों की समस्या और ऑस्टियोआर्थराइटिस होने का खतरा तो बढ़ ही जाता है, पर कम उम्र में इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए कुछ सावधानियां जरूरी हैं।

बहुत अधिक तीव्रता वाले व्यायाम बिल्कुल न करें। जिम को कोई भी एक्सरसाइज हमेशा ट्रेनर की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

कैल्शियम से भरपूर डेयरी उत्पादों और सूजन कम करने वाले (एंटी-इंफ्लेमेटरी) खाद्य पदार्थों को डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। रॉयल ऑस्टियोपोरोसिस सोसाइटी की क्लिनिकल सलाहकार, प्रोफेसर लैनहम-न्यू ने चेतावनी दीः अगर युवाओं ने अपनी डाइट में प्रोसेस्ड चीजों को कम नहीं की और व्यायाम को लेकर सावधानी नहीं बरती तो ये बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है।

क्या वाकई दांतों के लिए फिटकरी अच्छी होती है?

अगर आप भी रोजाना रगड़ते हैं तो पहले जान लें इसके गंभीर नुकसान

आज भी बहुत से लोग दांतों की सफाई और मसूड़ों की समस्या के लिए घरेलू नुस्खों का सहारा लेते हैं. उन्हीं में से एक है फिटकरी. दादी-नानी के समय से इसे दांत दर्द, मसूड़ों से खून आना और बदबू जैसी समस्याओं में इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन क्या वाकई फिटकरी दांतों के लिए फायदेमंद है? या इसका ज्यादा इस्तेमाल नुकसान पहुंचा सकता है? आइए डॉ. मानवी श्रीवास्तव (दंत चिकित्सक, नियॉन्स मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, ग्रेटर नोएडा) से जानते हैं.

फिटकरी क्या होती है?

फिटकरी एक तरह का नेचुरल मिनरल सॉल्ट होता है, जिसे आमतौर पर पानी साफ करने, दाडी के बाद, या त्वचा की देखभाल में इस्तेमाल किया जाता है, इसमें कीडो को मारने और सिकुड़न पैदा करने वाले गुण होते हैं.

दांतों के लिए फिटकरी के फायदे-

मसूड़ों से खून आना कम करती है-

फिटकरी में सिकुड़न पैदा करने वालेt गुण होते हैं, जो मसूड़ों को कसाव देते हैं और ब्लीडिंग को कम करने में मदद करते हैं.

मुंह की बदबू दूर करने में मददगार-

फिटकरी में होने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह के बैक्टीरिया को कम करते हैं, जिससे बैड ब्रेथ में राहत मिल सकती है.

हल्का दर्द और सूजन कम कर सकती है-

अगर मसूड़ों में हल्की सूजन या

खुजली है, तो फिटकरी के पानी से थोड़ी राहत मिल सकती है, हालांकि हमें इस बात को भी इग्नोर नहीं करना चाहिए कि ये दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकती है.

फिटकरी के नुकसान-

डॉक्टर कहते हैं कि तब कुछ भी खराब होता है जब इसे हद से ज्यादा सिकोड़ देती है, जिससे मुंह सूखा महसूस हो सकता है और सलाइवा कम बनता है. सलाइवा दांतों की सुरक्षा के लिए जरूरी होता है.

जलन और इरिटेशन-

कुछ लोगों में फिटकरी के इस्तेमाल से मुंह में जलन या इरिटेशन हो सकती है

ज्यादा इस्तेमाल किया जाए, हर चीज की लिमिट होती है और फिटकरी के साथ भी ऐसा ही है-

ज्यादा इस्तेमाल से इनएमल को नुकसान-

दांतों की सबसे बाहरी परत को इनएमल कहते हैं. फिटकरी का ज्यादा या रोजाना इस्तेमाल इस परत को कमजोर कर सकता है, जिससे दांत सेन्सीटीव हो जाते हैं.

मुंह में सूखापन

फिटकरी मुंह के टीशुस को

लंबे समय में नुकसान-

अगर आप रोजाना सीधे दांतों पर फिटकरी रगड़ते हैं, तो इससे मसूड़े कमजोर हो सकते हैं और दांतों की नेचुरल स्ट्रेंथ कम हो सकती है

क्या फिटकरी से दांत साफ करना सही है?

-सीधे रगड़ना सही नहीं है, कभी-कभी पानी में घोलकर rinse करना फिर भी सेफ है, लेकिन रोजाना नहीं

सही तरीका क्या है?

अगर आप फिटकरी का इस्तेमाल करना ही चाहते हैं तो इस तरह से करें-

एक चुटकी फिटकरी को पानी में घोल लें

उससे दिन में 1 बार या हफ्ते में 2–3 बार कुल्ला करें

उसे सीधे दांतों पर न रगड़ें

कुल्ला करने के बाद सादा पानी से मुंह जरूर धो लें

एक्सपर्ट का मानना है किः

फिटकरी टेंपरेरी रिलीफ दे सकती है, लेकिन ये परमानेंट सॉल्यूशन नहीं है, दांतों की सही देखभाल के लिए ब्रशिंग, दांत की देखभाल और नियमित डेंटर चेक अप जरूरी है.

बच्चों और बुजुर्गों के लिए सलाह-

बच्चों में फिटकरी का इस्तेमाल बिल्कुल अवॉयड करें, क्योंकि उनके दांत और मसूड़े ज्यादा सेंसिटिव होते हैं

बुजुर्ग इसका लिमिटेड इस्तेमाल करें और अगर पहले से डेंटल प्रॉब्लम है तो डॉक्टर से पूछकर ही इस्तेमाल करें

बेहतर विकल्प क्या हैं?

अगर आप नेचुरल केयर चाहते हैं, तो ये बेहतर विकल्प हैंः

नीम दातून

नमक के पानी से कुल्ला करना

दिन में दो बार ब्रश करना

फिटकरी दांतों के लिए पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन इसे जादुई इलाज भी नहीं माना जा सकता. यह टेंपरेरी रिलीफ दे सकती है, खासकर मसूड़ों की हल्की समस्या में, लेकिन इसका ज्यादा या गलत इस्तेमाल दांतों और मसूड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है

लिवर किडनी को साफ करने में असरदार 3 सब्जियां, रोज खाने से क्लीन रहेंगे गुर्दे

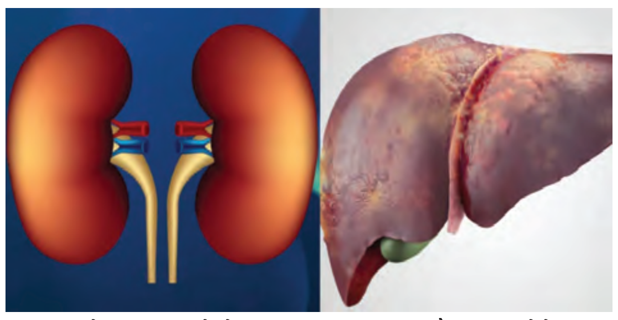

शरीर को स्वस्थ रखने में लिवर और किडनी मदद करती है। जो खून और शरीर में जमा अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकलने में मदद करते हैं। लेकिन इसके लिए लिवर और किडनी का स्वस्थ रहना और बेहतर फंक्शन करना भी जरूरी है। लिवर और किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डाइट में ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियों और पत्तेदार सब्जियों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। आप खाने में ब्रोकोली, लहसुन और चुकंदर जैसी सब्जियों को जरूर शामिल करें। इनमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो लिवर और किडनी के काम को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन तीनों सब्जियों को लोगों को नियमित रूप से खाना चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक हमें खाने में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो लिवर और किडनी को स्वस्थ रखने और इनके काम को बेहतर बनाने में मदद करते हों।

लिवर और किडनी के लिए सबसे अच्छा क्या है?

ब्रोकोली और क्रूसिफेरस सब्जियां- आपको खाने में क्रूसिफेरस वाली सब्जियां जैसे ब्रोकली, फूलगोभी, पत्तागोभी, बोक चॉय और केल शामिल करनी चाहिए। इन सब्जियों में की खासियत है कि इनमें ग्लूकोसिनोलेट्स पाए जाते हैं, जो लिवर को शरीर में कई पदार्थों को प्रोसेस और मेटाबोलाइज्ड करने में मदद करते हैं। इन सब्जियों में फाइबर, विटामिन सी और कई एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से खून में जमा फैट की मात्रा को कंट्रोल किया जा सकता है। वजन कम करना चाहते हैं तो उसके लिए भी ये सब्जियां अच्छी मानी जाती हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि आप इन सब्जियों को रोजाना और लंबे समय तक डाइट में शामिल करें।

लहसुन- शरीर के लिए लहसुन को बहुत फायदेमंद माना जाता है। लहसुन में एलिसिन और दूसरे मेटाबोलाइट्स जैसे कार्बनिक सल्फर यौगिक होते हैं। ये एक्टिव पदार्थ हैं एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं। जिससे ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद मिलती है और कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। लिवर लगातार कई तरह के चयापचय उत्पादों, दवाओं, शराब और दूसरे पदार्थों के संपर्क में रहता है। ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ने से लिवर की सेल्स डैमेज होने लगती हैं। लेकिन लहसुन खाने से शरीर को स्वस्थ चयापचय वातावरण बनाने में मदद मिलती है।

चुकंदर- खाने में रोज थोड़ी मात्रा में चुकंदर जरूर शामिल करें। चुकंदर में अच्छी मात्रा में नेचुरल बीटालेन और नाइट्रेट पाए जाते हैं। बीटालेन की वजह से चुकंदर का रंग लाल होता है और ये पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट है। कई रिसर्च से पता चला है कि चुकंदर चयापचय स्वास्थ्य और रक्त वाहिका के फंक्शन में सुधार करता है। ये इसलिए जरूरी है क्योंकि लिवर और किडनी दोनों अपने फंक्शन के लिए स्थिर रक्त प्रवाह पर बहुत बहुत निर्भर करते हैं। ऐसे में अगर ब्लड सर्कुलेशन खराब होता है। ब्लड प्रेशर अनियमित होता है या शरीर में मेटाबॉलिक समस्याएं पैदा होती है तो लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है।

सौंफ और धनिया का पानी किन समस्याओं में है असरदार?

इसके फायदे और सेवन का सही तरीका

आजकल लोग हेल्दी रहने के लिए घरेलू नुस्खों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं और ऐसे में सौंफ और धनिया का पानी एक बेहतरीन विकल्प है। सौंफ और धनिया में मौजूद पोषक तत्व कई छोटी-बड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। लेकिन सही फायदे पाने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि इसे कब और कैसे पिया जाए। चलिए जानते हैं सौंफ और धनिया के पानी के फायदे और इसका सही सेवन करने का तरीका।

सौंफ और धनिया के पानी के फायदे

बेहतर पाचनः सौंफ और धनिया का पानी पाचन के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। यह पानी पेट की जलन, सूजन, भारीपन और कब्ज से राहत दिलाता है, जिससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

डिटॉक्स और वजन कमः

सौंफ और धनिया का पानी एक डिटॉक्स वॉटर है जो शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है। यह पानी मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर वजन कम करने में मदद करता है। यह मिश्रण पाचन में सुधार करता है, ब्लोटिंग कम करता है और शरीर से पानी और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है।

शरीर के तापमान को संतुलितः सौंफ और धनिया दोनों तासीर में ठंडे होते हैं, जो गर्मियों में शरीर के तापमान को संतुलित रखते हैं। यह शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालकर पेट को साफ और ठंडा रखता है।

कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोलः सौंफ और धनिया का पानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह मिश्रण नसों में जमे वसा को कम करने में सहायक है। यह फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत है, जो पाचन में सुधार और हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी बूस्टरः सौंफ और धनिया का पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सर्दी-जुकाम और संक्रमण से बचाते हैं।

क्या है सेवन का सही तरीका?

सौंफ और धनिया का पानी बनाने के लिए रात में एक गिलास पानी में 1-1 छोटी चम्मच साबुत धनिया और सौंफ को रात भर भिगोकर रखें। सुबह इस पानी को 5-10 मिनट तक अच्छी तरह उबालें। फिर छानकर खाली पेट पिएं।

रोज सुबह अंकुरित मूंग खाने से क्या होता है? मिलेंगे कौन से फायदे और कितना खाएं?

आजकल हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए लोग अपनी डाइट में कई बदलाव कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है सुबह अंकुरित मूंग खाना। यह एक ऐसा सुपरफूड है, जो सस्ता होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर भी होता है। अगर आप रोज सुबह अंकुरित मूंग का सेवन करते हैं, तो इससे आपके शरीर को कई जबरदस्त फायदे मिल सकते हैं।

अंकुरित मूंग क्या है?

मूंग दाल को कुछ घंटों तक पानी में भिगोकर और फिर कपड़े में बांधकर रखने से उसमें छोटे-छोटे अंकुर निकल आते हैं। यही अंकुरित मूंग कहलाता है। इस प्रक्रिया से इसमें मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा और उनकी गुणवत्ता दोनों बढ़ जाती है।

अंकुरित मूंग खाने के फायदे

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता हैः अंकुरित मूंग में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। इससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

वजन घटाने में करता है मददः

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो अंकुरित मूंग आपकी डाइट का हिस्सा जरूर होना चाहिए। यह लो कैलोरी और हाई प्रोटीन फूड है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनावश्यक खाने से बचाव होता है। शरीर को देता है तुरंत ऊर्जाः सुबह खाली पेट अंकुरित मूंग खाने से शरीर को जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं, जो आपको दिनभर एनर्जेटिक बनाए रखते हैं।

इम्यूनिटी को करता है मजबूतः इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन C जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और बीमारियों से बचाव करते हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंदः अंकुरित मूंग का नियमित सेवन त्वचा को अंदर से पोषण देता है, जिससे स्किन ग्लो करने लगती है। साथ ही यह बालों को मजबूत और हेल्दी बनाए रखने में भी मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए अच्छाः यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

अंकुरित मूंग खाने का सही तरीका

सुबह खाली पेट सेवन करें इससे शरीर को अधिकतम लाभ मिलता है। अगर कच्चा खाने में परेशानी हो, तो हल्का उबाल सकते हैं। स्वाद के लिए नींबू, काला नमक, टमाटर, प्याज और हरी धनिया मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। रोजाना एक कटोरी (लगभग 50–70 ग्राम) पर्याप्त होती है।

बाल झडने का आयुर्वेद में उपचार

प्रश्नः मेरी उम्र 23 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

- अनूप शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से, बहुत अधिक मानसिक चिंता से, रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

अर्नवेद हर्बल संत शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है। फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं। इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है। 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरे गाल ब्लैडर में मटर के दाने के बराबर पथरी है। मुझे बिल्कुल भी दर्द नहीं होता डॉक्टर ऑपरेशन पर जोर दे रहे हैं, पर मुझे कोई परेशानी नहीं है। ऐसे में क्या ऑपरेशन कराना चाहिए? कृपया सुझाव दें।

- श्रीनिवास राव, करीमनगर

उत्तर : गाल ब्लैडर याने पित्ताशय में पथरी के बढ़ने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि। पित्ताशय की पथरी बनती ही हैं कोलेस्ट्रॉल से ही। यह जब तक सताती नहीं है ,याने तीव्र उदर शूल नहीं होता है तब तक, मेरी राय में शल्यक्रिया की आवश्यकता नहीं होती। तेज दर्द उठने पर ही ऑपरेशन जरूरी होता है।

गाल स्टोन को निकालने का सर्वोत्तम तरीका भी केवल शल्यक्रिया ही है। यह एकदम सही है। गाल स्टोन का निदान होते ही यदि औरा लिविंझ टिकिया, ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट व डेबोलिव कैप्सूल लेना आरंभ करते हैं, तो एकदम से शल्यक्रिया की आवश्यकता नहीं पड़ती। ऊंझा लिव लाइव सैरप भी इसमें उपयोगी साबित हुआ है।

भोजन में तैलीय पदार्थ, नमकीन, मिठाइयां, फास्ट फूड, जंक फूड, गरिष्ठ पदार्थ, मांसाहारी व्यंजन, आचार आदि लेना बंद कर देने से धीरे-धीरे कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटने लगता है। और उपरोक्त कही गई दवाओं का सेवन गाल स्टोन को बढ़ने और एक्टिवेट होने से रोकता है। नतीजा - आपको शल्यक्रिया की ऐसी स्थिति में बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ती। 'सादा भोजन- उच्च विचार' को जीवन में अपनाने से इस रोग से बचा जा सकता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 28 वर्ष है। मुझे नजले की शिकायत है। नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है। सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं।

- हर्षवर्धन रेड्डी ,खम्मम

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना, छींके आना, सर्दी लगकर बुखार आना, नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं।

साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ, काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है। भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं। इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए। थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

कंगना रनौत अपने 40वें बर्थडे पर पीएम मोदी से मिलीं बहन और परिवार संग की मुलाकात, अनोखा गिफ्ट भी दिया

कंगना रनौत ने सोमवार को अपना 40वां जन्मदिन मनाया। बहन और परिवार के साथ एक्ट्रेस ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और इसे अपना बेस्ट बर्थडे भी कहा। कमेंट सेक्शन में फैंस भरकर प्यार लुटा रहे हैं।

पीएम मोदी से मिलीं कंगना रनौत

कंगना रनौत 23 मार्च, सोमवार को एक साल और बड़ी हो गईं, और एक्ट्रेस अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका जन्मदिन इस साल यादगार रहा। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपने 40वें जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें शेयर कीं। कंगना ने अपने जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात की तस्वीरें भी पोस्ट कीं। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया कि उन्होंने अपने परिवार के साथ अपने 40वें जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

इस मौके पर उन्होंने ऑफ-व्हाइट साड़ी के साथ स्लीवलेस ब्लाउज पहना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पोज देते हुए कंगना मुस्कुराती हुई नजर आईं। उनकी बहन रंगोली भी उनके साथ इस मुलाकात में शामिल थीं। अपने अनुभव को साझा करते हुए कंगना ने लिखा, 'आज परिवार सहित माननीय प्रधानमंत्री जी का समय और मार्गदर्शन मिला। मेरे लिए ये एक यादगार जन्मदिन रहा।'

फैंस ने लुटाया प्यार

कुछ ही देर में, फैंस ने उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में अपना प्यार बरसाना शुरू कर दिया। पीएम मोदी को कंगना ने एक अनोखी पेंटिंग भी गिफ्ट की, जो वो हाथ में लेकर खड़ी थीं। एक ने लिखा- दो महान लोग एक फ्रेम में। एक ने कहा- किंग और क्वीन साथ में। कुछ फैंस ने उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे प्यारी एक्ट्रेस भी कहा।

कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता'

वर्कफंट पर, कंगना रनौत को आखिरी बार जनवरी 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था। हालांकि एक्ट्रेस को उनके अभिनय के लिए सराहना मिली, लेकिन फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में असफल रही।

इसके बाद, वो अपने राजनीतिक करियर में व्यस्त रहीं। कंगना रनौत फिलहाल अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' पर काम कर रही हैं। मनोज तापारिया इस प्रोजेक्ट का निर्देशन कर रहे हैं, जो कथित तौर पर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा और अल्बलेस अस्पताल की नर्सों और मेडिकल स्टाफ की बहादुरी की सच्ची कहानी पर आधारित है।

बादशाह के गाने 'टटीरी' पर हरियाणा पुलिस सख्त सोशल मीडिया पर गाने से जुड़े 857 लिंक हटाए

रैपर बादशाह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. महिला आयोग द्वारा समन दिए जाने के बाद अब हरियाणा पुलिस ने विवादित गीत 'टटीरी' के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. पंचकूला पुलिस के अनुसार अब तक इस गीत से जुड़े कुल 857 लिंक हटवाए जा चुके हैं. इनमें 154 यूट्यूब वीडियो और 703 इंस्टाग्राम रील्स शामिल हैं.

अश्लील और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल

पुलिस ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर सॉन्ग के सभी वर्जन जैसे री-अपलोड, शॉर्ट वीडियो और अन्य फॉर्मेट को तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं. यह कार्रवाई उन आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ उठाई गई है, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के प्रति अश्लील और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया. हरियाणा पुलिस ने स्पष्ट किया कि राज्य में महिलाओं और नाबालिगों की गरिमा के खिलाफ किसी भी प्रकार के कंटेंट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

जीरो टॉलरेंस नीति

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि ऐसे कंटेंट के खिलाफ लगातार निगरानी और सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी.

रील, शॉर्ट वीडियो या अन्य कंटेंट भी कोई नहीं बनाएगा

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पंचकूला आयुक्त शिबास कविराज ने सोशल मीडिया यूजर्स को सख्त चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रतिबंधित गीत पर रील, शॉर्ट वीडियो या अन्य कंटेंट बनाता या शेयर करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. ऐसे अकाउंट्स को ब्लॉक या प्रतिबंधित किया जा सकता है और बार-बार उल्लंघन करने वालों पर गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज होगा.

इस गाने का लिंक शेयर न करें

पुलिस की टीम लगातार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर मॉनिटरिंग कर रही हैं और गीत के प्रसार में शामिल अन्य व्यक्तियों व हैंडल्स की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है. हरियाणा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी कंटेंट को साझा करने से बचें और उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें. इससे डिजिटल स्पेस को सुरक्षित और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाने में मदद मिलेगी. यह मामला साइबर थाना, सेक्टर-20 पंचकूला में दर्ज है.

क्लैपरबॉय था एक्टर, इरफान खान के कहने पर पकड़ी थी एक्टिंग की राह, अब 'साइको सैयां' बनकर काटा बवाल

अनुद सिंह ढाका

मनोरंजन जगत में ऐसे कई स्टार हैं, जिन्होंने अभिनय की दुनिया में छोटे-मोटे काम करते हुए अपना करियर शुरू किया। एक्टर बनने से पहले किसी ने बैकग्राउंड डांसर बनकर तो किसी ने क्लैपरबॉय बनकर काम शुरू किया और आज के समय में इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन चुके हैं। इन्हीं में से एक हैं अनुद सिंह ढाका, जो इन दिनों अपनी सीरीज 'साइको सैयां' को लेकर सुर्खियों में हैं। अनुद कभी इंडस्ट्री में बतौर क्लैपरबॉय काम करते थे, तभी दिवंगत अभिनेता इरफान खान की नजर अनुद पर पड़ी, जिन्होंने उन्हें एक्टर बनने की सलाह दी। अनुद को देखकर इरफान खान ने कहा- 'तुझे एक्टर बनना चाहिए।' बस फिर क्या था, अनुद ने भी क्लैपरबॉय से एक्टर बनने की कोशिशें शुरू कर दीं और अब अपनी हालिया सीरीज से सुर्खियां बटोर रहे हैं।

इरफान खान की सलाह पर बने एक्टर

एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुद को जब पहली बार इरफान खान ने देखा था तो उनमें छुपी अभिनय क्षमता को भांप गए और कहा- 'तुझे एक्टर बनना चाहिए।' अनुद भी हमेशा से एक्टर ही बनना चाहते थे, लेकिन एक्टिंग जगत में एंट्री उनके लिए आसान बात नहीं थी, क्योंकि उनके पास मुंबई में कोई सपोर्ट नहीं था। लेकिन, उन्होंने मेहनत जारी रखी और अब 'साइको सैयां' में अपने किरदार के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसमें उनके साथ तेजस्वी प्रकाश, रवि किशन, सुरभि चंदना, अश्विनी कालसेकर और सृष्टि श्रीवास्तव जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।

आईआईटी की तैयारी की

अनुद के अनुसार, वह हमेशा से ही एक्टर बनना चाहते थे। अक्सर शीशे के सामने खड़े होकर खुद को निहारते थे और खुद को हीरो समझते थे। उनके हाव-भाव देखकर उनका परिवार समझ गया था कि वह एक्टिंग की तरफ झुक रहे हैं। इस बीच अनुद ने आईआईटी की भी तैयारी की, लेकिन आखिरकार आईआईटी नहीं हुआ और 2013 में अनुद भोपाल से मुंबई पहुंच गए। मुंबई में अनुद के लिए शुरुआती दिन काफी मुश्किलों भरे रहे। उनके पास न तो पैसे थे और न ही सपोर्ट, लेकिन एक्टिंग करने का जुनून कभी मन से नहीं गया। यही वजह थी कि अनुद ने कभी कोई बैकअप प्लान भी नहीं रखा।

करीब-करीब सिंगल में बतौर एडी किया काम

अनुद के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट था इरफान खान स्टारर 'करीब करीब सिंगल' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम करना। अनुद के अनुसार, इसी फिल्म के सेट पर उनकी मुलाकात इरफान खान से हुई थी। उस दौरान वह बतौर क्लैपर बॉय काम कर रहे थे। एक दिन इरफान खान ने अनुदको देखा और बुलाकर कहा- 'मुझे लगता है तुम्हें एक्टर बनना चाहिए।' अनुद, इरफान खान को अपना आदर्श मानते थे और जब उन्होंने उनसे ये बात कही तो वह अंदर तक हिल गए और ठान लिया कि वह एक्टर ही बनेंगे। इसके बाद अनुद ने कई फिल्मों के लिए ऑडिशन दिया। ऋतिक रोशन स्टारर 'सुपर 30' में उन्हें छोटा सा रोल मिला। इसके बाद 'छिछोरे' में भी छोटा सा रोल मिला और फिर 'ताजमहल 1989' से पहचान मिलनी शुरू हुई। अब अनुद 'साइको सैयां' को लेकर सुर्खियों में है, जो एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रही है।

डुप्लीकेट गोविंदा को देख कृष्णा ने लगाया गले तो कश्मीरा ने ढका सिर, निया-जन्नत में झगड़ा

कुकिंग कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' सभी का फेवरेट और स्ट्रेस बूस्टर है। हर शनिवार-रविवार को रात 9:30 बजे टेलीकास्ट होने वाले इस शो में हर हफ्ते कोई न कोई जश्न मनाया ही जाता है।

लेटेस्ट प्रोमो में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। ईशा मालवीय, जहां को-एक्टर के साथ अपनी पंजाबी फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंची। वहीं, अंकिता लोखंडे का बर्थडे सेलिब्रेट किया गया और उसके लिए कई सेलेब्स ने एंट्री की। इसमें एक गोविंदा भी थे, जिनते आते ही कशिमरा ने सिर ढक लिया।

'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' के नए प्रोमो में शालिनी पासी आती हैं। भारती कहती हैं कि अंकिता लोखंडे के बर्थडे के लिए उन्हें खास दिल्ली से बुलाया गया है। दरअसल, एक्ट्रेस की हमेशा से शिकायत थी कि उनका जन्मदिन कभी सेट पर नहीं मनाया गया।

इसीलिए इस बार मेकर्स ने जश्न मनाने का फैसला किया। इस शो में मिथुन चक्रवर्ती और गोविंदा के डुप्लीकेट भी पहुंचे। जिन्हें देखते ही सेट का माहौल बदल गया।

'लाफ्टर शेफ्स 3' में डुप्लीकेट गोविंदा

गोविंदा के डुप्लीकेट को देखकर जहां कश्मीरा ने जैकेट से अपना सिर ढंका। वहीं कृष्णा अभिषेक ने उन्हें गले लगा लिया। करण कुंद्रा ने भी जोर से चिल्लाकर कहा, 'अरे मामा।' इसके बाद दोनों दीग्गजों के डुप्लीकेट्स के साथ सबने खूब मस्ती की। ये एपिसोड 28 मार्च और 29 मार्च को ऑन-एयर किया जाएगा। जिसे जियोहॉटस्टार पर भी देखा जा सकता है।

निया शर्मा और जन्नत जुबेर में झगड़ा!

इसके अलावा, दूसरे प्रोमो में जन्नत जुबेर और निया शर्मा में भयंकर झगड़ा हो जाता है। निया ने चीखते हुए जन्नत पर दाल चोरी करने का आरोप लगाया तो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी पीछे नहीं रहीं। उन्होंने पलटकर जवाब दिया। कहा कि वह छीनकर नहीं ले गई हैं। निया ने कहा कि वह जन्नत को अब कोर्ट में घसीटेंगी। हालांकि ये सब मजाक में होता है। फिर जन्नत को अली और निया को समर्थ-कृषणा पकड़कर दूर करते हैं। दोनों के बीच चीखम-चिल्ली भी लोगों को खूब एंटरटेन करने वाली है।

'लाफ्टर शेफ्स 3' में ममता कुलकर्णी

बता दें कि 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' के बीते एपिसोड में ममता कुलकर्णी बतौर गेस्ट आई थीं। उन्होंने बताया था कि उनके 25 साल के करियर में ये पहला टीवी शो है।

वह लंबे अरसे बाद कैमरा फेस कर रही हैं। इस दौरान कंटेस्टेंट्स की खाना बनाने में उन्होंने मदद की। आने वाले एपिसोड में विक्की जैन नजर नहीं आएंगे क्योंकि उनके हाथ में चोट लगी है। उनकी जगह पर ईशा मालवीय, अंकिता की मदद करेंगी।

रणवीर सिंह की अगली फिल्म तख्त में आलिया और विक्की कौशल भी

करण जौहर ने 2020 में अपने पीरियड ड्रामा 'तख्त' की घोषणा की थी। फिल्म में कई बड़े कलाकारों के शामिल होने की उम्मीद के चलते यह तुरंत सुर्खियों में आ गई थी। हालांकि, यह फिल्म कभी बन ही नहीं पाई। हाल ही में, बॉलीवुड डायरेक्टर और निर्माता ने खुलासा किया है कि क्या वे इस प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने की योजना बना रहे हैं या नहीं। खुद जानिए करण जौहर से।

विक्की कौशल, आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, करीना कपूर खान और कई कलाकारों के करण जौहर की भव्य फिल्म 'तख्त' में काम करने की उम्मीद थी। फिल्म को 2021 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज होना था। लेकिन महामारी और कई अज्ञात कारणों से यह फिल्म बन ही नहीं पाई।

करण जौहर की फिल्म 'तख्त' पर अपडेट

हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत के दौरान करण जौहर ने बताया कि 'तख्त' का कोई रीमेक नहीं बन रहा है। अपने स्टार-स्टडेड पीरियड ड्रामा के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए, 'कुछ कुछ होता है' के निर्देशक ने कहा कि फिलहाल 'तख्त' के रीमेक की कोई प्लानिंग नहीं है।

'तख्त' जरूर बनेगी

उन्होंने आगे कहा कि 'तख्त' एक ऐसी फिल्म है जिसे वह अपने जीवनकाल में जरूर बनाएंगे। करण जौहर ने बताया, 'मैं इसे सुमित रॉय के लिखे गए सबसे सशक्त स्क्रीनप्ले में से एक मानता हूं। इसका पूरा श्रेय उन्हें जाता है। मेरा मानना है कि यह मेरे करियर का सबसे बेहतरीन लिखा हुआ काम है, और मुझे उम्मीद है कि मैं एक दिन इस फिल्म को जरूर बनाऊंगा।'

'कभी खुशी कभी गम' पर बोले करण जौहर

'कभी खुशी कभी गम' (K3G) एक मशहूर फैमिली ड्रामा है जिसने करण को फेम दिलाया। हाल ही में, इस क्लासिक फिल्म के पार्ट 2 बनने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन खबरों पर सफाई देते हुए फिल्ममेकर ने कहा कि K3G 2 जैसी कोई फिल्म नहीं बनेगी।

कभी नहीं बनेगा 'कभी खुशी कभी गम' का सीक्वल

साल 2001 में आई इस फिल्म के सीक्वल पर बात न करने के पीछे का कारण बताते हुए करण जौहर ने कहा, 'मैं कभी भी K3G 2 नहीं बनाऊंगा। ऐसा इसलिए नहीं कि K3G अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म थी, बिल्कुल नहीं।

हर फिल्म में कुछ कमियां होती हैं, लेकिन K3G में जो बात सबसे ज्यादा है, वह है लोगों की पुरानी यादें। मैं उस यादों या फिल्म के प्रति लोगों के प्यार के साथ कभी छेड़छाड़ नहीं करूंगा, क्योंकि K3G 2 जैसी फिल्म बनाना बर्बादी को न्योता देना है। इसलिए, जी हां, बिल्कुल सच यही है कि K3G 2 नहीं बनेगी।'

कौन हैं लिजी लक्ष्मी? क्यों चर्चा में आईं और क्या है प्रियदर्शन से रिश्ता?

लिजी लक्ष्मी का नाम इन दिनों चर्चाओं में बना हुआ है। यही नहीं उनके साथ दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन का भी नाम जोड़ा दा रहा है। कई लोग ये भी नहीं जानते कि लिजी लक्ष्मी कौन हैं और क्यों प्रियदर्शन से जोड़ा जा रहा है, उनका नाम? तो यहां हम आपको इन सभी सवालों के जवाब देंगे। जहां आपको लिजी लक्ष्मी के बारे में पता चलेगा। साथ ही आप जान पाएंगे कि उनका प्रियदर्शन और 'लोकाः चैप्टर 1' की अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन से क्या कनेक्शन है?

1982 में की करियर की शुरुआत

केरल के कोच्चि में जन्मीं लिजी लक्ष्मी एक मलयालम अभिनेत्री हैं। वो 80 के दशक की कई मलयालम फिल्मों का हिस्सा रही हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। लिजी ने अपने करियर की शुरुआत साल 1982 में आई फिल्म 'इथिरी नेरम ओथिरी कार्यम' से की थी। हालांकि, उनकी यादगार फिल्मों में 'ओदारुथम्मावा आलारियम', 'मुथारामकुन्नू पी.ओ.', 'बोइंग बोइंग', 'थलावट्टम' और 'विक्रम' जैसी फिल्में शामिल हैं।

एक हिंदी फिल्म में भी किया काम

मलयालम फिल्मों के अलावा लिजी ने कुछ तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। तमिल सिनेमा में उन्होंने कमल

हासन की 'विक्रम' से शुरुआत की थी। जबकि हिंदी में उन्होंने सिर्फ 'सागर' फिल्म में काम किया है। लिजी ने अपने करियर में मोहनलाल और ममूटी जैसे मलयालम सिनेमा के दिग्गजों के साथ भी काम किया है।

प्रियदर्शन से शादी के लिए बदला धर्म

पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक अभिनेत्री के अलावा लिजी प्रियदर्शन की पत्नी के तौर पर भी पहचानी जाती हैं। प्रियदर्शन और लिजी ने अफेयर के बाद साल 1990 में शादी की थी। शादी के बाद लिजी ने एक्टिंग छोड़ दी थी। शादी के लिए उन्होंने लिजी से अपना नाम लक्ष्मी कर लिया था और बेटे सिद्धार्थ के जन्म के बाद कैथेलिक धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया था। लिजी और प्रियदर्शन की ही बेटी हैं 'लोकाः चैप्टर 1' की अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन।

शादी के 26 साल बाद हुआ प्रियदर्शन से तलाक

24 साल की शादी के बाद साल 2014 में लिजी ने प्रियदर्शन से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की। इसके बाद साल 2016 में दोनों की 26 साल की शादी टूट गई। इसके बाद से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे।

इस वजह से टूटी कपल की शादी

एक पुराने इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने शादी टूटने की वजह ईगो को बताया था। उन्होंने कहा था कि हमारे फैमिली प्रॉब्लम की सिर्फ एक वजह थी ईगो। मैं कंजर्वेटिव फैमिली में पला हूं, मेरे दिमाग में औरत का मॉडल मेरी मां है।

शादी के बाद पार्टनर से वैसा ही होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए जैसी मां है, क्योंकि वो अलग जनरेशन की है। मेरे पैरेंट्स लिसी को मेरी बहन से ज्यादा चाहते थे। कई साल तक मैं जन्नत में रह रहा था, अब हम अलग हैं। लेकिन मेरा चेन्नई वाला घर आज भी प्रियदर्शन-लिजी नाम का है। मुझे पता है, जो भी हो गया, वो मुझे अभी भी रिस्पेक्ट करती है। बस ईगो की प्रॉब्लम थी।

लिजी और प्रियदर्शन के फिर से साथ आने की चर्चाएं

शादी टूटने के 10 साल बाद अब लिजी एक बार फिर चर्चाओं में हैं। वजह है 10 साल बाद लिजी और प्रियदर्शन के फिर एक साथ आने की खबरें। पिछले साल दिसंबर में एक शादी कार्यक्रम में लिजी और प्रियदर्शन को साथ में देखा गया था। इसके बाद से ही ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि दोनों फिर से साथ हो गए हैं।

इसके बाद अभी बीते दिनों लिजी ने 'पैट्रियट' के वॉइस रिकॉर्डिंग के दौरान की एक तस्वीर साझा की। इसमे लिजी और प्रियदर्शन साथ में अभिनेता ममूटी के साथ नजर आ रहे हैं। इसके बाद ही अब प्रियदर्शन और लिजी के शादी टूटने के लगभग 10 साल बाद फिर से साथ आने की चर्चाएं जोरों पर हैं।

रणवीर सिंह से भी तगड़ी एक्टर की बॉडी, कभी 10 हजार की करते थे नौकरी, ऋतिक के ट्रेनर मुस्तफा अहमद

रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2' धूम मचा रही है। एक्टर की खूब तारीफ हो रही है, फिल्म की बाकी कास्ट कमाल कर रही है। फिल्म में 'रिजवान' के किरदार को भी दर्शकों ने खूब सराहा। इस दमदार भूमिका को निभाने वाले अभिनेता मुस्तफा अहमद आज भले ही चर्चा में हों, लेकिन उनकी सफलता की चमक के पीछे संघर्षों की एक लंबी काली रात रही है। एक जिम ट्रेनर से सेलिब्रिटी फिटनेस गुरु और फिर एक अभिनेता बनने तक का उनका सफर किसी फिल्मी ड्रामा से कम नहीं है।

डिस्लेक्सिया से हार नहीं मानी

मुस्तफा का शुरुआती जीवन चुनौतियों से भरा था। 'तारे जमीं पर' के नन्हे ईशान की तरह मुस्तफा भी डिस्लेक्सिया से जूझ रहे थे, जिसके कारण पढ़ाई-लिखाई उनके लिए एक पहाड़ जैसी चुनौती बन गई थी। आखिरकार उन्हें अपनी औपचारिक शिक्षा बीच में ही छोड़नी पड़ी। एक पॉडकास्ट में अपनी यादें साझा करते हुए मुस्तफा ने बताया, 'मैं पढ़ाई में अच्छा नहीं था, लेकिन फीजिकल एक्टिविटी से बहुत सक्रिय था। खेलकूद हो या डांस, अपने शरीर का इस्तेमाल करने वाले हर काम में मैं अव्वल रहता था।' उनकी यही शारीरिक ऊर्जा ही आगे चलकर उनके जीवन का आधार बनी।

एक खत जिसने बदल दी जिंदगी

साल 2001 में महज 21 साल की उम्र में मुस्तफा एक कॉल सेंटर में टीम लीडर थे और महीने के एक लाख रुपये कमा रहे थे। यह एक ऐसी नौकरी थी जिसे कई लोग पाना चाहते थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जनकपुरी के एक स्थानीय जिम में वर्कआउट के दौरान उन्होंने देखा कि एक ट्रेनर एक 40 साल की महिला की अनदेखी कर रहा है। मुस्तफा ने आगे बढ़कर उनकी मदद की। कुछ

महीनों बाद उस महिला ने उन्हें एक लिफाफा दिया। उस खत में लिखा था कि वर्कआउट की मदद से उनके निजी जीवन और शादी में फिर से खुशियां लौट आई हैं। उन्होंने मुस्तफा से कहा, 'यह तुम्हारा असली काम है और इसे न करना एक अपराध होगा।'

शून्य से शिखर की ओर

उस एक खत ने मुस्तफा के अंदर की आवाज को जगा दिया। उन्होंने अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ दी। उनके बॉस ने उन्हें 'पागल' कहा और उनकी मां ने इस फैसले से नाराज होकर उनसे बात करना बंद कर दिया। मुस्तफा ने दिल्ली के एक छोटे से जिम में महज 10000 रुपये की नौकरी से शुरुआत की, जहां वह सुबह 4 बजे उठकर जिम का शटर खोलते थे। इसके बाद कनॉट प्लेस के फिटनेस फर्स्ट में उनकी ईमानदारी और बिना किसी औपचारिक डिग्री के भी काम के प्रति उनके जुनून ने उन्हें नौकरी दिलाई। वहां उनकी मेहनत का जादू ऐसा चला कि वह महज तीन महीने में पूरे एशिया के नंबर-1 ट्रेनर बन गए।

विश्व स्तरीय पहचान और आदित्य धर का साथ

मुस्तफा ने उस दौर में भारतीय ट्रेनर्स को

मिलने वाले कम सम्मान को चुनौती दी। उन्होंने खुद से पूछा कि अगर वह अंतरराष्ट्रीय ट्रेनर्स के बराबर काबिल हैं तो उन्हें वैसी पहचान क्यों नहीं मिल सकती? इसी जिद ने उन्हें ऋतिक रोशन जैसे सुपरस्टार का भरोसेमंद कोच बना दिया, लेकिन उनकी प्रतिभा केवल फिटनेस तक सीमित नहीं थी। निर्देशक आदित्य धर ने उनके अंदर छिपे कलाकार को पहचाना। फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज से पहले मुस्तफा ने आदित्य के लिए एक भावुक संदेश लिखा था। उन्होंने बताया कि कैसे आदित्य हमेशा उनका हौसला बढ़ाते थे और कहते थे, 'मैं हूं ना, तू कर।'

फिटनेस की हुई रणवीर सिंह से तुलना

मुस्तफा के अनुसार आदित्य ने उन्हें एक ऐसी यात्रा पर भेजा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। आज मुस्तफा केवल एक सफल ट्रेनर नहीं, बल्कि एक उभरते हुए अभिनेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं, जिन्होंने साबित कर दिया कि अगर इरादा पक्का हो तो आसमान भी छोटा पड़ जाता है। मुस्तफा की फिटनेस, एक्शनन और बॉडी की खूब तारीफ हो रही है। लोगों का कहना है कि वो रणवीर सिंह से भी ज्यादा फिट हैं और उनका एक्शन रणवीर सिंह पर भी भारी पड़ा।

कल्पना सोरेन ट्रेलब्लेजर अवार्ड से सम्मानित

बोलीं- झारखंड की महिलाएं लाभार्थी नहीं, बदलाव की नायिका

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित 'ब्रिक्स सीसीआई वीई एनुअल वुमेन समिट एंड फेलिसिटेशन 2026' के दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को प्रतिष्ठित 'वुमेन एम्पायरमेंट ट्रेलब्लेजर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महिला सशक्तीकरण वर्टिकल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया गया।

सम्मान हर मंईयां को समर्पित

इस मौके पर कल्पना सोरेन ने कहा यह पुरस्कार केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह झारखण्ड की हर मंईयां और देश-दुनिया की उन अनगिनत महिलाओं का है जो अपने परिवार, समुदाय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहीं हैं। आज महिलाएं व्यापार, खेल, अंतरिक्ष, विज्ञान, नवाचार और शासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बाधाओं को पार कर मुकाम हासिल कर रहीं हैं। वे केवल राज्य और देश के विकास का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे इसे गति दे रहीं हैं।

हाशिए पर रहने वाली महिलाओं की आवाज सुनने की जरूरत

कल्पना सोरेन ने कहा कि विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं की आवाज को सुनने और उन्हें अवसरों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड में महिलाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि उद्यमी और बदलाव की नायिका के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमों के माध्यम से महिलाओं की ओर से बनाई जा रही आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास की सराहना की।

सशक्तीकरण में निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए

कल्पना सोरेन ने अपनी हालिया लंदन यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे वैश्विक संस्थानों में पढ़ रही झारखण्ड की छात्राओं के जुनून और बाधाओं से जूझने के उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें भविष्य के प्रति अत्यधिक विश्वास और आशा से भर दिया है।

सशक्तीकरण केवल समावेश तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि हर महिला को बढ़ने और नेतृत्व करने का समान अवसर मिले।

इस अवसर पर मीनाक्षी लेखी पूर्व विदेश राज्य मंत्री और ग्लोबल चेयर, मिशन शक्तिसैट, रक्षा खडसे, राज्य मंत्री, युवा मामले और खेल, अभिषेक सिंह महानिदेशक (डीजी) समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

किसान कर्ज माफी से केंद्र सरकार ने इनकार किया

कहा- कोई योजना नहीं, राजस्थान के किसानों पर 1.92 लाख करोड़ का कर्ज बाकी

जयपुर/दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राजस्थान सहित देशभर के किसानों का कर्ज माफ करने से इनकार कर दिया है। लोकसभा में आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल के किसान कर्ज माफी के सवाल के जवाब में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि किसानों की पूर्ण कर्ज माफी के लिए योजना तैयार करने संबंधी कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन नहीं है। राजस्थान के किसानों पर 31 दिसंबर 2025 तक कुल 1 लाख 92 हजार 293 करोड़ रुपए का कर्ज बकाया था।

राजस्थान में किसानों पर कॉमर्शियल बैंकों का 1 लाख 44 हजार 192 करोड़ रुपए, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का 30,069 करोड़ और सहकारी बैंकों का 18,032 करोड़ रुपए बकाया है। सबसे ज्यादा कर्ज कॉमर्शियल बैंकों का बकाया है। पिछले तीन साल से किसानों का कर्ज सालाना 15 फीसदी की दर से बढ़ा है।

पूरे देश में किसानों पर 31.34 लाख करोड़ का कर्ज बकाया है। राजस्थान के किसानों पर देश के

सभी राज्यों के कुल किसान कर्ज का करीब 6% के आसपास हिस्सा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया- कृषि के अलावा सहायक एक्टिविटी के लिए किसानों को दिए जाने वाले कम अवधि के कर्ज की सीमा 1.60 लाख से बढ़ाकर 2.00 लाख की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के माध्यम से फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से जमीन धारक किसानों को डायरेक्ट कैश ट्रांसफर किया जाता है।

किसानों पर बकाया कर्ज में राजस्थान देश में छठे नंबर पर

किसानों पर बकाया कर्ज के मामले में राजस्थन देशभर में छठे नंबर पर है।

देश में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु के किसानों पर बकाया है, तमिलनाडु देश में पहले स्थान पर, जबकि आंध्र प्रदेश दूसरे, महाराष्ट्र तीसरे, कर्नाटक चौथे, यूपी पांचवें स्थान पर है। तमिलनाडु के किसानों पर कुल 5.06 लाख करोड़ कर्ज बकाया है।

आंध्र प्रदेश के किसानों पर 3.75 लाख करोड़, महाराष्ट्र के किसानों पर 3.07 लाख करोड़, कर्नाटक के किसानों पर 2.10 लाख करोड़ और राजस्थान के किसानों पर 1.92 लाख करोड़ का कर्ज बकाया है। राजस्थान के बाद तेलंगाना का नंबर है, जिसके किसानों पर 1.75 लाख करोड़ का कर्ज बकाया है।

हर साल कर्ज बांटने का आंकड़ा बढ़ रहा

केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने जवाब में बताया- किसानों को कर्ज बांटने का आंकड़ा हर साल बढ़ रहा है।

2022-23 से किसानों को कर्ज बांटने में सालाना 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान में साल 2022-23 में किसानों को 1,41,612 करोड़, 2023-24 में 1,53,593 करोड़ और 2024-25 में 1,68,545 करोड़ के कर्ज बांटे गए।

अब सेना डिफ्यूज करेगी 227 किलो का बम

बहरागोड़ा स्वर्णरेखा नदी पहुंची सेना, दूसरा संदिग्ध सिलेंडर मिलने से सनसनी

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के पानीपड़ा स्थित स्वर्णरेखा नदी किनारे पिछले सात दिनों से पड़े संदिग्ध विस्फोटक को लेकर आखिरकार स्थिति स्पष्ट हो गई है। जांच के बाद इसे जिंदा बम माना गया है, जिसके बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हो गई हैं।

बम की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है। गांव के लोगों में दहशत का माहौल है। वहीं प्रशासन लगातार लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रहा है।

रांची से पहुंची भारतीय सेना की विशेषज्ञ टीम ने मौके पर पहुंचते ही स्थिति का जायजा लेना शुरू कर दिया। बम के आसपास के इलाके को तकनीकी दृष्टिकोण से स्कैन करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन के माध्यम से बम की स्थिति, उसकी संरचना और आसपास के जोखिम का आकलन किया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरी प्रक्रिया को बेहद सावधानी से अंजाम दे रही हैं, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

रिपोर्ट के बाद होगा ब्लास्ट, खाली कराया जाएगा इलाका

सेना के अधिकारी आयुष कुमार के मुताबिक प्रारंभिक जांच में यह एक सक्रिय बम प्रतीत हो रहा है।

इसकी विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी जाएगी। इसके बाद सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह खाली कराया जाएगा। योजना के अनुसार विशेषज्ञों की निगरानी में नियंत्रित विस्फोट कर बम को निष्क्रिय किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार का खतरा टाला जा सके।

इसी बीच गांव में विशेश्वर सेनापति के घर के सामने मिट्टी में दबा एक और संदिग्ध लोहे का सिलेंडरनुमा वस्तु मिलने से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है। पुलिस ने सावधानीपूर्वक उसे बाहर निकालकर नदी किनारे सुरक्षित स्थान पर रख दिया है। उसकी भी जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 12वीं का हिंदी पेपर रद्द

अब 10 अप्रैल को होगी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की आशंका के बाद शिक्षा विभाग ने लिया फैसला

रायपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा 12वीं की हिंदी परीक्षा रद्द कर दी है। प्रश्नपत्र लीक होने की आशंका के बाद यह फैसला लिया गया। अब यह परीक्षा 10 अप्रैल 2026 को सुबह 9 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

मंडल ने बताया कि, हिंदी विषय की परीक्षा पहले 14 मार्च 2026 को आयोजित की गई थी। इस दौरान पेपर लीक से जुड़ी शिकायतें मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने के बाद परीक्षा को निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। नई तारीख की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल पर भी जारी की गई है।

'पवन सिंह को स्टेज पर थप्पड़ मारना चाहिए था'

हरियाणवी एक्ट्रेस की कमर छूने पर महिला आयोग सख्त, 2 अप्रैल को सुनवाई के लिए बुलाया

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की स्टेज पर भोजपुरी सिंगर-एक्टर द्वारा कमर छूने का मामला फिर तूल पकड़ गया है। अंजलि ने हरियाणा महिला आयोग को शिकायत भेजी है। ई-मेल के जरिये इस मामले से जुड़े सबूत भी आयोग को भेजे हैं।

अंजलि राघव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि एक कार्यक्रम के दौरान उनकी अनुमति के बिना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसके बाद उन्हें मानसिक

तनाव और सामाजिक अपमान का सामना करना पड़ा।

एक्ट्रेस ने बताया कि मामले को पहले आपसी समझौते से सुलझा लिया गया था, लेकिन बाद में फिर से उनके खिलाफ फर्जी और आपत्तिजनक पोस्ट फैलाए गए। जिससे उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई।

हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने कहा है कि हमारे पास शिकायत आई है। 4 महीने पहले की घटना है। एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे लगा मेरे कपड़े पर टैग लगा है, जिसे वे हटाने की कोशिश कर रहे हैं। रेनू भाटिया ने कहा कि ऐसी घटना पर एक्ट्रेस को चांटा मारना चाहिए था।

इस मामले में दोनों कलाकारों को बुलाया जाएगा। इस घटना से उन्हें मिलने वाले रोल मिला या नहीं मिला, यह अलग विषय है। 2 अप्रैल को फरीदाबाद सुनवाई के लिए बुलाया गया है। सुनवाई के दौरान बात की जाएगी।

तमिलनाडु में भाजपा 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

नई दिल्ली/गुवाहाटी/कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सोमवार को सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा 234 सीटों में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज्य में गठबंधन का नेतृत्व करने वाली एआईएडीएमके 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं पट्टाली मक्कल काची को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम को 11 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि चंद्रशेखर के पास कोरमंगला में 49,000 स्क्वॉयर फीट का करीब 200 करोड़ रुपए का बंगला है, जिसकी जानकारी हलफनामें में छिपाई है।

हरियाणा में बेकाबू कैंटर ने 7 लोगों को रौंदा

झज्जर, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में सोमवार की दोपहर एक कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की शुरुआत मामा चौक से हुई। पहले टैंकर ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को कुचला। इसके बाद भी ड्राइवर नहीं रुका और तेज गति से सेक्टर-9 की तरफ कैंटर दौड़ा दिया। इसी भागमभागम में कई और लोगों को भी चपेट में ले लिया। इनमें एक और बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि चपेट में आकर ऑटो सवार महिला समेत चार घायल हो गए। इसके बाद बेकाबू कैंटर फ्लाईओवर के दो पिलर के बीच फंस कर रुक गया तो ड्राइवर कूदकर कर फरार हो गया। हादसे के बाद सड़क पर अफरातफरी मच गई। पुलिस के आने तक शव सड़क पर ही पड़े रहे।

पत्नी-बेटे ने डंडे से पीटा गला दबाकर मार डाला

कोरिया, 23 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के कटकोना कालरी में पदस्थ कर्मचारी बसंत लाल का शव 26 फरवरी को उसके घर में फांसी पर झूलता मिला था। शुरुआत में मामला आत्महत्या का लगा, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी।

मामले की जांच में पुलिस ने मृतक की पत्नी और बेटे को गिरफ्तार किया है। मां और बेटा उसकी शराब पीने की आदत से परेशान थे, इसलिए दोनों ने मिलकर बसंत लाल की पहले डंडों से पिटाई कर दी और डंडे से गला दबा दिया। इसके बाद दोनों ने हत्या की वारदात को आत्महत्या बताने के लिए उसके शव को घर के पीछे आंगन में फांसी पर लटका दिया। मामला पटना थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, कटकोना कालरी में काम करने वाले बसंत लाल (59 साल) का शव 26 फरवरी की सुबह उनके माइनस कॉलोनी स्थित घर में फांसी पर लटका मिला था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। जांच के दौरान शव पर चोट के निशान भी मिले थे। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने मामले में मृतक के परिजनों से पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि बसंत लाल शराब पीने का आदी था। वह एक महीने से ड्यूटी पर भी नहीं जा रहा था और अपनी पत्नी और बच्चों को खर्च के लिए पैसे भी नहीं देता था। इसी वजह से परिवार में अक्सर झगड़े होते रहते थे। पटना थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि जांच में पता चला कि बसंत की पत्नी शालू और बेटे जितेंद्र ने परेशान होकर बसंत लाल की हत्या की साजिश रची। 25 फरवरी की रात दोनों ने मिलकर बसंत लाल की पहले डंडों से पिटाई कर दी। इसके बाद डंडे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

दोनों टॉपर, एक साथ एसडीएम बने, अब रिश्तों में दरार

15किमी दूर घर, पर मिलते नहीं, मीटिंग में भी दूर-दूर बैठते हैं

चंदौली, 23 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के दो एसडीएम के बीच करीब 6 साल पहले प्यार शुरू हुआ, फिर एक साल बाद शादी कर ली। लेकिन, शादी के कुछ साल बाद ही दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं। सिर्फ 15 किलोमीटर दूर घर होने के बावजूद एक-दूसरे से मिलना-जुलना तक बंद कर दिया। इतना ही नहीं, बड़े अफसरों की बैठकों में भी दूर-दूर बैठने लगे।

यह कहानी है चंदौली में तैनात एसडीएम दिव्या ओझा और अनुपम मिश्रा की। दोनों के बीच पहली बार झगड़ा सामने आया 17 मार्च को, जब एसडीएम दिव्या ओझा के पिता प्रतापगढ़ में थाने पहुंचे। उन्होंने अपने एसडीएम दामाद अनुपम मिश्रा के खिलाफ दहेज, मारपीट और उत्पीड़न का केस दर्ज कराया।

दिव्या ओझा प्रतापगढ़ की रहने वाली हैं। उनके पिता निशाकांत ओझा, यूपी के पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा के छोटे भाई हैं। वहीं, अनुपम मिश्रा प्रयागराज की एलडीए कॉलोनी के रहने वाले हैं।

2017 की यूपीपीएससी परीक्षा का रिजल्ट 2019 में आया। इसमें प्रयागराज की एलडीए कॉलोनी में रहने वाले अनुपम मिश्रा ने दूसरी रैंक हासिल की। वह मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक हैं। इसी परीक्षा में प्रतापगढ़ की रहने वाली दिव्या ओझा को 9वीं रैंक मिली। दिव्या राजनीतिक परिवार से हैं, जबकि अनुपम साधारण परिवार से आते हैं।

दोनों की पहली पोस्टिंग प्रयागराज में ही हुई। यहीं से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। इसके बाद दिव्या के परिवारवालों ने अनुपम को जीवनसाथी के रूप में चुना। फिर 1 दिसंबर, 2020 को दोनों की शादी हो गई।

करीब 3 साल पहले दिव्या की पोस्टिंग चंदौली में हो गई। कुछ महीने बाद अनुपम मिश्रा की भी तैनाती चंदौली में हो गई। अनुपम सकलडीहा तहसील में एसडीएम बने, जबकि दिव्या चकिया तहसील में एसडीएम के पद पर तैनात रहीं।

शुरुआत में दोनों के घर के बीच करीब 40 किलोमीटर की दूरी थी। उस समय रिश्तों में ज्यादा खटास नजर नहीं आई। करीब 2 साल तक दोनों के बीच क्या चलता रहा, यह किसी को पता नहीं चला।

करीब डेढ़ साल पहले अनुपम मिश्रा को पीडीडीयू नगर तहसील में एसडीएम बना दिया गया। वहीं, दिव्या ओझा को एक साल पहले सदर तहसील में तैनाती मिल गई।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में घर के बाहर धमाका

सांबा, 23 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सोमवार को एक पूर्व सरपंच के घर के बाहर धमाके से इलाके में दहशत फैल गई। यह विस्फोट घगवाल सेक्टर के गवाला तालाब में जय राम शर्मा के घर के बाहर हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10 किमी दूर स्थित है।

धमाके में घर का गेट और दीवार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि आसपास के कई घरों के शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलने पर फॉरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल जुटाए। वहीं नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की टीमें भी स्निफर डॉग्स के साथ जांच के लिए पहुंचीं। पुलिस के मुताबिक यह धमाका रात करीब 1:07 बजे हुआ, जब घर के लोगों ने जोरदार आवाज सुनी। बाहर आने पर उन्होंने देखा कि गेट क्षतिग्रस्त हो चुका था। पूर्व सरपंच ने कहा कि ऐसा धमाका पहले कभी नहीं सुना। इससे पूरा गांव हिल गया और लोगों में डर का माहौल है। उन्होंने घटना की गहन जांच की मांग की है।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट

फरीदाबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गैंग के मेंबर नौशाद अली उर्फ लालू को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नौशाद पेट्रोल पंप पर तीन महीने से पंचर बनाने की दुकान चला रहा था।

नौशाद रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के फोटो वीडियो बनाता था और उसे व्हाट्सएप्स ग्रुप्स के जरिए पाकिस्तान भेजने का काम करता था। इसके लिए एक फोटो पर उसे 4 से 6 हजार रुपए मिलते थे।

डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी तक इसमें गैंग के सरगना मेरठ के सुहेल सहित 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने नौशाद के अलावा औरंगाबाद की मीरा को अरेस्ट किया है। एक आरोपी नाबालिग है। तीनों ने बताया कि सुहेल ने ही हमें ग्रुप में जोड़ा था। गाजियाबाद पुलिस की जांच में पता चला कि ये लोग रेलवे स्टेशन और सुरक्षा बलों के ठिकानों की फोटो और वीडियो बनाकर कुछ लोगों को भेजते थे और इसके बदले उन्हें पैसे मिलते थे। इस गैंग का देशभर में करीब 50 सोलर कैमरे लगाने का प्लान था। दिल्ली-हरियाणा के रेलवे स्टेशनों पर कैमरे लगा भी दिए थे। पुलिस ने दोनों स्थानों के कैमरे रिकवर करते हुए जांच शुरू कर दी है। इन कैमरों को फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। दिल्ली और सोनीपत में लगाए गए कैमरों का एक्सेस पाकिस्तान में था। यानी इनके सीधी वीडियो पाकिस्तान में देखी जा रहीं थी।

रिमांड पर सुहेल और अन्य सभी आरोपियों ने बताया कि हम लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग पाकिस्तान में बैठे लोगों को भेजते थे। हर कैमरे की इंस्टॉलेशन पर 10 हजार रुपये से लेकर 15 हजार रुपये मिलते थे। दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर एक कैमरा इनस्टॉल किया है। 4 से 5 हजार रुपये भी अलग अलग लोगों को मिले।

यूपी के कैप्टन साथी को बचाने में शहीद

गाजीपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के गाजीपुर में रहने वाले 25 साल के कैप्टन की देहरादून में अपने साथी को बचाने में जान चली गई। 20 मार्च को प्रैक्टिस के दौरान एक जवान नदी के तेज बहाव में फंस गया था। यह देख कैप्टन प्रशांत चौरसिया नदी में कूद पड़े। उन्होंने साथी को तो बचा लिया, लेकिन खुद तेज बहाव में फंस गए। साथ ही एक पत्थर से टकराकर घायल भी हो गए।

साथी जवानों ने उन्हें नदी से बाहर निकालकर आर्मी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान 22 मार्च को उनकी मौत हो गई।

एंजेल हत्याकांड- सीबीआई ने फरार आरोपी की 'क्राइम कुंडली' मांगी

देहरादून, 23 मार्च (एजेंसियां)। देहरादून के एंजेल चकमा हत्याकांड में फरार आरोपी को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने ब्लू कॉर्नर नोटिस की प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए उसकी पूरी 'क्राइम कुंडली' मांगी है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश की प्रक्रिया फिलहाल धीमी पड़ गई है, जबकि दून पुलिस अब पूरे केस को फिर से खंगालते हुए हर पहलू की विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

सीबीआई ने दून पुलिस से आरोपी यज्ञराज अवस्थी की आपराधिक भूमिका, उसकी मंशा, वारदात के दौरान की परिस्थितियां और घटना को किस तरह अंजाम दिया गया, इसका 1200 से 1500 शब्दों में विस्तृत ब्योरा मांगा है। एजेंसी के सवालों के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज होने से लेकर अब तक की पूरी कार्रवाई, घटनाक्रम का क्रमवार विवरण और आरोपी की हर गतिविधि को दोबारा खंगाल रही है। अधिकारी सभी पहलुओं को स्पष्ट करते हुए रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं, जिसे जल्द भारतपोल पोर्टल पर अपलोड कर आगे की कार्रवाई तेज की जाएगी।

सीबीआई सिर्फ आरोपी की भूमिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे केस की टाइमलाइन भी मांगी है।

बंगाल में आज आ सकती है सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट

कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आज सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी हो सकती है। चुनाव आयोग के मुताबिक, SIR के दौरान 'अंडर एडजुडिकेशन' में रखे गए करीब 63 लाख वोटरों में से 27 लाख के मामलों का वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।

दरअसल, 28 फरवरी को जारी फाइनल वोटर लिस्ट में करीब 63 लाख वोटरों को 'अंडर एडजुडिकेशन' में रखा गया था। यानी जिनके डॉक्यूमेंट या पात्रता पर शक था, उनके नाम पर अंतिम फैसला रोककर जांच शुरू की गई।

इनमें से 27 लाख मामलों का वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है। इन वोटरों के नाम रखने या हटाने का फैसला सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट में शामिल किया जाएगा।

इसी बीच मालदा में एक बूथ लेवल ऑफिसर की मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि काम के दबाव की वजह से उनकी जान गई।

SIR प्रक्रिया के बाद अब तक 63.66 लाख नाम हटाए जा चुके हैं, जो कुल वोटरों का करीब 8.3% है। इससे वोटर बेस 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गया है। वहीं, 60 लाख से ज्यादा वोटर अब भी 'अंडर एडजुडिकेशन' में हैं, जिन पर आगे फैसला होना है।

दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 5.31 लाख के पार

सीएम रेखा बोलीं यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत से 2 .5 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली की अर्थव्यवस्था को लेकर जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में बड़ा संकेत मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से विधानसभा में पेश रिपोर्ट के अनुसार, चालू कीमतों पर दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 2025-26 में बढ़कर 5,31,610 रुपये होने का अनुमान है। यह 2024-25 के मुकाबले 7.92 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से करीब 2.5 गुना अधिक रहने की संभावना है, जो राजधानी की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है।

जीएसडीपी को लेकर क्या अनुमान?

वहीं, 2025-26 में दिल्ली का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 13,27,055 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 9.42 फीसदी की बढ़त को दिखाता है। राजकोषीय स्थिति पर नजर डालें तो बजट अनुमान 2025-26 में 9,661.31 करोड़ रुपये का राजस्व अधिशेष रहने की उम्मीद है, जो जीएसडीपी का 0.73 फीसदी है। टैक्स कलेक्शन में भी मजबूती देखने को मिल रही है। सरकार ने 2025-26 के लिए कर संग्रह में 15.54 फीसदी वृद्धि का लक्ष्य रखा है।

एक लाख करोड़ रुपये का कुल बजट

दिल्ली सरकार का कुल बजट एक लाख करोड़ रुपये का है, जिसमें से 59,300 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। यह पिछले साल के 39,000 करोड़ रुपये के मुकाबले बड़ा इजाफा है। सेक्टरवार खर्च में परिवहन को सबसे ज्यादा 20 फीसदी हिस्सा मिला है, इसके बाद सामाजिक सुरक्षा व कल्याण (17 फीसदी) और जल आपूर्ति व स्वच्छता (15 फीसदी) शामिल हैं।

दूसरे क्षेत्रों में क्या है स्थिति?

इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी विस्तार देखा गया है। राजधानी में बिजली की अधिकतम मांग 8,442 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो एक दशक पहले 5,846 मेगावाट थी। जनवरी 2026 तक नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता 509 मेगावाट हो गई है। उद्योग क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग प्रमुख योगदानकर्ता बना हुआ है, जिसका ग्रॉस स्टेट वैल्यू एडेड 50,144 करोड़ रुपये आंका गया है। हालांकि, महंगाई का असर भी दिखा है। औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2024 के 132.5 से बढ़कर 2025 में 139.4 हो गया, यानी 4.9 फीसदी की वृद्धि। परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा मिला है। इलेक्ट्रिक बसों की संख्या अप्रैल 2025 के 2,150 से बढ़कर मार्च 2026 में 4,338 हो गई है, जबकि कुल बस बेड़ा 6,100 है। दिल्ली मेट्रो में प्रतिदिन औसतन 67 लाख यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई। स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार हुआ है। दिसंबर 2025 तक सरकारी अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़कर 15,659 हो गई है। प्रति 1,000 आबादी पर बेड की उपलब्धता बढ़कर 2.84 हो गई है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 2,500 रुपये की सहायता दी जा रही है। चालू वित्त वर्ष में 4.40 लाख वरिष्ठ नागरिकों और 4.09 लाख जरूरतमंद महिलाओं को इसका लाभ मिला। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 1,953 उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से 72.21 लाख लाभार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

बड़ी गिरावट के बेजार हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 1836 अंक टूटा, निफ्टी 22500 के नीचे

मुंबई,23 मार्च(एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। युद्ध के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, जो चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और रुपये की कमजोरी ने भी निवेशकों को जोखिम से बचने के लिए प्रेरित किया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,836.57 अंक या 2.46 प्रतिशत गिरकर 72,696.39 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 1,974.52 अंक या 2.64 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 72,558.44 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 601.85 अंक या 2.60 प्रतिशत गिरकर 22,512.65 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 48 पैसे गिरकर 94.01 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाइटन के शेयरों में सबसे ज्यादा 6.24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक भी गिरावट दर्ज करने वाली प्रमुख कंपनियों में शामिल थीं। एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, इंफोसिस और टेक महिंद्रा विजेता रहे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भारी गिरावट के साथ बंद हुए। कोस्पी में सबसे अधिक 6.49 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यूरोप के बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में संभावित व्यवधानों की चिंताओं के बीच एशियाई बाजारों में आई कमजोरी को दर्शाते हुए घरेलू बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान को ट्रंप द्वारा दिए गए 48 घंटे के अल्टीमेटम के बाद निवेशकों का रुख सतर्क हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि ने बढ़ती मुद्रास्फीति और राजकोषीय चिंताओं का संकेत दिया, जबकि रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने से बाजारों पर और दबाव पड़ा और एफआईआई की निकासी शुरू हो गई।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 113.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.97 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 113.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ट्रंप ने दिया ईरान के साथ शांति संदेश

तो गिफ्ट निफ्टी ने उछलकर दे दिया संकेत, कल होगी बल्ले-बल्ले!

नई दिल्ली,23 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति का संदेश दिया है। इसके चलते ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका के सभी हमलों को पांच दिनों के लिए रोकने का फैसला लिया गया है। ट्रंप के इस ऐलान के साथ ही गिफ्ट निफ्टी में बंपर उछाल आया। यह करीब 5.15 बजे 836 अंक यानी 3.72 फीसदी उछलकर 23301 पर पहुंच गया। यह खबर भारतीय शेयर बाजारों के बंद होने के बाद आई।

उम्मीद है कि इसकी प्रतिक्रिया कल सुबह बाजार खुलते ही मिलेगी। इसके पहले स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को भारी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स ने 1,837 अंक का गोता लगाया। जबकि एनएसई निफ्टी 602 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त होने के कोई संकेत नहीं होने के साथ वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से घरेलू बाजार में गिरावट रही।इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया को चौंकाने वाली खबर दी।

उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच समाधान के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है। इसके चलते उन्होंने ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर अमेरिका के सभी हमलों को पांच दिनों के लिए रोकने का फैसला किया है।इसके तुरंत बाद गिफ्ट निफ्टी उछल गया। कच्चे तेल की कीमतों में भी भारी गिरावट आई। ये दोनों ही बड़े सकारात्मक संकेत हैं। मंगलवार को शेयर बाजार इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

अब तक युद्ध के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर पूंजी निकासी और रुपये की विनिमय दर में गिरावट ने शेयर बाजारों को काफी नुकसान पहुंचाया है।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 1,836.57 अंक यानी 2.46 फीसदी टूटकर 72,696.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार दौरान एक समय यह 1,974.52 अंक का गोता लगाकर 72,558.44 पर आ गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 601.85 अंक यानी 2.60 फीसदी लुढ़ककर 22,512.65 अंक पर बंद हुआ।

आरबीआई का बड़ा कदम

बैंकिंग सिस्टम में डाली 79,256 करोड़ की नकदी आखिर अर्थव्यवस्था के लिए इसके क्या मायने

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बैंकिंग प्रणाली में तरलता को प्रबंधित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने एक रात की अवधि वाली वेरिएबल रेट रेपो (वीआआर) नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 79,256 करोड़ की अतिरिक्त नकदी डाली है। यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में तरलता की कमी को दूर करने और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

क्या है वेरिएबल रेट रेपो नीलामी?

वेरिएबल रेट रेपो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक मौद्रिक नीति उपकरण है। इसके माध्यम से आरबीआई, बैंकों को अल्पकालिक ऋण प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में, बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर आरबीआई से नकदी उधार लेते हैं। इस नीलामी की खासियत यह है कि इसमें ब्याज दर निश्चित नहीं होती, बल्कि यह बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर तय होती है, जिसे 'कट-ऑफ' और 'भारित औसत दर' कहा जाता है। हालिया वीआरआर नीलामी में, आरबीआई ने 79,256 करोड़ की राशि इंजेक्ट की। यह राशि 1 लाख करोड़ के अधिसूचित राशि से काफी कम थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के दिनों में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता में तेज गिरावट देखी गई है, जिसका एक मुख्य कारण अग्रिम कर का भुगतान है।

बैंकिंग प्रणाली में तरलता की क्या स्थिति?

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 23 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 65,395.64 करोड़ की तरलता की कमी का अनुमान लगाया गया था। इस कमी को पूरा करने के लिए आरबीआई द्वारा यह तरलता इंजेक्शन एक आवश्यक कदम था।

यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने तरलता प्रबंधन के लिए वीआरआर नीलामी का सहारा लिया है।

इससे पहले भी, केंद्रीय बैंक ने विभिन्न अवधियों की नीलामी के माध्यम से नकदी डाली है: **20 मार्च:** तीन-दिवसीय वीआरआर नीलामी के माध्यम से 25,101 करोड़ की तरलता। **17 मार्च:** सात-दिवसीय वीआरआर के माध्यम से 48,014 करोड़ की तरलता। इन अल्पकालिक तरलता इंजेक्शनों के अलावा, आरबीआई जनवरी 2026 से खुले बाजार परिचालन (ओपन मार्केट परचेज या ओएमपी) के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद द्वारा बैंकिंग प्रणाली में 3.50 लाख करोड़ की स्थायी तरलता भी डाल चुका है। तरलता प्रबंधन भारतीय अर्थव्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस साल 20 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंचा है एनर्जी इंडेक्स, क्या आने वाली है मंदी?

नई दिल्ली,23 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इसकी वजह यह है कि होर्मुज की खाड़ी से तेल और गैस की सप्लाई बाधित हुई है। दुनिया का 20 फीसदी तेल और एक तिहाई गैस इसी इलाके से गुजरती है।

कच्चे तेल की कीमत में तेजी से दुनिया भर की तेल कंपनियां जमकर मुनाफा कमा रही हैं। अमेरिका में एसएंडपी 500 एनर्जी इंडेक्स इस साल अब तक 20 बार ऑल-टाइम हाई पर पहुंच चुका है। यह 2013 के बाद सबसे ज्यादा है। इससे पहले 2007 में यह 41 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। 2004 से 2008 के बीच एनर्जी स्टॉक्स हर साल कम से कम 10 बार ऑल टाइम हाई पर पहुंचे थे। इस साल एसएंडपी 500 एनर्जी इंडेक्स में 29 फीसदी तेजी आ चुकी है और यह 2022 के बाद सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है। 2020 की महामारी के बाद इस इंडेक्स में 367 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान एसएंडपी 500 ने 175 फीसदी रिटर्न दिया। लेकिन ऑयल स्टॉक्स में तेजी के साथ ही मंदी की आशंका भी सताने लगी है। इतिहास गवाह है कि मंदी से पहले हमेशा तेल की कीमत में उछाल आती है।

कंपनियों की कमाई

ईरान युद्ध शुरू होने से पहले अमेरिकन बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 55 डॉलर प्रति बैरल थी। इस कीमत पर अमेरिका की कंपनियां सालाना 62 अरब डॉलर का कैश जेनरेट कर रही थीं। लेकिन अब यह 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच चुका है। माना जा रहा है कि अगर तेल इसी स्तर पर बना रहता है तो अमेरिका की तेल कंपनियों का सालाना फ्री कैश फ्लो 163 अरब डॉलर पहुंच जाएगा।

ईरान युद्ध के बीच एयरलाइन कंपनियों के शेयरों में 10% गिरावट, 1 अप्रैल को क्या होने वाला है?

नई दिल्ली,23 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच एयरलाइन कंपनियों के शेयरों में आज 10 फीसदी तक गिरावट आई। अमेरिका/इजरायल और ईरान के बीच युद्ध का आज 24वां दिन है। लेकिन इसके निकट भविष्य में बंद होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान ने होर्मुज की खाड़ी को नहीं खोला तो उसके पावर प्लांट्स को तबाह कर दिया जाएगा। इससे कच्चे तेल की कीमत में आज तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड 1.30% तेजी के साथ 113.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। इससे आशंका जताई जा रही है कि 1 अप्रैल से एटीएफ की कीमत में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। यही कारण है कि विमानन कंपनियों के शेयरों में आज गिरावट आई है। स्पाइसजेट का शेयर आज कारोबार के दौरान 10 फीसदी गिरावट के साथ लोअर सर्किट पर आ गया। यह बीएसई पर 10.85 रुपये पर आ गया था। इसी तरह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का शेयर भी करीब 6 फीसदी गिरावट के साथ 3894.80 रुपये पर आ गया। यह इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। दोपहर बाद 2.00 बजे यह 4.93% गिरावट के साथ 3943.35 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इंडिगो ने 14 मार्च से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर फ्यूल चार्ज लगाया था। एयरलाइन कंपनियों के ऑपरेटिंग खर्च में एटीएफ की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा होती है। कंपनी के शेयरों में एक महीने में करीब 32 फीसदी गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण एटीएफ की कीमतों में भारी तेजी आने की आशंका है। साथ ही पश्चिम एशिया के लिए फ्लाइट ऑपरेशंस भी प्रभावित हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एटीएफ की कीमत पिछले महीने की तुलना में करीब तीन गुना हो चुकी हैं। नोमुरा का कहना है कि भारत में भी एटीएफ की कीमत में भारी बढ़ोतरी हो सकती है।

सोने में आज 12 हजार, चांदी में 31 हजार गिरावट

ईरान जंग से 24 दिन में सोना 24 हजार सस्ता, चांदी 65 हजार नीचे आई

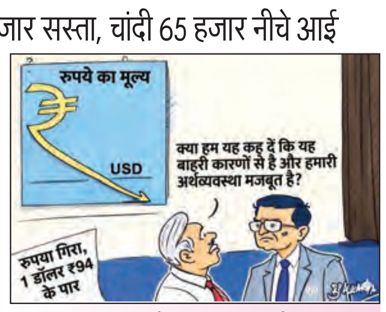

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 40 साल में सोने के कीमत में इतनी बड़ी गिरावट हुई है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई है।सोने की कीमतों का सफर: 1.76 लाख से 1.35 लाख तक सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख (सिर्फ एक महीने में भारी उछाल) मौजूदा स्थिति: अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 41 हजार सस्ता हो चुका है। चांदी की कीमतों में भारी क्रैश: 3.86 लाख से 2.01 लाख तक चांदी में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑल टाइम हाई से बहुत तेजी से नीचे आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख (ऐतिहासिक बढ़त) गिरावट का आंकड़ा: पिछले 53 दिन में चांदी 1.84 लाख सस्ती हो गई है।

कभी कीमतें बढ़ीं, कभी बुकिंग की समयसीमा, युद्ध के दौर में कैसे बदल रहे सिलिंडर से जुड़े नियम?

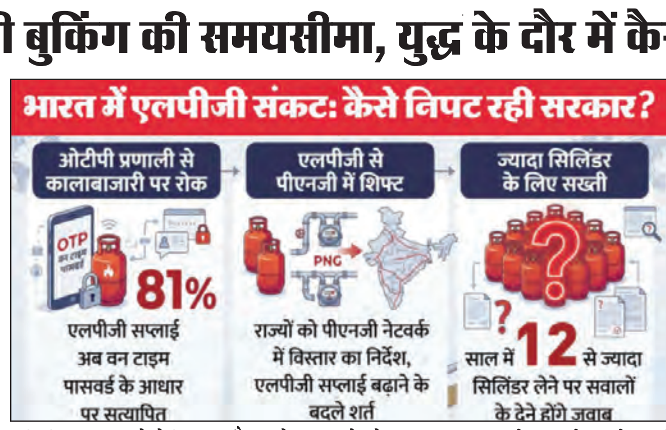

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ही पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट शुरू हो गया। हालांकि, यह पूरी स्थिति इस महीने की शुरुआत में तब और बिगड़ गई, जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का एलान कर दिया। इसके चलते भारत समेत दुनिया के कई देशों में कच्चे तेल से लेकर गैस तक की कमी हो गई। भारत ने बीते कुछ वर्षों में कच्चे तेल को लेकर अपने आपूर्ति स्रोतों को बढ़ाया है, लेकिन एलपीजी के मामले में देश की सप्लाई का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों पर ही निर्भर है। खासकर लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस के मामले में यह निर्भरता काफी ज्यादा है। ऐसे में जैसे ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का एलान किया, भारत में एलपीजी संकट मुंह बाये खड़ा हो गया। आलम यह हो गया कि देश के अलग-अलग शहरों में वाणिज्यिक गैस आपूर्ति ठप पड़ने की शिकायतें सामने आने लगीं। इसके साथ ही घरेलू गैस सिलिंडरों की कमी की भी बातें सामने आने लगीं। इन स्थितियों के बीच केंद्र सरकार ने लगातार संकट का प्रबंधन करने के लिए कुछ नियमों में बदलाव किए हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध से भारत क्यों प्रभावित

भारत मौजूदा समय में अपनी एलपीजी जरूरत का 60 फीसदी आयात करता है। इसमें से 90 फीसदी पश्चिम एशियाई देशों से ही आता है। भारत इस वक्त कतर से सबसे ज्यादा एलपीजी आयात करता है। यहां से भारत का एलपीजी आयात 34 फीसदी है। इसके बाद सऊदी अरब, यूएई और कुवैत हैं। इन सभी देशों से एलपीजी आयात का रास्ता ईरान द्वारा बंद किए गए होर्मुज जलडमरूमध्य से ही होकर गुजरता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रुद्र श्री दुमती नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 06-20
सूर्यास्त. 18 -24
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष मंगलवार 24 March 2026
तिथि - षष्ठी 16-08 तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - रोहिणी 19-04 तक उप मृगशिरा
योग - प्रीति 09-07 तक उप आयुष्मान
करण - तैतिल 16-08 तक उप गर

स्कंद षष्ठी

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मीन	मे	मीन....	05-52 बजे
चंद्र	वृष	मे	मेष.....	07-28 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष....	09-12 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	11-13 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क....	13-25 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह---	15-37 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	17-44 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	19-49 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-59 बजे
			धनु.....	00-12 बजे
			मकर....	02-19 बजे
			कुंभ....	04-09 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-25 से 16-56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-20 - 07-49	अशुभ	काल	18-24 - 19-56	अशुभ
उत्पात	07-49 - 09-20	अशुभ	लाभ	19-56 - 21-24	शुभ
चंचल	09-20 - 10-52	शुभ	उत्पात	21-24 - 22-53	अशुभ
लाभ	10-52 - 12-23	शुभ	शुभ	22-53 - 00-22	शुभ
अमृत	12-23 - 13-54	शुभ	अमृत	00-22 - 01-51	शुभ
काल	13-54 - 15-25	अशुभ	चंचल	01-51 - 03-20	शुभ
शुभ	15-25 - 16-56	शुभ	रोग	03-20 - 04-49	अशुभ
रोग	16-56 - 18-24	अशुभ	काल	04-49 - 06-20	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी प्रेरणा प्रबल है और नए विचार सहजता से प्रवाहित होते हैं। आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ने में मदद करता है, लेकिन कभी-कभी ऊर्जा कम हो सकती है। समय का ध्यान रखते हुए समझदारी से काम लें। भावनात्मक उतार-चढ़ाव के दौरान केंद्रित रहें और चुनौतियों पर विजय पाने के लिए आंतरिक शक्ति का प्रयोग करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे !

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — कार्यस्थल पर आपका दिन ऊर्जावान और भावनात्मक रूप से आवेशित महसूस हो सकता है। आप स्वाभाविक रूप से एक देखभाल करने वाला माहौल बनाएंगे, साथ ही पहल करने के लिए प्रेरित भी महसूस करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प रचनात्मक सफलताओं का समर्थन करता है, खासकर समूह प्रयासों में।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — अपने काम या अध्ययन के पैटर्न में बदलाव की अपेक्षा करें। लचीले बने रहें और बदलावों को धैर्य के साथ अपनाएँ। मानसिक कोहरा स्पष्टता को धीमा कर सकता है, लेकिन अतिरिक्त ऊर्जा को उत्पादक गतिविधि में लगाएँ। आत्मविश्वास आपकी प्रगति का समर्थन करता है, जबकि विवरणों पर सावधानीपूर्वक ध्यान आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अशोक गहलोत का तीखा हमला : बोले- कांग्रेस सरकार के विश्वस्तरीय हेल्थ मॉडल को धराशाई कर रही भजनलाल सरकार

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा राजस्थान का सुदृढ़ स्वास्थ्य ढांचा आज उपेक्षा का शिकार होकर दरक रहा है। यह बेहद चिंताजनक है कि हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित विश्वस्तरीय हेल्थ मॉडल को वर्तमान सरकार धराशाई कर रही है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया अकांउट X पर लिखा कि RGHS के अंतर्गत बकाया भुगतान न होने के कारण एक बार फिर निजी अस्पतालों ने ओपीडी और फार्मेसी सेवाएं रोकने की तैयारी कर ली है, जिससे कर्मचारी और पेंशनर्स अधर में हैं। अशोक गहलोत ने आगे कहा साथ ही, चिरंजीवी (MAA) योजना को शिथिल कर प्रदेशभर के अस्पतालों में इलाज में देरी और आवश्यक दवाइयों की भारी किल्लत पैदा कर दी गई है।

SMS और जनाना अस्पताल में खून की भारी कमी

अशोक गहलोत ने कहा कि जयपुर के SMS और जनाना अस्पताल जैसे बड़े केंद्रों में खून की भारी कमी एक बड़ी 'हेल्थ इमरजेंसी' है, जो प्रदेशवासियों के जीवन के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। सरकार को चाहिए कि निजी ब्लड बैंकों पर लगी रोक अविलंब हटाए ताकि मरीजों की समस्याओं का समाधान हो सके।

अशोक गहलोत ने कहा कि चाकसू विधानसभा क्षेत्र के 108 साल के बुजुर्ग गोलूराम माली ने मेरे से मिलने की

इच्छा जताई। जिनसे मैं कल शाम उनके गांव जाकर मिला। वहां इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में रोकी गई योजनाओं को लेकर भाजपा सरकार के प्रति रोष जताया।

समाधान नहीं, सीएम मुझ पर करते हैं व्यक्तिगत कमेंट्स

अशोक गहलोत ने कहा कि जब मैं सोशल मीडिया के माध्यम से जनता की इन बुनियादी समस्याओं को उठाता हूं, तो मुख्यमंत्री जी समाधान निकालने के बजाय अपने इवेंट्स में मुझ पर व्यक्तिगत कमेंट्स करने में व्यस्त रहते हैं। उन्हें समझना चाहिए कि हम जनता की पीड़ा की आवाज बन रहे हैं, और सरकार को जवाब देने के बजाय धरातल पर बिगड़ते हालात सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में एक करोड़ 36 लाख परिवारों को सुरक्षा कवच दिया जा चुका है। बीते 2 साल में 37 लाख से ज्यादा परिवारों के मरीजों को कैशलेस इलाज की सुविधा मिल चुकी है। पहले इस योजना को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम से पुकारा जाता था। इसके अंतर्गत 25 लाख रुपए तक का कैशलेस बीमा कवरेज हासिल किया जा सकता है। इस योजना में राजस्थान के सभी निवासी पात्र हैं।

इस योजना में राज्य सरकार कैंसर, लीवर जैसी कई बीमारियों की दवा फ्री देती है। यह योजना पिछले 15 साल से चलाई जा रही है। साल 2011 में इस योजना का बजट 195 करोड़ रुपए आवंटित थ। जिसे अब बढ़ाकर 2788 करोड़ रुपए कर दिया गया है। जिला स्तर पर औषधि भंडार से मुफ्त दवाइयां हासिल की जा सकती है।

मुख्यमंत्री निशुल्क निरोगी दवा योजना में जांचें मुफ्त की जाती हैं। जिसमें एक्स-रे एमआरआई और लैब टेस्ट आदि शामिल है।

यह योजना मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारी विधायकों, मंत्रियों, पेंशनर्स को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। इसमें भी मात्र लोगों को कैशलेस इलाज और ओपीडी की सुविधा मिलती है। योजना में पात्र लाभार्थी सरकारी और दर्ज निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

रिमांड पर भेजा गया पाकिस्तानी जासूस

जज के सामने 2023 से चल रही साजिशों के चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। रत की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में पकड़े गए आरोपी सुमित कुमार को सोमवार को जयपुर की सीजेएम कोर्ट (महानगर प्रथम) में पेश किया गया। भारतीय वायुसेना की गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान को साझा करने के आरोपी सुमित कुमार के गुनाह इस दौरान अदालत के सामने रखे गए। न्यायाधीश प्रियशंकर सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को 2 अप्रैल तक रिमांड पर भेज दिया है। अब राजस्थान इंटेलिजेंस रिमांड के दौरान आरोपी से लगातार पूछताछ करेगी, जिसमें कई बड़े खुलासे होंगे।

बता दें कि सुमित कुमार की गिरफ्तारी के पीछे पिछले दिनों हुए खुलासे हैं। इस पूरे जासूसी नेटवर्क की कड़ियां जनवरी 2026 में जैसलमेर से गिरफ्तार हुए झबराराम से जुड़ी हैं। दरअसल, इस मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने

पहले झबराराम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया था। झबराराम से पूछताछ के दौरान सुमित कुमार का नाम सामने आया, जिसके बाद खुफिया एजेंसियां उस पर नजर रख रही थीं। उल्लेखनीय है कि कोर्ट में राजस्थान इंटेलिजेंस की ओर से एडवोकेट सुदेश सत्तावन ने पैरवी करते हुए सुमित कुमार 12 दिन की रिमांड मांगी थी, ताकि नेटवर्क के अन्य सदस्यों और साझा की गई जानकारियों की गहराई से जांच की जा सके। कोर्ट ने 2 अप्रैल तक की रिमांड मंजूर कर ली है। फिलहाल, केंद्रीय पूछताछ केंद्र में विभिन्न एजेंसियां आरोपी से कड़ी पूछताछ कर रही हैं ताकि देश की सुरक्षा में लगी इस सेंध के पूरे जाल का पर्दाफाश किया जा सके।

सुमित कुमार, जो असम के डिब्रूगढ़ स्थित चबुआ एयरफोर्स स्टेशन में मल्टी टास्किंग स्टाफ के पद पर तैनात था।

गिरफ्तारीः राजस्थान इंटेलिजेंस और एयरफोर्स इंटेलिजेंस (नई दिल्ली) की संयुक्त टीम ने उसे चबुआ से हिरासत में लिया था।

आरोपः सुमित अपने पद का दुरुपयोग कर वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील और सामरिक जानकारी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेज रहा था। बैकग्राउंडः 36 साल का सुमित कुमार, प्रयागराज की गलियों से निकलकर वायुसेना में शामिल हुआ था।

12 जिलों को मिली बड़ी राहत, पंजाब ने स्वीकार किया प्रस्ताव, 27 मार्च तक टली बंदी

हनुमानगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के करीब 12 जिलों की जनता ने राहत की सांस ली है। इंदिरा गांधी नहर में 45 दिन की बंदी तय हो गई है। राजस्थान के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए पंजाब ने 27 मार्च तक बंदी को टालते हुए इस अवधि में दस हजार क्यूसेक पानी पेयजल के लिए देने पर सहमति प्रदान कर दी है। पंजाब की इस सहमति के बाद प्रदेश के करीब बारह जिलों को राहत मिली है।

इंदिरा गांधी नहर से प्रदेश के उक्त बारह जिलों के करीब पौने दो करोड़ लोगों की प्यास बुझती है। इससे पहले पंजाब सरकार ने बीस मार्च से तीन मई तक 45 दिन की बंदी लेने का निर्णय किया था, लेकिन राजस्थान सरकार ने आगामी महीनों में पड़ने वाली भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल को प्राथमिकता देकर बंदी अवधि को 10 दिन आगे टालने का सुझाव पंजाब को दिया था। इसे पंजाब सरकार ने आंशिक रूप से मानते हुए अब 27 मार्च के बाद बंदी लेने का निर्णय किया है।

सात-आठ दिनों तक करीब दस हजार क्यूसेक पानी पेयजल के लिए मिलने से पीएचईडी की पेयजल डिग्गियों में पर्याप्त भंडारण हो सकेगा। इससे अप्रेल महीने में भीषण गर्मी के दौरान राजस्थान के उक्त बारह जिलों में पेयजल किल्लत की स्थिति को कम किया जा सकेगा।

कॉलेज की अंधेरी अलमारियों में कैद हैं 31 हजार 'भविष्य'

38 साल से क्यों नहीं लौटा कोई अपना हक मांगने?

अलवर, 23 मार्च (एजेंसियां)। क्या आपने कभी सोचा है कि जिस डिग्री के लिए छात्र रातों की नींद और सालों की मेहनत कुर्बान कर देते हैं, वही डिग्रियां दशकों तक धूल फांकती रह सकती हैं? अलवर के चार प्रमुख सरकारी कॉलेजों की अलमारियों में आज एक अजीब सा सन्नाटा और कागजों का भारी बोझ है। यहां 1986 से लेकर 2024 तक की करीब 31 हजार डिग्रियां और 17 हजार मार्कशीट लावारिस पड़ी हैं। मानो छात्र अपनी कामयाबी के सबूत कॉलेज की अलमारियों में ही भूल गए हों।

अलमारियों में कैद 'हजारों सपने'

आंकड़े चौंकाने वाले हैं। शहर के आर्ट्स कॉलेज में 17 हजार, आरआर कॉलेज में 15 हजार, जीडी कॉलेज में 12 हजार और कॉमर्स कॉलेज में 4 हजार से अधिक दस्तावेज धूल की परतों के नीचे दबे हैं। 38 साल पुराने ये कागज अब गलने की कगार पर हैं। कॉलेजों के पास अब इतनी जगह भी नहीं बची है कि वे नए सत्र के दस्तावेज सुरक्षित रख सकें। सवाल यह है कि आखिर ये 'कामयाब' छात्र अपनी डिग्रियां लेने क्यों नहीं आए?

यूनिवर्सिटी की सुस्ती और 'प्रोविजनल' का सहारा?

इस 'डिग्री पहाड़' के पीछे एक बड़ा कारण यूनिवर्सिटी की लेटलतीफी भी है। अक्सर यूनिवर्सिटी समय पर डिग्रियां नहीं छापती। जब छात्र को नौकरी या आगे की पढ़ाई के लिए जरूरत होती है, तो वह कॉलेज के चक्कर काटने के बजाय यूनिवर्सिटी से 'प्रोविजनल सर्टिफिकेट' बनवा लेता है। काम निकल जाने के बाद, असली डिग्री लेने की फुर्सत किसी को नहीं मिलती। लेकिन यही लापरवाही आगे चलकर 'महंगी' साबित होती है।

विदेश जाने का सपना पड़ सकता है भारी

कॉलेज प्रशासन का कहना है कि जो छात्र अपनी मूल डिग्री नहीं ले जा रहे, उन्हें भविष्य में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप विदेश में पढ़ाई या नौकरी के लिए आवेदन करते हैं, तो वहां डिग्री का 'वेरिफिकेशन' अनिवार्य होता है। बिना मूल डिग्री के वीजा रिजेक्ट हो सकता है। सरकारी विभागों में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के समय प्रोविजनल सर्टिफिकेट केवल एक सीमित समय तक ही मान्य होता है। ऐन वक्त पर अगर आपके पास मूल डिग्री नहीं है, तो हाथ आई नौकरी भी जा सकती है।

भजन संध्या में कव्वाली गाने पर विवाद

हिंदू संगठनों के विरोध के बाद गायक मंच छोड़कर भागा

अजमेर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर शहर के शास्त्री नगर क्षेत्र में आयोजित माता जी की भजन संध्या उस समय विवादों में घिर गई, जब हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भजन गायक का विरोध किया। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और कार्यक्रम के बीच हंगामे की स्थिति बन गई। अलवर गेट क्षेत्र में बीते दिन आयोजित भजन संध्या में भजन गायक जॉन अजमेरी ने प्रस्तुति के दौरान ख्वाजा गरीब नवाज की कव्वाली गाई। इसी बात को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ता नाराज हो गए और विरोध जताने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए। स्थिति बिगड़ती देख भजन गायक जॉन अजमेरी मंच छोड़कर अंदर चले गए। इस दौरान विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं ने 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया।

रात में थे खेजड़ी के पेड़, सुबह बची ठूंठ

गांव वाले हुए हैरान, बीकानेर जिला मुख्यालय तक पहुंची खबर

बीकानेर, 23 मार्च (एजेंसियां)। पुनरासर की रोही में सोलर प्लांट लगाने के लिए एक खेत से 100 से ज्यादा खेजड़ी काटने के आरोप लगे है। इसकी शिकायत पर श्रीडूंगरगढ़ तहसीलदार मौके पर पहुंचे और उन्होंने खेजड़ी काटने के बाद मिले 36 ठूंठ की रिपोर्ट तैयार की। ग्रामीणों का आरोप है कि 70-80 खेजड़ी और भी धरातल के बराबर से काटी गई है। उनके ठूंठ पर मिट्टी डालकर छिपा दिया गया है।

पर्यावरण बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक रामगोपाल बिश्नोई ने बताया कि शुक्रवार- शनिवार रात को बड़ी तादाद में पूनरासर की रोही में खेजड़ी काटी गई है। आरोपी रात को ही खेजड़ी की लकड़ी को वाहनों में डालकर ले गए। इसकी शिकायत करने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और ठूंठों की गिरती की। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और खेजड़ी कटाई पर रोष जताया। पटवारी ने मौका पंचनामा तैयार किया गया है। खेजड़ी काटने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि अभी हाल ही में सरकार की इस मामले को लेकर फजीहत भी हो चुकी है। एक बड़ा आंदोलन पश्चिमी राजस्थान से बवंडर की तरह उठा और बीकानेर जिला मुख्यालय पर धरना- प्रदर्शन की शक्ल में निर्णायक मोड़ ले बैठा था। संत-महात्मा भी गोचर और पेड़ों के संरक्षण को लेकर एक मंच पर आए। सरकार को आखिरकार झुकना पड़ा। बड़ी मुश्किल से वह आंदोलनकारियों को मना पाई थी। यूं तो धरना अब भी जारी है, लेकिन खेजड़ी की कटाई की इस ताजी घटना ने फिर से आग में घी डालने का काम किया है। लोग बुरी तरह आक्रोषित हैं।

ऑटो ड्राइवर ने विदेशी महिला से बुलवाई गाली

जर्मनी से जयपुर घूमने आई थी, लौटकर शेयर किया वीडियो; आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर में ऑटोरिक्शा ड्राइवर ने विदेशी महिला से गालियां बुलवाई। महिला ने इसका वीडियो बनाया था, जिसे उसने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर दिया। जब वीडियो सामने आया तो पर्यटन थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला जर्मनी से जयपुर घूमने आई थी।

पर्यटन थाना मंजू कुमारी ने बताया- 20 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर हुआ था। इसमें ऑटोरिक्शा ड्राइवर विदेशी महिला के साथ अश्लील शब्द बोलता दिख रहा था। वह हंसते हुए महिला से इन शब्दों को दोहराने की कह रहा था। उनके अर्थ से अनजान महिला इन शब्दों को सामान्य बातचीत का हिस्सा समझकर बोलती रही। पुलिस ने वीडियो की जांच की और पाया कि घटना जयपुर शहर के चारदीवारी क्षेत्र में हुई थी। पुलिस ने सैकड़ों ऑटोरिक्शा ड्राइवरों से पूछताछ की।

जांच के दौरान आरोपी की पहचान मोहम्मद सोहेल (31) निवासी लुहारों का मोहल्ला, सूरजपोल, गलता गेट के रूप में हुई। पर्यटन थाना पुलिस ने विदेशी महिला से अपशब्द बुलवाने को लेकर आरोपी पर केस दर्ज की। इसके बाद रविवार को दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि करीब 10 दिन पहले जर्मनी से एक महिला घूमने के लिए जयपुर आई थी। ऑटोरिक्शा में परकोटा घूमते समय आरोपी सोहेल ने विदेशी महिला को समझ नहीं आने वाले अपशब्द बुलवाए। इसका वीडियो महिला ने अपने मोबाइल से बनाया था।

जर्मनी लौटने के बाद महिला ने उसको सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। X (ट्विटर) पोस्ट के जरिए यह वीडियो पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने विदेशी महिला से संपर्क कर वीडियो डिलीट करवा दिया है।

26 से 31 मार्च तक नॉन स्टॉप बारिश

इस बार 2 पश्चिमी विक्षोभ से बारिश-आंधी के भी आसार

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के ताजा अपडेट के अनुसार 26 से 31 मार्च के बीच प्रदेश में लगातार मौसम परिवर्तन देखने को मिल सकता है। इस दौरान दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे, जिनके प्रभाव से राज्य के कई हिस्सों में बारिश, मेघगर्जन और तेज आंधी का दौर चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 23 मार्च को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश और मेघगर्जन की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं, जबकि अधिकांश हिस्सों में मौसम फिलहाल शुष्क बना रहेगा। हालांकि 26-27 मार्च को पूर्वी और उत्तरी राजस्थान में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने के संकेत हैं।

इसके बाद 28 से 31 मार्च के बीच एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे मौसम पूरी तरह से बदल सकता है। इस दौरान प्रदेश के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सिस्टम का असर अधिक व्यापक रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट और मौसम में ठंडक महसूस हो सकती है। मौसम विभाग ने किसानों और आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पंचायत-निकाय चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस की बड़ी रणनीति, 25000 पदों पर करेगी नियुक्ति

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस ने जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर के बाद अब संगठन को ग्राम और वार्ड स्तर तक मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है । पार्टी ने यह निर्णय लिया है कि एक माह के भीतर ग्राम अध्यक्ष और वार्ड अध्यक्ष की नियुक्तियां पूरी की जाएं । इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी जिलाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं और कहा है कि उन्हें समयबद्ध तरीके से यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी ।

यह कदम पार्टी की स्थानीय संगठनात्मक मजबूती को और बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है । इससे न केवल ग्रामीण इलाकों में पार्टी की पकड़ मजबूत होगी, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी कांग्रेस का प्रभाव बढ़ेगा । पार्टी नेताओं का कहना है कि यह रणनीति आगामी पंचायत और निकाय चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, ताकि चुनाव में अधिक से अधिक मतदाता और कार्यकर्ता पार्टी से जुड़ सकें ।

इसके तहत ग्राम पंचायतों में ग्राम अध्यक्ष और शहरी निकायों में वार्ड अध्यक्ष की नियुक्तियां की जाएंगी । प्रदेशभर में लगभग 25 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां होने की संभावना जताई जा रही है । यह नियुक्तियां पार्टी के संगठन को न केवल मजबूती देंगी, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और सक्रियता भी पैदा करेंगी ।

राज्य के सभी 50 जिलाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एक माह के भीतर यह प्रक्रिया पूरी कर प्रदेश नेतृत्व को रिपोर्ट भेजें । माना जा रहा है कि इस व्यापक संगठनात्मक विस्तार से कांग्रेस को आगामी स्थानीय चुनावों में सीधा लाभ मिल सकता है । इसके अलावा, इससे कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और सक्रियता बढ़ेगी, जो चुनावी तैयारी और रणनीति को और सशक्त बनाएगी । राजस्थान कांग्रेस पंचायत और निकाय चुनावों में मजबूत पकड़ बनाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर पूरी तरह तैयार है । ग्राम और वार्ड स्तर तक संगठन सशक्त होने से पार्टी को चुनाव में रणनीतिक लाभ मिलने की संभावना है।

गांव में घुसा मगरमच्छ : वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

अलवर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में सरिस्का टाइगर रिजर्व से सटे ग्रामीण इलाकों में जंगली जानवरों की दस्तक का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गोलाकाबास क्षेत्र के अजबगढ़ वन रेंज के अंतर्गत आने वाले रायवाला गांव का है, एक मगरमच्छ के गांव में घुस आने से हड़कंप मच गया। आबादी क्षेत्र में मगरमच्छ को देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोग डर के मारे इधर-उधर भागने लगे। गांव के बाहरी हिस्से में स्थित रिहायशी इलाके में अचानक एक मगरमच्छ रेंगता हुआ दिखाई दिया। सन्नाटे के बीच मगरमच्छ की आहट ने ग्रामीणों को चौंका दिया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। अनहोनी की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तुरंत सतर्कता बरती और इसकी सूचना मोबाइल के जरिए अजबगढ़ वन रेंज के क्षेत्रीय वन अधिकारी चंद्रप्रकाश मीना को दी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वन अधिकारी चंद्रप्रकाश मीना ने बिना समय गंवाए एक विशेष रेस्क्यू टीम को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। वन विभाग की टीम जब रायवाला गांव पहुंची, तो वहां मगरमच्छ को देखने के लिए लोगों का जमावड़ा लगा हुआ था। मगरमच्छ की स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय लोगों को वहां से हटाया। वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से काबू में किया। रेस्क्यू टीम में यादराम गुर्जर, पांचूराम चौधरी और लालाराम मीणा सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस बचाव कार्य में टीम का सहयोग किया। सफलता पूर्वक पकड़ने के बाद मगरमच्छ को अजबगढ़ रेंज के गहरे जंगल में स्थित एक वाटर पॉइंट पर सुरक्षित छोड़ दिया गया है, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

अवैध संबंध में कर डाली सारी हदें पार : पत्नी ने रात को प्रेमी को घर बुलाया, सो रहे पति को गला घोंटकर मार डाला

बाड़मेर, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले में अवैध संबंधों के चलते एक महिला और उसके प्रेमी ने मिलकर पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। पति से विवाद के चलते महिला लंबे समय से पीहर में रह रही थी, कुछ दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। इस मामले में गिड़ा थाना पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार मृतक महेंद्र कुमार (21) पुत्र पेमाराम, मेघवाल निवासी मलवा गोयलान की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व बागुंडी निवासी अनु देवी के साथ हुई थी। अनु देवी इस विवाह से खुश नहीं थी। शादी के बाद से अधिकतर समय अपने पीहर में ही रह रही थी। इस दौरान उसका संपर्क तिलवाड़ा निवासी शिक्षक अमराराम पुत्र चेनाराम मेघवाल,

जो वर्तमान में चिड़िया क्षेत्र में सरकारी विद्यालय में पदस्थापित है, उससे हुआ। हत्या की वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

परिजनों के अनुसार अनुदेवी के लगातार पीहर में रहने को लेकर समाज के मौजीज लोगों की मौजूदगी में दोनों पक्षों ने आपसी समझाइश की। इसके करीब एक सप्ताह पहले उसे ससुराल से वापस लेकर गांव आए। ससुराल आने के बाद उसने अपने सास-ससुर के साथ रहने से इनकार किया। जिस पर परिवार के अन्य सदस्य अलग रहने लगे।

बढ़ते दबाव पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक अमराराम को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अनुदेवी के साथ मिलकर उसके पति की हत्या करना स्वीकार किया। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। गिड़ा थानाधिकारी ने परिजनों से वार्ता की। निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। इस पर सहमति बनने पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। बाद में उसका अंतिम संस्कार किया। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। महिला की भूमिका सहित पूरे घटनाक्रम के अन्य पहलुओं की पड़ताल रही है।

उधार के रुपये मांगने पर युवक पर फरसी से हमला, हालत गंभीर

कोटपुतली-बेहरोर, 23 मार्च (एजेंसियां)। भिवाड़ी के यूआईटी थाना क्षेत्र के ग्राम बनबन में महज दो हजार के लेनदेन को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि उधार दिए गए रुपये वापस मांगने पर तीन लोगों ने युवक पर फरसी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का उपचार अलवर जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार घायल युवक अमीर ने गांव के ही सद्दाम, मकसूद और भूरा को कुछ समय पहले 2000 रुपए उधार दिए थे। बताया जा रहा है कि अमीर अपने पैसे वापस लेने के लिए आरोपियों के पास गया था। इसी दौरान पैसे के लेनदेन को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने अमीर के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान एक आरोपी ने फरसी से उस पर वार कर दिया। हमले में अमीर गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल अमीर को तुरंत भिवाड़ी के अस्पताल लेकर गए। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे अलवर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में उसका इलाज जारी है और उसकी हालत पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है।

मासूम के अपहरण का प्रयास

बच्चे की सूझबूझ से नाकाम हुए नकाबपोश बदमाश

अलवर, 23 मार्च (एजेंसियां)। बहरोड़ में बदमाशों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। शहर के हमींदपुर रोड स्थित डंपिंग यार्ड के समीप बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने एक 11 वर्षीय बच्चे के अपहरण की कोशिश की। हालांकि, बच्चे की सतर्कता और सूझबूझ के चलते बदमाश अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके और मौके से फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके के अभिभावकों में दहशत का माहौल पैदा हो गया। पीड़ित बालक अपने घर के पास गली में अन्य बच्चों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। बच्चे ने बताया कि बदमाश एक कपड़े पर कुछ संदिग्ध पदार्थ छिड़क रहे थे। अपनी ओर आता देख बालक घबराया नहीं, बालक भागते हुए उस जगह पहुंच गया जहां अन्य बच्चे और लोग मौजूद थे।

परिसीमन के बाद 40-50 सीटें महिलाओं को मिलेंगी: गौड़

प्रदेश महिला कांग्रेस की पहली कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में आयोजित तेलंगाना प्रदेश महिला कांग्रेस की पहली कार्यकारिणी बैठक में टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी बोम्मा महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राज्य में परिसीमन होने पर 40 से 50 विधानसभा सीटें महिलाओं को मिलने की संभावना है। यह बैठक एर्राबेल्ली स्वर्णा की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महेश कुमार गौड़ शामिल हुए। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि संगठन के सभी विभागों को मजबूत किया जा रहा है और स्थानीय नेतृत्व को सशक्त बनाने के साथ युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले से चार से पांच नेताओं को नामित पदों में अवसर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाएं विश्व की जनसंख्या का आधा हिस्सा हैं और उनके सशक्तिकरण के बिना समग्र विकास संभव नहीं है। पार्टी संगठन में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और उन्हें अधिक से अधिक जिम्मेदारियां दी जाएंगी। इस अवसर पर एर्राबेल्ली स्वर्णा ने कहा कि महिला कांग्रेस में आपसी सम्मान और अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पार्टी महिलाओं की क्षमता को बढ़ावा देने और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नामित पदों में महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी और किसी भी समस्या के समाधान के लिए नेतृत्व हमेशा उपलब्ध रहेगा। पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा जल्द ही अनुशासन समिति का गठन किया जाएगा। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि कार्यालय प्रभारी और प्रवक्ता की नियुक्ति जल्द की जाएगी तथा जिला दौरों का कार्यक्रम भी शीघ्र जारी किया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री वाकिटी श्रीहरि, सरकारी व्हिप आदि श्रीनिवास, बीरला इलैया सहित जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष और राज्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

दीपिका रेड्डी बोर्ड मेंबर के रूप में नामित

सांस्कृतिक प्रेमियों के लिए गर्व की बात : रामचंदर राव

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाले दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में पद्मश्री सम्मानित और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रख्यात कलाकार दीपिका रेड्डी की नामांकन की घोषणा की गई है। बीजेपी तेलंगाना के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने इस अवसर पर अपनी हार्दिक बधाई व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि यह नामांकन न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे भारत के सांस्कृतिक प्रेमियों के लिए गर्व की बात है। श्रीमती दीपिका रेड्डी ने अपने समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट कलात्मकता के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय कला एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अपार योगदान दिया है। एन. रामचंदर राव ने आगे कहा कि उनका बोर्ड में शामिल होना उनके विशाल अनुभव, प्रतिभा और पारंपरिक कला रूपों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति उनकी निष्ठा का उचित सम्मान है। हमें विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन से संस्थान की सांस्कृतिक गतिविधियों और पहुंच को और मजबूती मिलेगी।

श्रीरामनवमी शोभायात्रा में तीन हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती : सज्जनार

श्रीरामनवमी शोभायात्रा के लिए सुरक्षा और तैयारी पूरी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में आयोजित होने वाली श्रीरामनवमी शोभायात्रा को भव्य और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी सरकारी विभाग पूरी तरह तैयार हैं। सोमवार को सीताराम बाग के द्रौपदी गार्डन्स में अधिकारियों की समन्वय बैठक हुई, जिसमें जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन, हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि भक्ति और श्रद्धा के साथ यथासंभव सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए लगभग 3,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। पूरे मार्ग में सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन निगरानी रखी जाएगी। चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर नियंत्रण के लिए क्राइम टीम और महिला सुरक्षा टीम लगातार निगरानी रखेगी। पिछले वर्ष वाहनों के ब्रेकडाउन के कारण शोभायात्रा धीमी हुई थी। इस बार इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पहले से की गई हैं।

शोभायात्रा दोपहर 1 बजे शुरू होगी और मार्गों पर ट्रायल रन करके व्यवधानों को रोका जाएगा। ध्वनि प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए डीजे की बजाय सामान्य साउंड सिस्टम का प्रयोग किया जाएगा। प्राइवेट ड्रोन उड़ाने की अनुमति पुलिस से पूर्व अनुमति लेने के बाद ही दी जाएगी। जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. करनन ने कहा कि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सड़कों की मरम्मत और स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था पूरी कर दी गई है। शोभायात्रा में शामिल वाहनों की ऊंचाई और अन्य सुरक्षा पहलुओं पर आयोजकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। इस बैठक में एडिशनल सीपी तफ़सीर इकबाल, जॉइंट सीपी जोएल डेविस, एन. श्वेत, जोनल कमिश्नर मुकुंद रेड्डी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। शोभायात्रा आयोजक भगवन्त राव, गोविंद राठी, आनंद सिंह, श्री कृष्ण, शशिकल और लाल सिंह ने संभावित समस्याओं का उल्लेख किया, जिस पर पुलिस कमिश्नर ने सभी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

मानवता के हित में तत्काल युद्धविराम की अपील

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय ने विश्व नेताओं से मानवता को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल युद्धविराम लागू करने की अपील की है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि युद्ध का प्रभाव न केवल मानव जीवन पर बल्कि वैश्विक संसाधनों, पर्यावरण और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी गंभीर रूप से पड़ रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि युद्ध के कारण बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की जान जा रही है, परिवार बिखर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों पर गहरा मानसिक आघात पड़ रहा है।

इसके साथ ही पेट्रोलियम जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों की कमी से वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो रही है, जिसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है। पर्यावरण पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को भी गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा गया है कि युद्ध के कारण वायु, जल और भूमि प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे भविष्य में जीवन और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साथ ही, राष्ट्रों के बीच विश्वास में कमी आ रही है, जिससे कूटनीतिक संबंध और शांति प्रयास कमजोर हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय ने तत्काल और स्थायी युद्धविराम, मूल कारणों पर आधारित सार्थक वार्ता और विश्व नेताओं के बीच खुला व ईमानदार संवाद शुरू करने की मांग की है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि स्थायी समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है और विश्व नेताओं को मानवता के व्यापक हित में मिलकर शांति स्थापित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, हैदराबाद के सेक्रेटरी राजेश कल्याण ने बताया कि पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. अजीत पाठक ने इस अपील का समर्थन करते हुए कहा कि वैश्विक शांति और सहयोग ही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

कोयला क्षेत्र में पारदर्शिता, देश में नहीं है बिजली की कमी : केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली , 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा में कोयला मंत्रालय से जुड़े प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि एनडीए सरकार के आने के बाद कोयला क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं और अब कोयला ब्लॉकों का आवंटन पूरी तरह पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले कोयला ब्लॉकों का आवंटन कागजों पर किया जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया गया है, जिससे भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। मंत्री ने बताया कि देश में थर्मल बिजली उत्पादन का लगभग 73 प्रतिशत हिस्सा कोयले पर आधारित है। पहले देश में बिजली की भारी कमी रहती थी, जिससे कृषि, उद्योग और घरेलू जरूरतें प्रभावित होती थीं। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है और देश में कहीं भी बिजली की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिजली उत्पादन के लिए करीब 80 प्रतिशत कोयला आपूर्ति की जा रही है। साथ ही सीमेंट, स्टील और उर्वरक जैसे प्रमुख क्षेत्रों को भी लगातार कोयला उपलब्ध कराया जा रहा है।

किशन रेड्डी ने बताया कि भारत के पास लगभग 70 वर्षों के लिए पर्याप्त कोयला भंडार मौजूद है। कोयला भंडार के मामले में भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है, जबकि उत्पादन और खपत में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है। मंत्री ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत कोल गैसीफिकेशन तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है और स्वतंत्रता के बाद पहली बार 7 परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिनमें से 4 परियोजनाओं का भूमि पूजन हो चुका है। इन परियोजनाओं पर लगभग 64 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में स्थापित की जा रही हैं। कोल गैसीफिकेशन से कोयला आयात में कमी आएगी और इसके लिए प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 143 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद करने का कार्य शुरू किया गया है। इसके लिए 143 नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और जिला कलेक्टरों की निगरानी में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2028 तक इन खदानों को बंद कर वहां विकास कार्य पूरे किए जाएंगे, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।

यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए : महाप्रबंधक

दक्षिण-मध्य रेलवे में ट्रेन संचालन सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे ज़ोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री सत्यप्रकाश और सभी प्रधान विभागाध्यक्ष मौजूद थे। छह प्रमुख डिवीज़न सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंटकल और नांदेड़ के डिविजनल रेलवे मैनेजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। श्री शीवास्तव ने ज़ोन में ट्रेन संचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संरचित और चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने पॉइंट्स और क्रॉसिंग्स, सेफ्टी पॉइंट अलार्म्स की निरीक्षण गतिविधियों और सुरक्षा ड्राइव की महत्वपूर्णता पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि किसी भी अवांछित गतिविधि को रोका जा सके। उन्होंने अधिकारियों और फील्ड स्टाफ को निर्देश दिए कि ट्रैक के पास काम जारी रहते समय सतर्क रहें और कार्य की प्रकृति के अनुसार क्रू को चेतावनी देने के लिए आवश्यक आदेश जारी करें। सुरक्षा उपकरणों के रख-रखाव, रेलवे परिसरों में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और नॉन-इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेट्स की स्थिति की समीक्षा भी महाप्रबंधक ने की। इसके अलावा पूरे ज़ोन में रेल फिटिंग की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि ट्रेन संचालन और यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और नियमित निगरानी के माध्यम से सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जाएगा।

बीसी आयोग ने टीजीएसपीडीसीएल का दौरा किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन एवं सदस्य रापोलु जयप्रकाश, तिरुमलागिरी सुरेंद्र, बाललक्ष्मी ने दक्षिण तेलंगाना विद्युत वितरण निगम (टीजीएसपीडीसीएल) का दौरा किया और संस्थान में आरक्षण के पालन में पिछड़ी जातियों को हुए अन्याय तथा अन्य संबंधित मुद्दों की विस्तृत जांच की। इस अवसर पर विद्युत निगम के सीएम डी. जितेश वी. पाटिल, निदेशक सी.एच. चक्रपाणी, अधिकारी भास्कर, मुजीबुल्ला खान तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही तेलंगाना इलेक्ट्रिसिटी बीसी कर्मचारियों का एसोसिएशन के अध्यक्ष कुमारस्वामी और संघ के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोग ने 2014 से 2026 के बीच हुई नियुक्तियों का विवरण आयोग को उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किया। इसके अलावा, विभिन्न लंबित कोर्ट मामलों से संबंधित जानकारियों की समीक्षा के लिए संस्था को एक समिति बनाने, कर्मचारियों के प्रमोशन, वरिष्ठता और अन्य मुद्दों की जांच करने के निर्देश भी दिए गए। पूर्व में स्थापित बीसी सेल के लिए आवास सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में बीसी आयोग के सहायक सचिव के. मनोहर राव, विशेष अधिकारी कुमारी एन. सुनीता, सेक्शन अधिकारी जी. सतीश कुमार, रिसर्च अधिकारी जी. लक्ष्मीनारायण एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आयोजित पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, भोलाराम-देवी सोलंकी, ओमप्रकाश पंवार, नारायणलाल, डायाराम सीरवी, दुर्गाराम परिहारियां, पंडित हिमांशु, व अन्य।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाताजी बडेर में स्व. श्री खरतारामजी चोयल, एवं मास्टर स्व. श्री थानारामजी चोयल की स्मृति में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए परिवारजन चेनाराम, रुगाराम, कालुराम, उम्मेदराम, उत्तम चोयल, वेनाराम, मांगीलाल चोयल, सुरेश, दिलीप, हितेश, योगेश, भावेश, हरीश चोयल, समाज के गणमान्य मांगीलाल काग, रावतराम बर्फा, सोहनलाल परिहार, प्रेम पंवार, मोहनलाल हाम्बड़, मूलाराम चोयल, नारायणलाल काग, चोलाराम हाम्बड़, परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, प्रकाश आगलेचा, संतोष चोयल, व अन्य।

राष्ट्रीय लोक अदालत 28 मार्च को, पुलिस विभाग ने व्यापक तैयारियां की

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. श्याम कोशी को अवगत कराया कि राज्य में 28 मार्च को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान अधिकतम संख्या में समझौता योग्य मामलों के निपटारे के लिए पुलिस विभाग ने व्यापक तैयारियां की हैं।सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान डीजीपी ने न्यायाधीश को विभाग द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को प्रस्तावित लोक अदालत को अब 28 मार्च के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। डीजीपी ने कहा कि राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो और अपराध अन्वेषण विभाग 19 मार्च से 27 मार्च तक दैनिक स्थिति रिपोर्ट के माध्यम से मामलों की प्रगति पर लगातार नजर रख रहे हैं। चिन्हित समझौता योग्य मामलों, जारी नोटिसों और पूर्व लोक अदालत सत्रों में निपटाए गए मामलों की नियमित समीक्षा की जा रही है।पिछले प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि गत वर्ष 8 मार्च को 1,83,182 मामलों, 14 जून को 1,93,439 मामलों तथा 15 नवंबर और 21 दिसंबर को आयोजित विशेष लोक अदालतों सहित 1,79,964 मामलों का निपटारा किया गया था। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार यह संख्या और बढ़ेगी। डीजीपी ने विशेष रूप से लंबित पुराने यातायात चालानों के निपटारे पर जोर दिया। इसके लिए पात्र मामलों की पहले से पहचान की जा रही है और लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पुलिस थाना क्षेत्र में विशेष टीमें गठित की गई हैं और अभियोजन अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी ढंग से मामलों के निपटारे के प्रयास किए जा रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस में साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) महेश एम. भगवत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध अन्वेषण विभाग) सुश्री चारु सिन्हा, फ्यूचर सिटी आयुक्त सुधीर बाबू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बीजेपी स्टेट प्रेसिडेंट रामचंदर राव के आहवान पर भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल को असेंबली घेराव करने पर तब अरेस्ट कर लिया जब वह जामबाग डिवीज़न के कार्यकर्ताओं के साथ असेंबली घेराव के लिए तैयारी कर रहे थे।

फीस रिइम्बर्समेंट को लेकर बीआरएस का प्रदर्शन, विधानसभा मार्च रोका गया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के विधायकों और एमएलसी ने सोमवार को गन पार्क स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक पर फीस रिइम्बर्समेंट (शुल्क वापसी) की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह छात्रों की फीस वापसी में देरी कर रही है, जिससे गरीब छात्रों को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। विधायक बैनर और नारे लिखी तख्तियां लेकर विधानसभा की ओर मार्च करने लगे, लेकिन मुख्य गेट पर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया और उनके बैनर भी जब्त कर लिए।

विधानसभा में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी ने सरकार पर करीब 12,000 करोड़ रुपये की फीस वापसी रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग के छात्र सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने इस योजना को प्राथमिकता दी थी, जबकि मौजूदा सरकार के कारण गरीब परिवारों के लिए उच्च शिक्षा मुश्किल हो गई है। वहीं, गद्दाम प्रसाद कुमार ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करने वाले बीआरएस के स्थगन प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

तेलंगाना: डीजीपी ने राज्यपाल को फुटबॉल चैम्पियनशिप के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने सोमवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर उन्हें 74वें बी.एन. मुल्लिक मेमोरियल ऑल इंडिया पुलिस फुटबॉल चैम्पियनशिप-2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 मार्च 2026 को अपराह्न 3 बजे गाचीबौली स्टेडियम में शुरू होगी। इस अवसर पर डीजीपी ने राज्यपाल को आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस चैम्पियनशिप में विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की टीमें भाग लेंगी। उद्घाटन समारोह के दौरान पुलिस दलों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर, प्रतिभागी टीमों की मार्च पास्ट और ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स ध्वज का ध्वजारोहण किया जाएगा। राज्यपाल प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी।यह चैम्पियनशिप देशभर के प्रतिभाशाली पुलिस फुटबॉल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेगी और साथ ही विभिन्न पुलिस बलों के बीच समन्वय और खेल भावना को बढ़ावा देगी। इस अवसर पर आरबीवीआरआर तेलंगाना स्टेट पुलिस अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्ट, आईजीपी (स्पोर्ट्स) गजराव भूपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. eT-WAT-South-09-2026 का

शुद्धिपत्र सं.-01

उपरोक्त निविदा सूचना/निविदा दस्तावेज के EMD में आवश्यकीय परिवर्तनीय सुधार कर दिये गये हैं, जिसे कृपया नोट किया जाना चाहिए:

प्रकाशित अनुसार (मौजूदा मूल्य)	अब पढ़ा जाना चाहिए (संशोधित मूल्य)
₹2,86,800.00	₹5,47,200.00

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1254/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. (1) eT-HQ-WAT-12-2026 एवं (2) eT-HQ-WAT-13-2026 का

शुद्धिपत्र सं.-01

उपरोक्त निविदा सूचना/निविदा दस्तावेज के EMD में आवश्यकीय परिवर्तनीय सुधार कर दिये गये हैं, जिसे कृपया नोट किया जाना चाहिए:

क्र.	प्रकाशित अनुसार (मौजूदा मूल्य)	अब पढ़ा जाना चाहिए (संशोधित मूल्य)
1	₹2,09,900.00	₹2,39,700.00
2	₹3,39,200.00	₹7,56,600.00

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1255/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ
अरुंधति रेड्डी और साहिबजादा फरहान ने जीते पुरस्कार

खेल डेस्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान और भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को फरवरी में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया गया है।

मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के अवॉर्ड के लिए साहिबजादा फरहान के साथ अमेरिका के शेडली वेन शाल्कविक और इंग्लैंड के विल जैक्स भी नॉमिनेट हुए थे। वहीं वुमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए भारत की अरुंणधति रेड्डी के साथ श्रीलंका की हर्षिता समारविक्रमा और पाकिस्तान की फातिमा सना भी नॉमिनेट हुई थीं।

टी20 वर्ल्ड कप में किया फरहान ने शानदार प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसके चलते उन्हें फरवरी के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। उन्होंने 7 मैचों में 2 शतक के चलते 383 रन ठोके। वह एक एडिशन में टी20 वर्ल्ड कप में 2 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा साहिबजादा ने विराट कोहली का एक टी20 वर्ल्ड कप के एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

अल्काराज मियामी ओपन से बाहर
सेबेस्टियन कोर्डा ने हराया; हार के बीच हताश दिखे
बोले- अब और बर्दाश्त नहीं होता, मैं घर जा रहा हूं

मियामी, 23 मार्च (एजेंसियां)। मियामी ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्कराज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गए हैं। उन्हें अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 6-3, 5-7, 6-4 से मात दी। मैच 2 घंटे 19 मिनट चला।

कार्लोस अल्कराज, जिन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया, इस सीजन में अब तक 19 मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 17 जीत और 2 हार दर्ज की हैं।

इंडियन वेल्स में भी उनका सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, जहां उन्हें डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह लगातार दूसरा साल है जब अल्कराज को मियामी में शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा है। पिछले साल भी उन्हें दूसरे दौर में डेविड गोफिन ने हराकर चौंकाया था।

मैच के दौरान अल्कराज का दिखा अलग रूप

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में अल्कराज अपनी लय में नजर नहीं आए। मानसिक मजबूती के लिए पहचाने जाने वाले अल्कराज मैच के दौरान काफी हताश दिखे। पहले सेट में 3-6 से पिछड़ने और दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस टूटने के बाद उन्होंने अपने बॉक्स (कोचिंग टीम) की तरफ चिल्लाते हुए कहा,'अब मुझसे और बर्दाश्त नहीं होता। मैं घर जा रहा हूं... मैं अब और नहीं झेल सकता।' उनके इस व्यवहार ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वे आमतौर पर मैदान पर शांत और मुस्कुराते हुए नजर आते हैं।

कोर्डा ने निर्णायक सेट में दिखाया दम

दूसरे सेट में एक समय कोर्डा 5-4 से आगे थे और मैच के लिए सर्व कर रहे थे। यहाँ अल्कराज ने वापसी की कोशिश की और लगातार पांच गेम जीतकर स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, इस दौरान भी उनके चेहरे पर वह चिर-परिचित चमक और जीत का जश्न गायब था। निर्णायक सेट (तीसरे सेट) में 25 साल के कोर्डा ने अपना संयम बनाए रखा और 2 घंटे 19 मिनट तक चले इस मुकाबले को 6-4 से अपने नाम कर लिया।

रैंकिंग में 36वें नंबर के खिलाड़ी से हारे

सेबेस्टियन कोर्डा फिलहाल एटीपी रैंकिंग में 36वें स्थान पर हैं। पिछले साल डेविड गोफिन (तब 55वीं रैंक) के बाद कोर्डा सबसे कम रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अल्कराज को इस टूर्नामेंट में हराया है। इस हार के साथ ही मियामी ओपन में अल्कराज का खराब रिकॉर्ड जारी रहा।

अल्कराज बोले- अहम मौकों पर कोर्डा बेहतर रहे

मैच के बाद अपनी हार स्वीकार करते हुए अल्कराज ने कहा,'जाहिर तौर पर यह एक कठिन मैच था। मुझे लगता है कि आज कोर्डा ने बेहतरीन खेल दिखाया। मैच में कई ऐसे मौके आए जहां स्कोर काफी करीबी था, लेकिन मैं उन मौकों का फायदा नहीं उठा सका। उन परिस्थितियों में कोर्डा मुझसे बेहतर साबित हुए।

जिसने एक भी विकेट नहीं लिया
केकेआर ने अब उसे दिया मौका
राहुल द्रविड़ से है कनेक्शन

कोलकाता, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल का नया सीजन शुरू होने से पहले खिलाड़ियों की चोट से सबसे ज्यादा परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स ने एक बड़ा फैसला लिया है. हर्षित राणा और आकाश दीप के टूर्नामेंट के बाहर होने के बाद अब केकेआर ने एक नए खिलाड़ी को साइन कर लिया है. तेज गेंदबाजी के मोर्चे पर खिलाड़ियों की फिटनेस और दूसरे कारणों से जूझ रही कोलकाता ने घरेलू क्रिकेट से एक ऐसे खिलाड़ी को चुना है, जिसने आज तक टी20 क्रिकेट में एक भी विकेट नहीं लिया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोलकाता ने विदर्भ क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को साइन किया है.

नहीं लिया विकेट, फिर क्यों मिला मौका?

क्रिकबज की रिपोर्ट में बताया गया है कि पीठ की चोट के कारण बाहर हुए तेज गेंदबाज आकाश दीप की जगह कोलकाता ने सौरभ दुबे को साइन किया है. हालांकि, अभी तक टीम ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है. 28 साल के सौरभ दुबे घरेलू क्रिकेट में विदर्भ का हिस्सा हैं, जिसके लिए उन्होंने लिस्ट-ए और टी20 फॉर्मेट में कुल 11 मैच खेल चुके हैं और 16 विकेट ले चुके हैं. मगर इनमें से 3 मैच उन्होंने टी20 फॉर्मेट में खेले हैं और एक भी विकेट नहीं लिया है.

अब सवाल है कि इसके बावजूद केकेआर ने उन्हें क्यों खरीदा है? इसकी एक वजह तो ये है कि सौरभ दुबे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जिसकी कमी कोलकाता को खल रही थी क्योंकि टीम को मजबूरी में बांग्लादेशी लेफ्ट आर्म पेसर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करना पड़ा था. दूसरी वजह, सौरभ दुबे मुस्तफिजुर की ही तरह लंबे कद के गेंदबाज हैं और उन्हें अच्छा उछाल मिलता है. साथ ही वो गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवा सकते हैं. इतना ही नहीं वनडे फॉर्मेट में सिर्फ 8 मैच में उन्होंने 16 विकेट झटके हैं. ऐसे में सिर्फ 3 मैच की नाकामी को अनदेखा करना कोई बड़ी बात नहीं है.

द्रविड़ से भी है ये खास कनेक्शन

सौरभ दुबे का टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ से भी एक खास कनेक्शन है. भारतीय टीम का कोच बनने से पहले जब द्रविड़ नेशनल क्रिकेट एकेडमी के डाइरेक्टर थे, तब एमर्जिंग एशिया कप 2019 में वो इंडिया ए के कोच बनकर गए थे. इस टूर्नामेंट में सौरभ टीम के प्रमुख गेंदबाज थे और तब उन्होंने 3 मैच में 7 विकेट अपने नाम किए थे.

वैसे ये पहला मौका नहीं है जब सौरभ दुबे की आईपीएल में एंट्री हो रही है. इससे पहले वो 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन चोट के कारण टूर्नामेंट के बीच से ही बाहर हो गए थे. इसके चलते वो अपना डेब्यू भी नहीं कर पाए थे. अब 4 साल बाद उनकी वापसी हो रही है. पिछले सीजन में वो मुंबई इंडियंस के नेट बॉलर्स में से थे.

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगी कोनेरू हंपी
सुरक्षा को लेकर जताई थी चिंता

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी इस महीने साइप्रस में होने वाले प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच मेजबान देश में सुरक्षा की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी। अब उन्होंने इस टूर्नामेंट से नाम वापस लेने का फैसला लिया है। हंपी ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। उन्होंने लिखा, 'बहुत सोचने के बाद मैंने फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से हटने का मुश्किल फैसला लिया है।' हंपी की जगह यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को शामिल किया गया है। विश्व चैंपियनशिप के खिताबों के लिए चुनौती पेश करने वाले खिलाड़ियों का फैसला करने वाला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होना है। पुरुष वर्ग का खिताब भारत के डी गुकेश जबकि महिला वर्ग का खिताब चीन की जू वेनजुन के पास है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण हंपी सुरक्षा को लेकर चिंतित थीं। उन्होंने बुधवार (18 मार्च) को 'एक्स' पर लिखा, 'मुझे पता है कि मैं अकेले शायद कुछ भी नहीं बदल सकती।

एमएस धोनी हो रहे हैं आईपीएल से रिटायर?
सीएसके के कार्यक्रम में दिया बड़ा बयान

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल जब आता है तो साथ में एक सवाल भी लाता है. क्या एमएस धोनी का ये आखिरी सीजन है? क्या वो आईपीएल से रिटायर हो रहे हैं? बीते कुछ सालों से हरेक आईपीएल में यही सिलसला चल रहा ह. लेकिन, आईपीएल 2026 से पहले हुए चेन्नई सुपर किंग्स के एक कार्यक्रम में इस सवाल का जवाब सीधे एमएस धोनी से ही पूछ लिया गया. धोनी पहले तो मुस्कुराए फिर उसका जवाब दिया. धोनी की उम्र अभी 44 साल है. ऐसे में उनका आईपीएल खेलना इस बात पर निर्भर करता है कि उनकी फिटनेस कैसी है? धोनी ने अपनी उसी फिटनेस का जिक्र करते हुए आईपीएल से संन्यास लेने के सवाल का जवाब भी दिया.

धोनी ने आईपीएल से संन्यास पर क्या कहा?

धोनी सीएसके के एक कार्यक्रम में मंच पर खड़े थे, जब उनसे उनके आईपीएल से रिटायर होने के प्लान के बारे में पूछा गया? अब जब सवाल सबके सामने हुआ तो धोनी ने जवाब भी सरेआम ही दिया. धोनी ने कुछ भी साफ तौर पर तो नहीं कहा मगर संकेत जरूर दिए.

मैं पूरी कोशिश कर रहा हूं- धोनी

धोनी ने आईपीएल से रिटायर होने के सवाल पर कहा कि फिटनेस का स्तर कभी ऊपर जा रहा है तो कभी नीचे गिर रहा है. ऐसे में मुश्किल हो रही है. लेकिन, खेलने की कोशिश लगातार जारी है. वो अपनी तरफ से अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं.

फिटनेस पर निर्भर धोनी का आईपीएल करियर

एमएस धोनी ने भले ही सीधे तो पर कुछ नहीं बताया कि वो आईपीएल से रिटायर हो रहे हैं या नहीं. लेकिन, उन्होंने संकेत जरूर दे दिया कि अब उनके संन्यास के दिन करीब ही है. सब कुछ फिटनेस पर निर्भर करता है. हालांकि, संन्यास का वो समय कब होगा, धोनी ने उस बारे में कुछ नहीं कहा.

बांग्लादेश आईपीएल बैन पर समीक्षा करेगा
खेल मंत्री बोले-स्थिति को समझने के बाद इस पर फैसला लेंगे; सुरक्षा रिपोर्ट के बाद पीएसएल पर भी निर्णय

ढाका, 23 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण पर लगे बैन की समीक्षा जल्द हो सकती है। युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज'से बातचीत में कहा कि वे इस बात की भी जांच करेंगे कि दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग आईपीएल के प्रसारण पर बांग्लादेश में बैन क्यों लगाया गया है। वे स्थिति को समझने के बाद इस पर दोबारा फैसला लेंगे।

वहीं, सुरक्षा चिंताओं के आधार पर खिलाड़ियों के पीएसएल में खेलने पर भी अंतिम फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा।

प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश में IPL के प्रसारण पर भी रोक लगा दी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया था, जब कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर रहमान को हटाया गया था।

हालांकि, मौजूदा युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ बेहतर और दोस्ताना संबंध चाहता है।

अमीनुल हक ने बताया कि ईद की छुट्टियों के बाद क्रिकेट बोर्ड के साथ बैठक की जाएगी, जिसमें आईपीएल पर लगे बैन के कारणों की समीक्षा होगी और आगे का फैसला लिया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि खेल का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए और दोनों देशों के बीच खेल संबंध सामान्य रहने चाहिए।

खेल मंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों को पाकिस्तान भेजने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को सरकार से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा,'अगर सुरक्षा को लेकर कोई खतरा है, तो हमारे खिलाड़ी निश्चित रूप से नहीं जाएंगे। पहले बोर्ड हमें इस बारे में जानकारी देगा, फिर हम अपनी नेशनल एजेंसियों की जांच के आधार पर आधिकारिक फैसला लेंगे।'

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि वेस्ट एशिया में जारी संघर्ष के कारण पीएसएल 2026 के मैचों को केवल लाहौर और कराची तक सीमित कर दिया गया है। साथ ही, ये सभी मैच 'बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स' यानी बिना दर्शकों के खेले जाएंगे।

'इन खिलाड़ियों को बाहर करो': ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर बुरी तरह भड़के सुनील गावस्कर

मुंबई, , 23 मार्च (एजेंसियां)। गावस्कर के अनुसार, खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के आतिथ्य का फायदा उठाते हैं और अपनी मर्जी से कभी भी टीम में शामिल होते हैं।

आईपीएल 2026 से पहले सभी टीमों के कैंप लग चुके हैं. 10 टीमें अपनी तैयारियों को मुकम्मल करने में जोरों शोरों के साथ जुटी हैं. कई खिलाड़ी चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. हालांकि कुछ ऐसे भी खिलाड़ी हैं, जो अपनी फिटनेस को देखते हुए शुरुआती मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे. इन खिलाड़ियों पर सुनील गावस्कर ने बड़ा बयान देते हुए फटकार लगाई है.

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड,पैट कमिंस, और मिचेल स्टार्क फिटनेस संबंधी

चिंताओं के कारण पहले तीन मैच नहीं खेला पाएंगे. खबरों के मुताबिक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इन गेंदबाजों के वर्कलोड को मैनेज कर रही है.

"हमें पहले से ही कुछ ऐसे खिलाड़ियों के बारे में जानकारी मिल रही है जो विभिन्न कारणों से उपलब्ध नहीं होंगे, और इनमें से किसी भी कारण की जानकारी उन्हें फ्रेंचाइजी द्वारा चयन से पहले नहीं दी गई थी. जब तक फ्रेंचाइजी मालिक सख्त रुख नहीं अपनाते और इन खिलाड़ियों को टीम से बाहर नहीं करते, तब तक खिताब जीतने के उनके प्रयासों में बाधा आएगी. टीम बनाने की सारी योजना, जिसके बारे में उनका मानना है कि वह उन्हें जीत दिलाने में मदद करेगी, तब धरी की धरी रह जाती है जब खिलाड़ी अपनी मर्जी से कभी भी आने का फैसला करते हैं."

आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है. हालांकि अब तक कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टीम के साथ नहीं जुटे हैं. गावस्कर ने आगे कहा "फ्रेंचाइजी के मालिक अपने खिलाड़ियों को सुविधा देने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, अक्सर उनके परिवारों को खिलाड़ियों के साथ समय बिताने के लिए आने का खर्च उठाते हैं, और यह सब करोड़पति खिलाड़ियों पर कोई बोझ नहीं पड़ता. यह भारतीय तरीका और आतिथ्य सत्कार है, जिसे अक्सर कुछ लोग अपना अधिकार समझ लेते हैं और फिर इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं."

नेमार का वर्ल्ड कप खेलने का सपना लगभग खत्म

ब्रासीलिया, 23 मार्च (एजेंसियां)। नेमार जूनियर के 2026 फीफा वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें अब लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। नेमार ने पहले संकेत दिए थे कि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है, लेकिन ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है। सीएनएन ब्राजील की रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएफ के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नेमार का टीम में चयन अब "अत्यंत जटिल" हो गया है और यह लगभग नामुमकिन सा लगता है। कुछ दिन पहले ही ब्राजील कोच कार्लो एंसेलॉटी ने आगामी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों (फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ) के लिए टीम घोषित की, जिसमें नेमार का नाम नहीं था। नेमार ने साओ पाउलो में एक इवेंट पर कहा कि वे डिसअपॉइंटेड और सैड हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी फिटनेस पर काम करने और टीम में वापसी की इच्छा जताई। लेकिन सीबीएफ के अंदर ये रिएक्शन अच्छा नहीं लिया गया।हाल ही में एक ऐसी घटना हुई जिसने नेमार की टीम में वापसी के रास्ते लगभग बंद कर दिए। ब्राजील के हेड कोच कार्लो अनसेलोटी विशेष रूप से नेमार का खेल देखने के लिए सांतोस एफसी और मिरासोल के बीच मैच देखने पहुंचे थे। अनसेलोटी ने इसके लिए प्राइवेट जेट लिया और आखिरी समय में यात्रा की ताकि वे नेमार की फिटनेस का आकलन कर सकें।

सिर्फ 2 वेन्यू और फैंस की एंट्री बैन, शुरू होने से 4 दिन पहले पाकिस्तानी लीग में उथल-पुथल

इस्लामाबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। जहां सारा ध्यान 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2026 सीजन पर लगा हुआ है, वहीं पड़ोसी देश में भी इसी दौरान लीग शुरू होने जा रही है लेकिन उससे पहले वहां उथल-पुथल मची हुई है. पाकिस्तान की टी20 लीग, PSL का 11वां सीजन 26 मार्च से शुरू होने जा रहा है लेकिन उससे 4 दिन पहले ही टूर्नामेंट को लेकर बड़े बदलाव करने पड़े हैं. विदेशी खिलाड़ियों के लीग छोड़ने और देश में सुरक्षा हालातों को देखते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पीएसएल 2026 सीजन को 6 की बजाए सिर्फ 2 वेन्यू में आयोजित करने का ऐलान किया है.

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक एमरजेंसी मीटिंग के बाद लीग को लेकर जरूरी फैसलों की जानकारी दी. नकवी ने बताया कि इस बार पीएसएल का आयोजन सिर्फ लाहौर और कराची में ही किया जाएगा. पहली बार 8 टीमों के साथ होने जा रही इस लीग में इस बार मैच की संख्या भी बढ़ गई है. मगर अब सभी मुकाबले सिर्फ इन दो शहरों में ही आयोजित किए जाएंगे. इतना ही नहीं, पूरा टूर्नामेंट दर्शकों के बिना ही खेला जाएगा. इसकी वजह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे तनाव और साथ ही पश्चिमी एशिया में चल रही जंग है. नकवी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया कि पिछले कई दिनों से वो देश के प्रधानमंत्री और लीग के फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ चर्चा कर रहे थे. पश्चिम एशिया में चल रही जंग के कारण पाकिस्तान में तेल और गैस का संकट गहरा रहा है, जिसके चलते पहले ही पाकिस्तान सरकार ने बचत की अपील की है. पाकिस्तानी बोर्ड ने इसका हवाला देते हुए ही लीग को सिर्फ 2 शहरों में और बिना दर्शकों के आयोजित करने का फैसला किया ताकि कम से कम परिवहन का इस्तेमाल हो और तेल की बचत हो सके. नकवी ने साथ ही कहा कि टूर्नामेंट को टालने का भी एक विकल्प था लेकिन इसके बाद पूरे साल लीग के आयोजन के लिए कोई विंडो उपलब्ध नहीं है. इसलिए ही बदले हुई परिस्थितियों में इसका आयोजन किया जाएगा. इसके अलावा कई विदेशी खिलाड़ी पिछले कुछ दिनों में लीग से अपना नाम वापस ले चुके हैं, जिसकी एक बड़ी वजह टूर्नामेंट का आईपीएल के साथ ही आयोजित होना है. असल में आईपीएल में भी कई खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके है.

सौरभ दुबे-दसुन शनाका आईपीएल में शामिल

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीजन शुरू होने से पहले ही 10 खिलाड़ी या तो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं या शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है, जबकि हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का अब तक ऐलान नहीं हुआ है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स ने सैम करन की जगह दसुन शनाका को टीम से जोड़ा है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। 28 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुबे, आकाश दीप की जगह लेंगे। आकाश चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। सौरभ दुबे विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा रह चुके है।

मूसी के किनारे रहने वाला कोई भी व्यक्ति बेघर नहीं होगा : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का ऐलान किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज विधान सभा में महत्वपूर्ण योजनाओं और परियोजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूसी नहर पुनर्जीवन परियोजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और सरकार इसके लिए कैबिनेट उप समिति गठित करने जा रही है। इस समिति का नेतृत्व उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मूसी परियोजना के तहत विस्थापित सभी नागरिकों को पुनर्वास उपलब्ध कराया जाएगा। 'हम मूसी के किनारे रहने वाले किसी भी व्यक्ति को बेघर नहीं करेंगे। किसी को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। विपक्ष से आग्रह है कि वे परियोजना के खिलाफ झूठी प्रचार-प्रसार बंद करें।' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि परियोजना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और राजनीतिक लाभ के लिए विकास को बाधित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने मूसी रिवर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की स्थापना कर दी है और यह परियोजना राज्य सरकार की पहल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेगमपेट हवाईअड्डे पर देश का पहला अंडरपास निर्माण के लिए अनुमति सुरक्षित कर ली गई है। इसका उद्देश्य शहर में वाहनों की रुकावट कम करना और यातायात को सुचारू बनाना है। इसके अलावा फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए निर्धारित स्थान और केबीआर पार्क के पास मल्टी लेवल कार पार्किंग जैसी सुविधाएं भी शुरू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि नलगोंडा और विजयवाड़ा मार्गों पर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण जारी है। इसके अलावा, मेट्रो रेल विस्तार कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा और सरकार ने एलएंडटी के साथ चर्चा के बाद मेट्रो परियोजना का संचालन लेने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग 2047 योजना के तहत प्योर, क्योर और रेयर क्षेत्रों का विकास होगा और राज्य में 10,000 वर्ग किलोमीटर के औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण होगा। उन्होंने हवाई प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि हाइल्ट नीति के माध्यम से हैदराबाद को दिल्ली जैसी प्रदूषित नगरी बनने से रोका जाएगा। प्रदूषण फैलाने वाली उद्योगों को शहर के बाहर ओआरआर के बाहर स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे मध्यवर्ग के लिए भूमि उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने शहर के प्रशासनिक सुगमता और विकास के लिए हैदराबाद को तीन नगर निगमों में विभाजित करने की भी घोषणा की। गंडीपेट से गौरेली तक मुसी नदी के किनारे 40 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिससे शहर के दिल से यात्रा करना बेहद आसान होगा। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के लिए विशेष नीतियों की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार का ध्यान केवल 'अच्छा शासन' नहीं बल्कि 'स्मार्ट शासन' पर है। इस नीति के तहत कोर अर्बन रीजन की सभी प्रशासनिक और आर्थिक गतिविधियों को समन्वित किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान एन. रामचंदर राव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भारतीय जनता पार्टी ने इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी ने 'असेंबली घेराव' कार्यक्रम के तहत यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था, जिसका उद्देश्य राज्य सरकार के खिलाफ जनता में बढ़ते असंतोष को उजागर करना था। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने से पहले किसानों, महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन दो वर्षों में वे पूरे नहीं हुए। भाजपा नेताओं ने कहा कि जिस शासन को 'प्रजा पालन' के रूप में प्रस्तुत किया गया था, वह अब 'प्रजा मोसम' (जनता के साथ धोखा) बनकर रह गया है। उनका आरोप है कि सरकार जनता के मुद्दों का समाधान करने के बजाय विरोध की आवाज उठाने वालों के खिलाफ राज्य मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। पार्टी ने एन. रामचंदर राव की गिरफ्तारी को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए इसकी निंदा की और कहा कि जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। रामचंदर राव को पुलिस पंजागुट्टा थाने ले गए, जहां बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

हाईकोर्ट ने स्पीकर ट्रिब्यूनल को दानम नागेन्द्र मामले में नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी से विधायक रहे और अब कांग्रेस से लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बने दानम नागेन्द्र के खिलाफ हाईकोर्ट ने अहम नोटिस जारी किया है। इस मामले में महेश्वर रेड्डी के वकील ने पार्टी परिवर्तन के मामले में स्पीकर के फैसले को खारिज करने की मांग की है। महेश्वर रेड्डी के वकील का कहना है कि दानम नागेन्द्र ने बीआरएस से विधायक रहते हुए कांग्रेस पार्टी से लोकसभा चुनाव में नामांकन किया है, इसलिए उन्हें चुनाव लड़ने की वैधता पर सवाल उठाया जा सकता है। वहीं, पिटीशनर के वकील ने दलील दी कि अन्य पार्टी से नामांकन दाखिल करने के दिन ही उन्हें अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। इस मामले में कर्नाटक और बिहार राज्यों के समान पिटिशन पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला भी वकील ने दिया। हाईकोर्ट में स्पीकर की तरफ से उपस्थित एडवोकेट जनरल सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि वह सीनियर वकील के तौर पर पेश हुए हैं। लेकिन हाईकोर्ट ने आश्चर्य जताया कि एजी रहते हुए कैसे स्पीकर की तरफ से बहस की जा रही है। अदालत ने सुदर्शन रेड्डी से काउंटर दाखिल करने का आदेश भी दिया। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए इस मामले की तारीख 16 अप्रैल निर्धारित की है।

गांधी भवन में गरजे महेश कुमार गौड़ बोले– कांग्रेस में बनेगा बीसी मुख्यमंत्री

टीपीसीसी अध्यक्ष ने भाजपा-बीआरएस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में आयोजित कार्यक्रम में ओबीसी सेल के चेयरमैन के रूप में विधायक ईर्लापल्ली शंकर के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान टीपीसीसी अध्यक्ष एवं एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने भाजपा और बीआरएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि क्या भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) और के. टी. रामाराव (केटीआर) में यह कहने का साहस है कि राज्य में एक पिछड़ा वर्ग (बीसी) मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता बीसी विरोधी हैं और केवल धार्मिक मुद्दों की बात करते हैं, जबकि पिछड़े वर्गों के वास्तविक मुद्दों की अनदेखी करते हैं। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि यदि बीसी समाज में एकता नहीं होगी तो कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में कांग्रेस पार्टी से बीसी मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने बताया कि पार्टी संगठन में 65 प्रतिशत पद बीसी वर्ग को दिए गए हैं, जबकि 60 प्रतिशत डीसीसी अध्यक्ष पद एससी, एसटी और बीसी वर्ग को आवंटित किए गए हैं। साथ ही 67 प्रतिशत बीसी सरपंचों की जीत भी कांग्रेस की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी' के नारे के अनुरूप स्थानीय निकाय चुनावों में टिकटों का वितरण किया गया। लगभग 90 वर्षों बाद जाति सर्वे कर आधिकारिक आंकड़े देने वाला तेलंगाना देश के लिए रोल मॉडल बना है। बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा कर उसे कानूनी रूप दिया गया है, जबकि आरक्षण बिल राज्यपाल के पास लंबित है, जिस पर भाजपा को जवाब देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने देश में कई राज्यों को बीसी मुख्यमंत्री और राज्यपाल दिए हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में ही बीसी वर्ग को न्याय मिल सकता है। बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर ने दस वर्षों के शासन में राज्य को कर्ज के बोझ में डाल दिया और स्वयं फार्महाउस तक सीमित हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन में धान खरीद में घोटाले हुए, जबकि वर्तमान सरकार का 'सन्ना चावल' कार्यक्रम ऐतिहासिक पहल है। महेश कुमार गौड़ ने विश्वास जताया कि आने वाले चुनावों में कांग्रेस पार्टी 100 सीटों के साथ फिर से सत्ता में आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भविष्य में परिसीमन (डिलिमिटेशन) होता है, तो कांग्रेस 140 से अधिक सीटें जीतने की क्षमता रखती है। कार्यक्रम में उन्होंने ईर्लापल्ली शंकर के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में ओबीसी सेल और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी को मजबूती मिलेगी।

वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़, महिला और ग्राहक गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को एक घर पर छापा मारकर वेश्यावृत्ति रैकेट का खुलासा किया। यह कार्रवाई यूसुफगुडा के श्री कृष्णा नगर कॉलोनी में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां अवैध गतिविधियां चल रही हैं। इसके आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली, जहां एक महिला को इस धंधे में लिप्त पाया गया। पुलिस ने 26 वर्षीय अलेख्या रेड्डी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण वह पिछले छह महीनों से इस काम में शामिल थी। जांच में यह भी सामने आया कि इस रैकेट को वेंकटेश नाम के एजेंट और रमा नाम के व्यक्ति की मदद से चलाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एक ग्राहक वेंकट विनय कुमार (27) को भी गिरफ्तार किया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

गिरफ्तारी से जनता की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता : किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार द्वारा 'चलो असेंबली' कार्यक्रम को रोकने और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह कदम कांग्रेस सरकार में बढ़ती असुरक्षा और अभद्रता का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में जनता की समस्याओं पर सरकार की नीति के खिलाफ विरोध जताने का अधिकार विपक्षी दलों से भी छीनना, लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तेलंगाना में लोकतांत्रिक शासन है या पुलिस बल के माध्यम से प्रशासन चलाया जा रहा है।

एन. रामचंदर राव सहित बीजेपी नेताओं को गिरफ्तार करना और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबाना असंवैधानिक और गैर-लोकतांत्रिक है। किशन रेड्डी ने कहा कि पुलिस बल द्वारा विरोध को रोकना केवल भ्रम है और गिरफ्तारी, लाठीचार्ज से जनता की समस्याओं पर बीजेपी का संघर्ष रुक नहीं सकता। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए दिए गए वादे और गारंटियों को पूरा न करना जनता के साथ धोखा है। विशेषकर युवाओं, किसानों और महिलाओं समेत समाज के सभी वर्गों को जन-राज के नाम पर धोखा देना स्पष्ट रूप से असफल शासन और जनता विरोधी नीतियों का प्रमाण है।

अवैध हुक्का पार्लर पर छापा 10 लोग हिरासत में

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मैलार्देवपल्ली थाना क्षेत्र के वाटेपल्ली में रविवार रात पुलिस ने एक अवैध हुक्का पार्लर पर छापेमारी की। इस दौरान 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक रिहायशी इलाके में बिना अनुमति के हुक्का पार्लर चलाया जा रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पार्लर के ऑपरेटर मोहम्मद तनवीर (23) को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने मौके से हुक्का पॉट, फ्लेवर्ड तंबाकू, कोयला, पाइप और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने साफ कहा है कि अवैध हुक्का सेंटरों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तीन दिन शुष्क मौसम, फिर बारिश की संभावना

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कई दिनों तक चले तूफान और बेमौसम बारिश के बाद अब मौसम साफ रहने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले तीन दिनों तक राज्य में शुष्क मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार से मौसम साफ रहेगा और शुक्रवार तक इसके जारी रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम रह सकता है। पूर्वानुमान के मुताबिक, इसके बाद अगले चार दिनों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। हैदराबाद में 24 मार्च तक तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा, लेकिन बुधवार से इसमें बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी। हालांकि यह सूखा मौसम ज्यादा दिन नहीं रहेगा। 27 मार्च तक कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। आईएमडी ने शुक्रवार से रविवार के बीच कुछ जगहों पर बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ बारिश की चेतावनी भी जारी की है।

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का महारत्न सीपीएसई)

प्रोजेक्ट ए : अनंतपुरम कर्नूल टीबीसीबी ट्रांसमिशन सिस्टम प्रोजेक्ट

(पूर्व में इस परियोजना को पावरग्रिड के प्रोजेक्ट एसपीवी अर्थात् ''पावरग्रिड अनंतपुरम कर्नूल ट्रांसमिशन लिमिटेड'' को सौंपा गया था, जिसे 1 मार्च 2026 से पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड के साथ विलय किया गया है। एमसीए के आदेश संख्या 24/7/2024-सीएल-III दिनांक 27-01-2026 के अनुसार)

सार्वजनिक सूचना

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड ने टीबीसीबी मार्ग के अंतर्गत अनंतपुरम (अनंतपुर) (2500 मेगावॉट) एवं कर्नूल (1000 मेगावॉट) आंध्र-प्रदेश में सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए ट्रांसमिशन योजना के साथ जुड़े 400 केवी डी/सी (क्वाड मूस) अनंतपुर पीएस कड़पा विद्यमान सब स्टेशन टीएल का निर्माण पूरा किया है, विद्युत अधिनियम 2003 एवं उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुरूप यह जन-साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त उल्लेखित लाइन 26-03-2026 से प्रभार होगी। यह लाइन आंध्र-प्रदेश राज्य में निम्नलिखित गाँवों से होकर गुजर रही है।

क्र. सं.	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	जिला
01	डोनिमुक्ला, गोंडेरला, तिम्मापुरम, तिम्मापुरम थांडा, नल्लादसरा पल्ली, डोनचरिया, नक्कनदोड्डी, पटाकोट्टाचेरुवु, नेलागोंडा, नक्कनदोड्डी थांडा, गोलालाडोड्डी, सेवागढ़।	गुंतकल	अनंतपुर
02	पेड्डोड्डी, अब्बेदोड्डी, अनिगनिडोड्डी, मार्नेपल्ली, मार्नाडुरु, राजापुरम, थोंडापाडु, तुरकापल्ले, ब्राह्मणपल्ली, एर्रागुडी, कोट्टापेटा, चेरलोपल्ली, पुलकुंटा।	गूटी	अनंतपुर
03	रामाराजुपल्ली, रामाराजुपल्ली आरएस, एडुरुरू।	पामिड़ी	अनंतपुर
04	कचेपल्ली, कोट्टापल्ली, गूटी अनंतपुरम, मिदुथुरु, अवुलमपल्ली, पेद्दावदुगुरु, मेडिमाकुलपल्ली, तेलिकी, लक्ष्मीपल्ली, कंडियागुडुरु, चिन्नावदुगुरु, विरुपापुरामु, चिंथालचेरुवु।	पेद्दा वदुगुरू	अनंतपुर
05	पुप्पाला, पी. वेंगननापल्ले, गंगाराम।	यादिकी	अनंतपुर
06	चेरतोपल्ली, तुर्कापल्ली, कोंडापुरम, पेद्दयेक्कलुरु, चागल्लु, पेद्दा पप्पुरु, बोंडालाडिने, गारलाडिने, धर्मपुरम, सोमनापल्ली, शैकुपल्ले, नारापुरम, नमननंकापल्ले, अम्मलाडिनेपल्ली, कोट्टापल्ले।	पेद्दा पप्पुरु	अनंतपुर
07	येरागुंटा पल्ली, तिम्मापुरम।	ताड़िपत्रि	अनंतपुर
08	कोनगुंटपल्ली, अरकेटिवमुला, कांडिकापुला, चिंताकुंटा, पुतलुरु, थक्कलपल्ली, नागिरेड्डीपल्ले, नारायणपल्ली, सनागलागुडुरु, वेंगन्नापल्ले, गोपाराजेपल्ले।	पुतलुरु	अनंतपुर
09	कोट्टापल्ले चेवनागयापल्ली येनुमालाचिंथा, बेदादुरू, पोट्टीपाडु, डोनकुपल्ली, लिंगमनेनिपल्ले, चेन्नामनेनिपल्ले, लावानुरू।	सिम्हाद्रिपुरम	वाईएसआर कड़पा
10	पेडिपालेम, चेववेरीपल्ले, नंद्यालपल्ली, सनकेसुला, रावलाकोलानु, जंगमरेड्डी पल्ली, मुसलरेड्डीपल्ली, कसानूर, थेलिकी, लोमाडा।	सिम्हाद्रिपुरम	वाईएसआर कड़पा
11	बोदिवारीपल्ली, बुचुपल्ले, थोंदुर, मल्लेला, गंगादेवी पल्ले, अगादुर चेरलोपल्ले, पोटुलापल्ली, सोंथाकोवुरु, बी.कोट्टापल्ले, उदावगंडिया।	थोंडुरु	वाईएसआर कड़पा
12	सोमपल्ले, उप्पलुरु।	मुद्दनूर	वाईएसआर कड़पा
13	अंकिरेड्डीपल्ले, बसिरेड्डीपल्ले, कोम्माड्डी, वेंकटपुरम, अय्यावरुपल्ले, इंदुकुर, उरुटुरु, गंडलावारिपल्ली, कोट्टप्पल कीर्तिपल्ले, तलपनुरु, पायसमपल्ली, लिंगाला, ओबयापल्ले, अलीडेना पल्ले।	विरापा नयनिपल्ले	वाईएसआर कड़पा
14	राजुपालेम, बयानापल्ले, नासानतापुरम, चिंतारेड्डीपल्ले, चिन्नाचेप्पल्ले, लेटापल्ले, येल्लारेड्डी पल्ली, दादिरेड्डीपल्ली, वंकामाड़ा।	कमलापुरम	वाईएसआर कड़पा
15	सितिवरिपल्ले पेडिकालावा।		वाईएसआर कड़पा
16	कोट्टापेटा, मचानुरु, कोनायापल्ले, संकतिपल्ले, गंगुलापल्ले, कोंडारेड्डीपल्ले, एनुगुवारिपल्ली, रल्लापल्ली, अय्यावरिपल्ली, श्रीनिवासपुरम, रामापुरम, मोयिलाकलावा, गोपालपुरम, मित्तमिदापल्ले, हवलदारपेटा, सुरतखानपल्ले, एरालापाडु, शिवशंकरपुरम, गंगनप्पल्ले, मल्लयापल्ले, गिरियापल्ले, वडालवारिपल्ली, टिपिरेड्डीपल्ले, इसुकापल्ली, रसावरिपल्ले, पेसलावारिपल्ले, बिंदुराव पल्ली, चेन्नमराजुपल्ली।	वल्लुरु	वाईएसआर कड़पा
17	तिरुवेणुगाराजुपल्ले, भकरापेटा गोलापल्ली, चिन्नापल्ले, ओबुलमपल्ले कम्मवारिपल्ले, गोपालपुरम बालुपल्ले, पापासाहेबपेंटा, बसिरेड्डीपल्ले, अप्पाराजुपल्ले, रसूलापल्ले, कोत्तापेटा, कृष्णापुरम बुग्गलेटीपल्ले, लिंगारेड्डीपल्ले, चिंताकोम्मादिन्ने, पाडिगालेपल्ले, जमालुपल्ले, चेरियोपल्ली, दौलतापुरम, लक्कीरेड्डीपल्ले, कोट्टापल्ले, चिन्ना काम्पल्ले।	पेंडलीमर्री	वाईएसआर कड़पा

आम जनता से अपील की जाती है कि वे उक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें, और 26-03-2026 को या उसके बाद इन टावरों पर न चढ़ें और न ही ऐसी किसी लाइन को छुएं। उल्लंघन का कोई भी कार्य चाहे वह प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, आकस्मिक या परिणामी हो, जिससे गंभीर बिजली का झटका लग सकता है और जिसके परिणामस्वरूप कोई दुर्घटना हो सकती है या जान-माल का नुकसान हो सकता है, उसके लिए पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड या उसके कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता./-
प्रोजेक्ट इंचार्ज A 9 : अनंतपुर कर्नूल, गूटी सीएओ

पावरग्रिड खावड़ा IIसी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, भारत सरकार का महारत्न सीपीएसई)

कंस्ट्रक्शन एरिया ऑफिस : C/o 400केवी पावरग्रिड गूटी सबस्टेशन, कर्नूल रोड, गूटी, अनंतपुर जिला, आं.प्र. 515 402

रीजनल हेडक्वार्टर : सदर्न रीजन-1, 6-6-8/32 और 395ई, कवाड़ीगुड़ी, सिकंदराबाद-500080

रजिस्टर्ड ऑफिस : बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016, टेली फोन : 011-26560112, 26560121

CIN: U40106DL2022GOI397095

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.